सुविचार

नफरत को हजार मौके दो कि वो प्रेम में परिवर्तित हो जाए, लेकिन प्रेम को एक भी मौका मत दो, कि वो नफरत में बदल जाए।

प्रथम न्यूज

PRATHAM NEWS राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website: www.prathamnews.in email:- dainikprathamnews@gmail.com

Pratham News @dainikprathamnews

भारत ने दोहराया 2024 वाला कारनामा, पहले जिम्बाब्वे और अब आयरलैंड ने चौंकाया...

» पृष्ठ 7 पर

जालंधर, वर्ष:16 अंक : 177 | दिनांक : रविवार, 28 जून 2026 | पन्ने- 10 | मूल्य: ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540

संक्षिप्त न्यूज

कश्मीर से लेकर दिल्ली तक हिली धरती, महसूस किए गए भूकंप के तेज झटके

दिल्ली (ब्यूरो)- देश के कई हिस्सों में शनिवार की शाम भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। भूकंप के इन झटकों को कश्मीर से लेकर दिल्ली तक महसूस किया गया है। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के अनुसार भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के हिंदूकुश क्षेत्र में धरती से 215 किलोमीटर की गहराई में था। जबकि रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.2 आंकी गई है। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर और पूंछ में भी भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के झटकों के बाद लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। बताया जा रहा है कि भूकंप का केंद्र धरती की की सतह से अधिक गहराई में होने के कारण इसके झटके भारत के उत्तरी हिस्से, चीन, किर्गिस्तान, पाकिस्तान समेत कई देशों में महसूस किए गए।

गुलमर्ग में धमाका, एक की मौत, जांच में जुटी एजेंसियां

जम्मू (ब्यूरो)- जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में धमाका होने की खबर आ रही है। इस धमाके में एक शख्स की मौत की खबर आ रही है। इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। धमाके की सूचना मिलने के बाद जांच एजेंसियां इसकी तफ्तीश में जुट गई हैं। इस घटना को लेकर शनिवार को गुलमर्ग पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में लाइन ऑफ कंट्रोल के पास सुमली वाली ढोक में एक पोस्ट के पास एक रहस्यमयी धमाका हुआ है।

ये धमाका केसे हुआ और इसके पीछे क्या कोई साजिश थी, इसे लेकर अभी तक कोई भी आधिकारिक बयान नहीं आया है। इस घटना के बाद से ही सुरक्षाबलों ने इलाके में सघन जांच अभियान शुरू कर दिया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा से मिले सांसद तरुण चुघ, पंजाब की स्वास्थ्य व्यवस्था पर जताई चिंता

नई दिल्ली (ब्यूरो)- केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे. पी. नड्डा से भाजपा सांसद तरुण चुघ ने नई दिल्ली में मुलाकात कर विभिन्न जनहित और स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर चर्चा की। बैठक के दौरान चुघ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं और उनके देशभर में लोगों के जीवन पर पड़ रहे सकारात्मक प्रभाव पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

तरुण चुघ ने पंजाब की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की वर्तमान स्थिति को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य में स्वास्थ्य ढांचा प्रशासनिक विफलताओं और गलत प्राथमिकताओं के कारण गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री के समक्ष पंजाब के लोगों को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर जोर दिया। चुघ ने कहा कि भाजपा प्रत्येक नागरिक तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने, पारदर्शी शासन व्यवस्था स्थापित करने और समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास जताया कि केंद्र सरकार की जनहितकारी नीतियां और योजनाएं देश के स्वास्थ्य क्षेत्र को और मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। बैठक को जनकल्याण और स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

50 करोड़ की हेरोइन के साथ महिला समेत तीन तस्कर गिरफ्तार

श्रीगंगानगर (पुनीत महाजन)- श्रीगंगानगर पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 10 किलो 419 ग्राम हेरोइन बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 50 करोड़ रुपये आंकी गई है। इस मामले में एक महिला सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हेरोइन की खेप पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए भारत भेजी गई थी।

पुलिस अधीक्षक हरिशंकर यादव के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत नाकाबंदी के दौरान पंजाब नंबर की एक संदिग्ध कार को रोका गया। कार सवार आरोपियों ने पुलिस वाहन को टक्कर मारकर भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने पीछा कर उन्हें पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान धर्मेंद्र सिंह उर्फ बाबू और जसविंदर सिंह उर्फ जस्सी के रूप में हुई है। इनके पास से 9.908 किलो हेरोइन और 1.40 लाख रुपये नकद बरामद हुए। वहीं नवजोत कौर उर्फ ज्योति के कब्जे से 511 ग्राम हेरोइन और 21,200 रुपये नकद बरामद किए गए। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सेशेल्स पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी, राष्ट्रीय दिवस की स्वर्ण जयंती समारोह में होंगे मुख्य अतिथि

भारत-सेशेल्स रिश्तों को मिलेगी नई मजबूती

पीएम मोदी ने किया 'कोको डी मेर' का पौधरोपण, हिंद महासागर में साझेदारी पर जोर, सेशेल्स दौरे पर पीएम मोदी का भव्य स्वागत

» प्रथम न्यूज । विक्टोरिया (सेशेल्स)

27 जून (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर सेशेल्स पहुंचे, जहां उनका राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी ने विशेष स्वागत किया। प्रधानमंत्री 29 जून तक सेशेल्स में रहेंगे और देश के राष्ट्रीय दिवस की स्वर्ण जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। इस यात्रा को हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक और समुद्री साझेदारी को नई दिशा देने वाला महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सेशेल्स पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति हर्मिनी एक ही वाहन में राष्ट्रीय वनस्पति उद्यान पहुंचे। यहां दोनों नेताओं ने संयुक्त रूप से 'कोको डी मेर' का पौधा लगाया, जो सेशेल्स की विशिष्ट पहचान और राष्ट्रीय प्रतीक का हिस्सा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और सेशेल्स जैव विविधता संरक्षण, पर्यावरणीय उत्तरदायित्व और भावी पीढ़ियों के लिए हरित पृथ्वी के साझा संकल्प से जुड़े हुए हैं। उद्यान भ्रमण के दौरान दोनों नेताओं ने एल्डाबा विशालकाय कछुओं के संरक्षण केंद्र का भी दौरा किया। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि यह प्रजाति दुनिया की सबसे बड़ी और सर्वाधिक आयु तक जीवित रहने वाली प्रजातियों में शामिल है। उन्होंने भारत और सेशेल्स की मित्रता का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2014 में ऐसे दो कछुए कोलकाता के अलीपुर चिड़ियाघर को उपहार स्वरूप दिए गए थे, जबकि बाद में कुछ कछुए हैदराबाद चिड़ियाघर को भी भेंट किए गए। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि सेशेल्स हिंद महासागर क्षेत्र में भारत का एक महत्वपूर्ण समुद्री साझेदार और घनिष्ठ मित्र है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह यात्रा दोनों देशों के बीच विकास, समुद्री सुरक्षा, क्षमता निर्माण, पर्यावरण संरक्षण और क्षेत्रीय सहयोग को नई मजबूती देगी।

स्वागत के दौरान दिखी भारतीय संस्कृति की झलक : हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री के स्वागत के दौरान भारतीय संस्कृति की झलक भी देखने को मिली। कच्छ के पारंपरिक नृत्य की प्रस्तुति से प्रभावित प्रधानमंत्री ने भारतीय मूल के लोगों और प्रवासी भारतीय समुदाय की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने विदेश में रहते हुए भी भारत की विविध सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखा है।

राष्ट्रीय दिवस समारोह में शामिल होंगे प्रधानमंत्री

यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री राष्ट्रीय दिवस समारोह में शामिल होने के साथ-साथ द्विपक्षीय बैठकों में भी भाग लेंगे। दोनों देशों के बीच हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग, विकास परियोजनाओं और पर्यावरणीय साझेदारी को और मजबूत बनाने पर विशेष चर्चा होने की संभावना है। भारत और सेशेल्स के संबंधों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की दृष्टि से इस यात्रा को अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड वाले कछुए को अपने हाथों से खिलाया खाना

इस दौरान पीएम मोदी ने दुनिया के सबसे उम्रदराज जीवित थलीय जीव जोनाथन नाम के विशालकाय एल्डैबरा कछुए से मुलाकात की और बड़े ही लाड-प्यार से उसे अपने हाथों से खाना खिलाया।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज करीब 194 साल की अविश्वसनीय उम्र वाले इस ऐतिहासिक कछुए से पीएम मोदी की यह मुलाकात सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रही है।

नशा मुक्त पंजाब की ओर मान सरकार का बड़ा कदम

'सूरमा' बनेंगे बदलाव के दूत

CM मान ने शुरू की 'सूरमा' मुहिम, नशा छोड़ चुके युवाओं को बनाया रिकवरी एंबेसडर

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

27 जून (एएम नाथ)

पंजाब को नशा मुक्त बनाने के अभियान को नई दिशा देते हुए मुख्यमंत्री Bhagwant Mann ने रविवार को 'सूरमा' मुहिम की शुरुआत की। इस पहल के तहत नशे की लत से बाहर निकल चुके युवाओं को 'रिकवरी एंबेसडर' के रूप में सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने उन्हें विशेष 'सूरमा' रिंग और टी-शर्ट भेंट कर समाज में सकारात्मक बदलाव का संदेश देने की जिम्मेदारी सौंपी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दो वर्ष से अधिक समय से नशा मुक्त जीवन जी रहे ये युवा अब दूसरों के लिए प्रेरणा बनेंगे और नशे के खिलाफ जमीनी स्तर पर जागरूकता फैलाएंगे। उन्होंने घोषणा की कि ऐसे युवाओं को राज्य सरकार की ओर से रोजगार के अवसर भी उपलब्ध करवाए जाएंगे ताकि वे सम्मानजनक जीवन जी सकें। 'युद्ध नशियां विरुद्ध' अभियान के अगले चरण के रूप में शुरू की गई इस मुहिम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नशा केवल व्यक्तिगत नहीं बल्कि सामाजिक समस्या है। उन्होंने कहा कि नशा छोड़ चुके युवाओं ने सामाजिक बदनामी और मानसिक संघर्ष का सामना करते हुए नई जिंदगी की शुरुआत की

है, जो दूसरों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है। युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए खेलों को सबसे प्रभावी माध्यम बताते हुए मुख्यमंत्री ने ऐलान किया कि 15 जुलाई तक पंजाब के करीब 3,100 गांवों में खेल मैदान और 3,000 जिम शुरू कर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल और पुनर्वास जैसे क्षेत्रों में समान रूप से निवेश कर रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में आधुनिक सुविधाओं से लैस पुनर्वास केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं ताकि नशा पीड़ितों को बेहतर उपचार और पुनर्वास मिल सके। उन्होंने विश्वास जताया कि सामूहिक प्रयासों से पंजाब जल्द ही पूरी तरह नशा मुक्त बनेगा और 'रंगला पंजाब' का सपना साकार होगा।

पंजाब में आध्यात्मिक पर्यटन और धार्मिक विरासत को बढ़ावा दे रही सरकार : केजरीवाल

» प्रथम न्यूज । अमृतसर

27 जून (साहिब दयाल)

अमृतसर में आयोजित 'एक शाम भगवान शिव जी के नाम' भजन संध्या में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत मान ने हजारों श्रद्धालुओं के साथ भाग लिया। प्रसिद्ध गायक हंसराज रघुवंशी की भजन प्रस्तुति ने कार्यक्रम को भक्तिमय बना दिया।

इस अवसर पर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पंजाब सरकार धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने घोषणा की कि अमृतसर में माता सीता, माता जानकी और लव-कुश को समर्पित एक भव्य मंदिर का निर्माण किया जाएगा। साथ ही मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना का विस्तार भी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि सरकार धार्मिक धरोहरों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि 1 अगस्त से पूरे पंजाब में 'हमारे राम' नाटक का मंचन किया जाएगा तथा पटियाला के ऐतिहासिक काली माता मंदिर का जीर्णोद्धार कराया जा रहा है।

शालू जिन्दल को मिला 'सीएसआर विजनरी लीडर ऑफ द ईयर' सम्मान

सामाजिक सेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए शालू जिन्दल सम्मानित

नई दिल्ली (एएम नाथ)- जिन्दल फाउंडेशन की चेयरपर्सन श्रीमती शालू जिन्दल को सामाजिक सेवा और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित 'सीएसआर विजनरी लीडर ऑफ द ईयर' सम्मान से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें 7वें भारत सीएसआर एवं सस्टेनेबिलिटी सम्मिट एंड अवार्ड 2026 के दौरान प्रदान किया गया। यह सम्मान श्रीमती शालू जिन्दल के नेतृत्व में जिन्दल फाउंडेशन द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास, पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक विकास के क्षेत्रों में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों की पहचान है। उनके मार्गदर्शन में फाउंडेशन ने समाज के वंचित और जरूरतमंद वर्गों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से कई प्रभावशाली पहलें शुरू की हैं, जिनका लाभ देशभर में लाखों लोगों को मिल रहा है। शालू जिन्दल ने सीएसआर गतिविधियों को केवल सामाजिक दायित्व तक सीमित न रखते हुए उन्हें जनकल्याण और सतत विकास का प्रभावी माध्यम बनाया है। उनके नेतृत्व में संचालित विभिन्न योजनाओं ने समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने और आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस अवसर पर सांसद नवीन जिन्दल ने शालू जिन्दल को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान उनके समर्पण, संवेदनशील सोच और दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है। उन्होंने कहा कि जिन्दल फाउंडेशन के माध्यम से संचालित अनेक कल्याणकारी योजनाएं समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंच रही हैं और लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही हैं। उन्होंने इसे पूरे परिवार और संस्थान के लिए गर्व का विषय बताया।

यह सम्मान सामाजिक विकास और राष्ट्र निर्माण के प्रति शालू जिन्दल की प्रतिबद्धता तथा उनके नेतृत्व में किए जा रहे जनहितकारी कार्यों की राष्ट्रीय स्तर पर मिली महत्वपूर्ण पहचान माना जा रहा है।

हिमाचल में सरिया और इथेनॉल उद्योगों पर रोक, विस्तार प्रस्ताव भी खारिज

पानी-बिजली की भारी खपत बनी वजह, नए स्टील-इथेनॉल प्लांट नहीं लगेंगे, प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा के लिए सरकार का बड़ा फैसला

» प्रथम न्यूज । शिमला

27 जून (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश सरकार ने पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग को ध्यान में रखते हुए राज्य में नए सरिया (स्टील) और इथेनॉल उद्योगों की स्थापना पर रोक लगाने का फैसला किया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि इन उद्योगों से स्थानीय संसाधनों पर अत्यधिक दबाव पड़ रहा है, जिसके चलते अब ऐसे नए प्रोजेक्ट्स को मंजूरी नहीं दी जाएगी। साथ ही पहले से संचालित इकाइयों के विस्तार संबंधी प्रस्तावों को भी अस्वीकार कर दिया गया है।

हाल ही में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित सिंगल विंडो क्लीयरेंस कमेटी की बैठक में यह मुद्दा प्रमुखता से उठा। उद्योग विभाग के माध्यम से कई कंपनियों ने अपनी इकाइयों के विस्तार की अनुमति मांगी थी, लेकिन सरकार ने सभी प्रस्तावों को खारिज कर दिया।

सरकार के अनुसार सरिया उद्योगों में बिजली की अत्यधिक खपत होती है। एक सरिया इकाई को लगभग 25 मेगावाट बिजली की आवश्यकता पड़ती है, जिससे बिजली बोर्ड पर अतिरिक्त

दबाव बनता है। वहीं इथेनॉल उद्योगों में पानी की भारी खपत चिंता का विषय बनी हुई है। अनुमान के अनुसार एक इथेनॉल यूनिट प्रतिदिन करीब 10 लाख लीटर पानी का उपयोग करती है।

प्रदेश के संसारपुर टेरेस और नालागढ़ में संचालित इथेनॉल प्लांटों के कारण आसपास के क्षेत्रों में भूजल स्तर में गिरावट दर्ज की गई है। इससे स्थानीय लोगों को पानी की कमी का सामना करना पड़ रहा है। सरकार का मानना है कि पर्यावरण और जनहित को देखते हुए ऐसे उद्योगों के विस्तार पर रोक आवश्यक है।

सिंगल विंडो बैठक में लिया गया था निर्णय

मुख्यमंत्री ने सिंगल विंडो कमेटी की बैठक में उद्योग विभाग को सख्त निर्देश दिए हैं कि भविष्य में ऐसे किसी भी प्रस्ताव को स्वीकार न किया जाए जिससे प्रदेश के पर्यावरण और संसाधनों को नुकसान पहुंचता हो। सिंगल विंडो बैठक में उद्योग विभाग के अधिकारियों की ओर से अवगत करवाया गया कि इन दोनों तरह के उद्योगों से नुकसान अधिक होता है और राज्य के युवाओं को रोजगार मिलता है और न ही कर के रूप में अधिक लाभ।

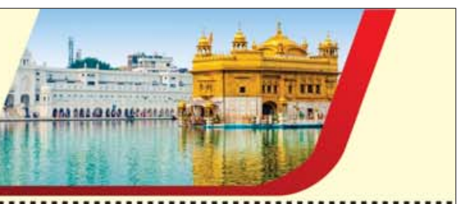

संक्षिप्त न्यूज

राजीव कुमार भोला ने जीरा विकास परिषद को दो सिलाई मशीनें भेंट कीं

जीरा, 27 जून (अंग्रेज बराड़) – सामाजिक सेवा और नगर विकास में सक्रिय जीरा विकास परिषद को उस समय और मजबूती मिली जब जीरा नगर परिषद के उपाध्यक्ष राजीव कुमार भोला ने परिषद को दो सिलाई मशीनें भेंट कीं और परिषद की सदस्यता भी ग्रहण की। इस अवसर पर परिषद के पदाधिकारियों ने राजीव कुमार भोला का हार्दिक स्वागत किया और उनके योगदान की सराहना की। परिषद के संरक्षक और जीरा नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष सुखदेव बिट्टू विज ने कहा कि सामाजिक कल्याण कार्यों के लिए नगर के प्रतिष्ठित व्यक्तियों से मिल रहा सहयोग परिषद के लिए उत्साह का विषय है।

उन्होंने कहा कि जीरा विकास परिषद नगर की स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सेवा से संबंधित कई जन कल्याणकारी कार्य निरंतर कर रही है और सेवा की यह भावना भविष्य में भी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि इस अभियान से समाज के अधिक से अधिक लोगों को जोड़कर नगर विकास के लिए और अधिक प्रयास किए जाएंगे। इस अवसर पर महासचिव जगदेव शर्मा, अध्यक्ष तरसेम लाल जनेजा, गुरबख्श सिंह विज, कैशियर पुष्पेंद्र सिंह हैप्पी, पर्यावरण परियोजना प्रभारी अनिल कुमार बजाज, सनी चौधरी, नरिंदर कुमार नारंग, डॉ. रमेश आर्य, रबिंदर सिंह रूबी, बंटी गुलाटी, सचिव विनोद ग्रोवर, अशोक कथूरिया, अध्यक्ष अरोरा वंश जीरा, सुरिंदर शर्मा जेई और व्याख्याता संजीव सचदेवा सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित थे। सभी ने राजीव कुमार भोला की इस पहल की सराहना की और कहा कि समाज सेवा में इस तरह का योगदान दूसरों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनता है।

पंजाब की राजनीति में हलचल, आम आदमी पार्टी के पूर्व नेता ने थामा भाजपा का दामन

जालंधर, 27 जून (डोगरा)– पंजाब की राजनीति में एक और बड़ा उलटफेर सामने आया है। आदमपुर विधानसभा क्षेत्र से 2022 में चुनाव लड़ चुके और से जुड़े रहे जीत लाल भट्टी ने अब भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है। चंडीगढ़ में हुए इस राजनीतिक घटनाक्रम ने आदमपुर समेत जालंधर की सियासत को नई दिशा दे दी है। बीजेपी में शामिल होने के दौरान पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने कहा कि भाजपा में कार्यकर्ताओं और नेताओं को सम्मान के साथ आगे बढ़ने का अवसर मिलता है, यही वजह है कि अन्य दलों से जुड़े नेता भाजपा की ओर आकर्षित हो रहे हैं। उन्होंने यह भी संकेत दिए कि आम आदमी पार्टी के भीतर असंतोष की स्थिति लगातार गहराती जा रही है। जीत लाल भट्टी पहले आदमपुर में आप के हलका इंचार्ज की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। उनके पार्टी बदलने के बाद इलाके में उनके समर्थकों में उत्साह का माहौल है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस कदम से भारतीय जनता पार्टी को आदमपुर में संगठनात्मक मजबूती मिल सकती है, जबकि आम आदमी पार्टी के लिए यह एक सियासी झटका माना जा रहा है।भट्टी के इस फैसले पर सोशल मीडिया पर भी तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले समय में भाजपा उन्हें कौन-सी भूमिका सौंपती है और इसका आदमपुर की राजनीति पर क्या प्रभाव पड़ता है।

मेजर सिंह भुल्लर का कहना है कि नरेश कटारिया दूसरी बार चुनाव जीतेंगे और कैबिनेट मंत्री बनेंगे

जीरा, 27 जून (अंग्रेज बराड़) – जीरा विधानसभा क्षेत्र से आम आदमी पार्टी के मौजूदा विधायक नरेश कटारिया 2027 के चुनावों में दूसरी बार जीत हासिल करेंगे और मंत्रिमंडल मंत्री बनेंगे! ये शब्द विधायक नरेश कटारिया के ओएसडी, मेजर सिंह भुल्लर ने जीरा स्थित उनके कार्यालय में पत्रकारों से कहे। उन्होंने कहा कि विधायक नरेश कटारिया और उनके दामाद, जिला विकास परिषद सदस्य शंकर कटारिया, पार्टी की राजनीति से ऊपर उठकर निष्पक्ष रूप से दिन-रात अपने क्षेत्र के लोगों की सेवा कर रहे हैं। मेजर सिंह भुल्लर ने कहा कि विधायक कटारिया के प्रयासों से जीरा क्षेत्र के शहरों और गांवों में बड़े पैमाने पर विकास कार्य चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी 2027 के विधानसभा चुनाव जीतकर फिर से सत्ता में आएगी और विधायक श्री नरेश कटारिया मंत्रिमंडल में मंत्री बनेंगे! अंत में, मेजर सिंह भुल्लर ने कहा कि श्री कटारिया मंत्रिमंडल में मंत्री बनेंगे और जीरा निर्वाचन क्षेत्र में कोई बड़ा उद्योग लाएंगे ताकि निर्वाचन क्षेत्र के युवाओं को रोजगार मिल सके! इस अवसर पर मेजर सिंह भुल्लर के साथ महियां वाला कलां के सरपंच गुरप्रीत सिंह बराड़, फिरोके के तीरथ सिंह बराड़, मनकी वाली के सरपंच सुखदेव सिंह संधू, गोपी बराड़ के गुरप्रीत सिंह, मेहर सिंह वाला के डॉ. सुखमंदर सिंह, लेहरा रोही के सरपंच बलराज सिंह, हरविंदर सिंह फिरोके, कुलदीप सिंह सिद्धू आदि उपस्थित थे।

पंजाब में हिंदू वोट बैंक को इग्नोर करके फिर वही गलती तो नहीं करने जा रही कांग्रेस?

पंजाब विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच कांग्रेस के भीतर अध्यक्ष पद को लेकर गहमा गहमी

» प्रथम न्यूज । जालंधर
27 जून (डोगरा)

पंजाब विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच कांग्रेस के भीतर अध्यक्ष पद को लेकर गहमा गहमी चल रही है। पार्टी के मौजूदा अध्यक्ष राजा वड़िंग को हटाए जाने के लिए काम चल रहा है, लेकिन अभी तक तस्वीर साफ नहीं हुई है कि अध्यक्ष बन कौन रहा है। इस बीच चर्चा चल रही है कि पंजाब में पार्टी जट्ट सिख चेहरे को हटा कर दोबारा या तो जट्ट सिख चेहरे को ला सकती है या फिर दलित चेहरे पर भी पासा खेल सकती है। इस सब के बीच चाहे हिंदू चेहरे को लेकर कोई चर्चा नहीं चल रही लेकिन पंजाब में कांग्रेस की जो हालत है उसे, किसी खास क्मयुनिटी के चेहरे की तलाश की बजाए ऐसे चेहरे की तलाश करनी होगी जो कांग्रेस को पंजाब से लुप्त होने से बचा सके। ष्पंजाब में दरअसल भाजपा ने हाल ही में केवल सिंह ढिल्लों को प्रदेश की कमान सौंपी है और यह पहली बार हुआ है कि पार्टी ने हिंदू चेहरे को पीछे कर जट्ट सिख चेहरे पर दांव लगाने की सोची है। अब कांग्रेस में भी अध्यक्ष बदलने को लेकर कई चरह की चर्चाएं हैं लेकिन पार्टी इस सब से ऊपर उठ कर ऐसे चेहरे को आगे नहीं ला पा रही है, जो पार्टी को दोबारा मजबूती दे सके। देश भर में वैसे ही कांग्रेस गिने चुने राज्यों में रह गई है। पंजाब में कांग्रेस के लिए मजबूत संभावनाएं हो सकता हैं, बशर्ते कि वह पुख्ता दांव खेले।

हिंदू वर्ग को इग्नोर क्यों करती है कांग्रेस ?

हिंदू वर्ग को कांग्रेस उस समय से दरकिनार करती आई है जब से पंजाब हरियाणा व हिमाचल अलग हुए हैं। 1966 से लगातार पंजाब में जब भी कांग्रेस की सरकार रही, हिंदू नेताओं को उस तरह की तरजीह नहीं मिली जिस तरह से जट्ट सिख या दलित नेताओं को दी गई। बेशक हिंदू वोटर ने खुल कर कांग्रेस का समर्थन किया। इस समय भी पंजाब में कांग्रेस के अध्यक्ष पर राजा वड़िग के तौर पर जट्ट सिख नेता तैनात हैं तो वहीं विधानसभा में विपक्ष के नेता के तौर पर प्रताप सिंह बाजवा नियुक्त हैं। अगले अध्यक्ष की बात हुई तो फिर से जट्ट सिख नेताओं और दलित नेताओं पर गणना चल रही है। ऐसे में वाजिब है कि हिंदू वोटर को अपने खेमे में करने से एक बार फिर से करने में कांग्रेस चूक सकती है। शायद उस तरह जिस तरह से 2022 के चुनावों में हो चुका है।

वो लोग जो कांग्रेस की मजबूत नींव रख गए

कांग्रेस के पास ऐसे नेता रहे हैं जिन्होंने पार्टी को फर्श से अर्श तक पहुंचाया। कई सालों तक वो राज्यों के सी.एम. भी रहे। चौधरी बंसी लाल हरियाणा के सी.एम. रहे तथा उन्होंने वहां पर बरसों तक काम किया और कांग्रेस को मजबूत किया। कुछ ऐसा ही काम यशवंत सिंह परमार ने हिमाचल में किया जहां वह सी.एम. तो रहे ही बल्कि उन्हें आर्किटेक्ट ऑफ हिमाचल भी कहा जाता है। पंजाब में भी कांग्रेस के पास प्रताप सिंह कैरों जैसे लोग रहे हैं जिन्होंने पंजाब को तो आगे बढ़ाया ही, साथ ही कांग्रेस को भी दिशा देकर आगे चलाया। हैरानी की बात है कि पंजाब में आज कांग्रेस ऐसे किसी नेता की तलाश की बजाए जट्ट सिख या दलित चेहरों पर दांव खेलने की तैयारी में जुटी है जिसके कारण कांग्रेस पहले ही धीरे धीरे सत्ता से बाहर होती जा रही है। पार्टी के कार्यकर्ताओं का कहना है कि वर्षों तक कांग्रेस के लिए काम करने वाले नेताओं की अनदेखी से संगठन के भीतर असंतोष बढ़ सकता है। उनका मानना है कि चुनाव जैसे महत्वपूर्ण समय में सभी अनुभवी नेताओं को साथ लेकर चलना पार्टी के हित में होगा।

पंजाब, पंजाबी और पंजाबियत की बात करने वाला कोई नहीं

पंजाब में अब राजनीति बदल चुकी है, कांग्रेस का इस राजनीति से अलग थलग पड़ना चिंता का विषय है। पंजाब को लेकर जिस तरह से भाजपा लगातार मजबूत दावे कर रही है तथा सरकार स्थापित करने के दावे कर रही है वहीं कांग्रेस के नेता अपने आप में ही उलझे हुए हैं। ना कोई पंजाब की बात कर रहा है और ना ही कोई पंजाबियत की बात कर रहा है। पंजाब में कांग्रेस पूरी तरह से जट्ट सिख और दलित वोट बैंक पर ही केंद्रित रहती है बेशक राज्य में हिंदू वोट बैंक ने समय समय पर कांग्रेस को सहारा देकर खड़ा किया है। लेकिन कांग्रेस शायद हिंदू वर्ग को मान सम्मान देने में विफल रही है। कांग्रेस में वैसे तो गिने चुने हिंदू चेहरे हैं जिनका पार्टी से पुराना नाता है। सुनील जाखड़ तथा मुनीश तिवारी पार्टी के बड़े हिंदू नेताओं में गिने जाते रहे हैं लेकिन हिंदू वर्ग की अनदेखी के कारण जाखड़ पार्टी से चले गए। उन्हें सी.एम. बनाने को लेकर जिस तरह से पार्टी ने बेरूखी दिखाई, उससे यह बात साफ हो गई कि कांग्रेस हिंदू वर्ग के प्रति अलग रवैया रखती है। कुल मिलाकर अब मुनीश तिवारी पार्टी में हैं जो बड़े हिंदू नेता के तौर पर जाने जाते हैं। सांसद के तौर पर उनका अनुभव भी है और वैसे भी कांग्रेस के आला केंद्रीय नेताओं के साथ भी तिवारी काम कर चुके हैं। शायद उनके अनुभव को देखते हुए ही अप्रेशन सिंदूर के बाद वह ऑल-पार्टी पार्लियामेंट्री डेलीगेशन में भी शामिल थे जिसकी तरफ से विदेशों में भारत के काउंटर-टेरर नैरेटिव को बढ़ाने के लिए भेजा गया था।

सांगणा गांव के गुरुद्वारा साहिब वाली गली में शरेआम बिक रही अवैध जहरीली शराब, हो चुकी हैं कई मौतें

20 से लेकर 500 रुपए में लिफाफे की थैलियों में मिल रही अल्कोहल

» प्रथम न्यूज । अमृतसर
27 जून (साहिब दयाल)

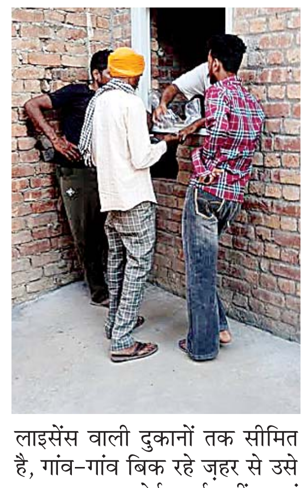

एक तरफ पंजाब सरकार नशा मुक्त पंजाब देखने के सपने देख रही है। वहीं दूसरी तरफ सेंट्रल जेल फ़ताहपुर के नजदीक पड़ते गांव सांगणा में नशे का कारोबार बिना रोक टोक चल रहा है। इसके अंतर्गत पड़ती बहोड़ू पुलिस भी कोई कार्रवाई नहीं कर रही। नाम ना छापने की शर्त पर गांव के कुछ व्यक्तियों ने बताया कि उनके गांव सांगणा में नकली जहरीली शराब पीने से कुछ व्यक्तियों की मौत भी हुई है। पुलिस के डर और किसी झमेले में न पड़ने की सूरत में लोग कार्रवाई करवाने से कतराते हैं इसलिए गांव वासियों ने जिला पुलिस के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि गांव में थैलियों में बिक रही सस्ती ज़हरीली शराब के धंधे को तुरंत बंद करवाए ताकि भविष्य में किसी को अपनी जान से हाथ न धोना पड़े। आबकारी विभाग सिर्फ लाइसेंस वाली दुकानों तक सीमित है, गांव-गांव बिक रहे ज़हर से उसे कोई फर्क नहीं। यहां नकली जहरीली शराब तस्करों के जरिए सस्ती और उधारी में शरेआम बेची जा रही है। वहीं अवैध ठेका संचालक ने पत्रकारों को खुद बताया कि पुलिस, आबकारी और जिम्मेदार अधिकारियों को भी इस मामले की भनक है, मगर वह भी अपनी जेबें भरते हैं।

गांव के सरपंच गुरप्रीत सिंह गोपी ने माना है कि उनके गांव में धड़ल्ले से जहरीली शराब बेची जा रही है। सरपंच गुरप्रीत सिंह ने बताया कि उन्होनो नशा तस्करों को इस धंधे को बंद करने को कई बार चेतावनी दी है लेकिन वह नहीं मानते, उन्होनो सरकार से मांग है कि जहरीली शराब बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

गांव के लोगों ने बताया कि पैसे न होने पर भी ग्राहकों को यहां उधारी में भी शराब बेची जाती है। गांव में अवैध शराब बेचने वालों के बारे में बच्चा बच्चा भी जानता है। शहीद बाबा बुलाका सिंह जी गुरद्वारा साहिब को जाती मेन गली में नशे से झूम रहे शराबियों को देखकर महिलाएं अपना रास्ता बदल लेती हैं। शाम होते ही पूरी गली में शराब लेने वालों की भीड़ लगी रहती है। वहीं जब यह मामला पुलिस जिला देहाती के एसएसपी कवलप्रीत सिंह चाहल के ध्यान में आया तो उन्होंनो जल्द से जल्द आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के आदेश जारी किए।

वार्ड नंबर 26 के मतदाताओं का दावा : इस बार भाजपा उम्मीदवार को मिलेगी कड़ी चुनौती

होशियारपुर(तरसेम दीवाना)– वार्ड नंबर 26 के मतदाताओं की बैठक में चुनावों को लेकर चर्चा हुई। बैठक में कई लोगों ने भाजपा के प्रति नाराजगी जताते हुए दावा किया कि इस बार पार्टी उम्मीदवार को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। मतदाताओं ने वार्ड में विकास कार्यों की कमी, बुनियादी सुविधाओं के अभाव और उपेक्षा का मुद्दा उठाया। उनका कहना था कि चुनावी वादों के बावजूद अपेक्षित काम नहीं हुए। बैठक में मौजूद लोगों ने कहा कि इस बार वे सोच-समझकर मतदान करेंगे और विकास को प्राथमिकता देंगे।

कंबोज फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ. मंगल सिंह किशनपुरी के नेतृत्व में कैबिनेट मंत्री को दिया ज्ञापन

» प्रथम न्यूज । अमृतसर
27 जून (साहिब दयाल)

राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक शहीद उधम सिंह जी की पवित्र स्मृति को समर्पित, कपूरथला जिले के सुभानपुर में कंबोज समुदाय द्वारा एक अनोखा और अंतरराष्ट्रीय स्तर का %उधम सिंह शहीद स्किल एंड एंटरप्रेन्योरशिप यूनिवर्सिटी% स्थापित किया जा रहा है। इस महान प्रोजेक्ट को कानूनी रूप देने और यूनिवर्सिटी एक्ट 2026 को पास करने के लिए शहीद के शहादत दिवस (31 जुलाई, 2026) के अवसर पर पंजाब विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की मांग की गई है। इस संबंध में, कंबोज फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ. मंगल सिंह किशनपुरी के नेतृत्व में एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने आज कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ से मुलाकात की और उन्हें एक विशेष ज्ञापन सौंपा।पहला सत्र संस्थापक चांसलर डॉ. संदीप सिंह कौरा के नेतृत्व में शुरू होगा गौरतलब है कि यह अंतरराष्ट्रीय स्तर की यूनिवर्सिटी संस्थापक चांसलर डॉ. संदीप सिंह कौरा के कुशल नेतृत्व में अपना पहला शैक्षणिक सत्र शुरू करने जा रही है। यह यूनिवर्सिटी इलाके के युवाओं को कुशल (स्किल-बेस्ड) बनाने और औद्योगिक क्षेत्र में नए रास्ते खोलने में एक मील का पत्थर साबित होगी। कैबिनेट मंत्री श्री हरभजन सिंह ईटीओ ने प्रतिनिधिमंडल की इस पहल की बहुत सराहना की और खुशी-खुशी मांग पत्र स्वीकार किया। उन्होंने इस नेक काम के लिए समुदाय को पूरे सहयोग का भरोसा दिया और मामले की अहमियत को देखते हुए इस ज्ञापन को तुरंत पंजाब के माननीय मुख्यमंत्री के पास भेज दिया। इस बैठक के दौरान, प्रतिनिधिमंडल में शामिल प्रमुख हस्तियों में सविंदर सिंह चांदी, एमसी मनदीप सिंह धोटे, अमर सिंह, संयुक्त कैशियर अर्शदीप सिंह के साथ-साथ कंबोज फाउंडेशन के कई अन्य वरिष्ठ नेता और गणमान्य व्यक्ति विशेष रूप से मौजूद थे।

पुलिस कमिश्नर सतिंदर सिंह का जर्नलिस्ट प्रेस क्लब रजिस्टर्ड पंजाब ने किया भव्य स्वागत

» प्रथम न्यूज । जालंधर
27 जून (महेश रहेजा)

जर्नलिस्ट प्रेस क्लब रजिस्टर्ड पंजाब की जालंधर यूनिट की ओर से प्रदेश अध्यक्ष मनजीत मान एवं प्रदेश कोऑर्डिनेटर हरजिंदर सिंह के नेतृत्व में जालंधर के नवनियुक्त पुलिस कमिश्नर सतिंदर सिंह के पदभार ग्रहण करने पर उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। इस अवसर पर क्लब पदाधिकारियों ने पुलिस कमिश्नर को पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दीं। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष मनजीत मान ने पुलिस कमिश्नर सतिंदर सिंह को उनके नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं देते हुए जालंधर यूनिट के सभी सदस्यों का परिचय करवाया। उन्होंने कहा कि जर्नलिस्ट प्रेस क्लब रजिस्टर्ड पंजाब वर्ष 2009 से पुलिस प्रशासन के साथ बेहतर तालमेल बनाकर समाज और पत्रकारों के हित में निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि सतिंदर सिंह के नेतृत्व में शहर की कानून व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। पुलिस कमिश्नर सतिंदर सिंह ने कहा कि प्रेस और पुलिस का रिश्ता बेहद महत्वपूर्ण और मजबूत है। जहां प्रेस समाज को आईना दिखाने का कार्य करती है, वहीं पुलिस समाज में बेहतर कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी निभाती है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों को किसी भी प्रकार की आवश्यकता होने पर वे किसी भी समय उनसे संपर्क कर सकते हैं।

जालंधर यूनिट के अध्यक्ष राजेश कालिया ने कहा कि पुलिस कमिश्नर सतिंदर सिंह के कार्यभार संभालने से शहर की कानून व्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी तथा पत्रकारों को भी निष्पक्ष एवं निर्भीक होकर कार्य करने का बेहतर माहौल प्राप्त होगा।

इस अवसर पर जालंधर महिला विंग की अध्यक्ष अमरप्रीत कौर ने भी पुलिस कमिश्नर को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में महिला पत्रकारों को अपनी बात प्रभावी ढंग से रखने और कार्य करने के लिए बेहतर वातावरण मिलेगा।

इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष मनजीत मान, प्रदेश कोऑर्डिनेटर हरजिंदर सिंह, प्रदेश मुख्य वक्ता राम सिंह भट्टी, जालंधर यूनिट के अध्यक्ष राजेश कालिया, महिला विंग अध्यक्ष अमरप्रीत कौर, जालंधर यूनिट के जनरल सेक्रेटरी महेश रहेजा, सरपरस्त देवराज शर्मा, सीनियर सदस्य मिंटू चुघ, सुखदेव सिंह (सुखा), हरजिंदर सिंह, मनजीत सिंह, मुन्ना (रेरू), चिराग (इशू) सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

गुरदासपुर में आज और बटाला में कल आयोजित होंगे भव्य 'एक शाम भगवान शिव के नाम' धार्मिक समागम: चेयरमैन रंधावा

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
27 जून (संदीप सन्नी)

पंजाब सरकार द्वारा जिला गुरदासपुर के भीतर दो विशाल धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। आम आदमी पार्टी (आप) के जिला अध्यक्ष एवं चेयरमैन जोबन रंधावा ने विशेष जानकारी साझा करते हुए बताया कि सूबा सरकार द्वारा आज सरकारी कॉलेज स्टेडियम, गुरदासपुर में और अगले कल को एस.एल. बावा कॉलेज ग्राउंड (आर.डी. खोसला स्कूल के सामने), बटाला में 'एक शाम भगवान शिव के नाम' थीम के अंतर्गत भव्य कार्यक्रम करवाए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि इन दोनों ही अलौकिक व महान समागमों में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान, पंजाब प्रभारी मनीष सिसौदिया, पंजाब के अध्यक्ष अमन अरोड़ा और पंजाब के कार्यकारी अध्यक्ष व विधायक शैरी कलसी विशेष रूप से शिरकत करेंगे और भगवान शिव के चरणों में अपनी हाजिरी लगाएंगे।

शाम 6 बजे से शुरू होगी शिव महिमा; हंसराज रघुवंशी बिखेरेंगे भक्ति के रंग

चेयरमैन रंधावा ने कार्यक्रमों के समय की रूपरेखा बताते हुए कहा कि दोनों शहरों में यह

धार्मिक समागम शाम ठीक 6ः00 बजे शुरू होंगे। इस पावन संध्या में शिव भक्तों को निहाल करने के लिए देश के जाने-माने और विश्व प्रसिद्ध शिव भक्त गायक हंसराज रघुवंशी विशेष रूप से पहुँच रहे हैं, जो अपनी अनूठी व भक्तिमयी गायकी से भगवान शंकर की महिमा का गुणगान करेंगे। यह कार्यक्रम शाम से शुरू होकर देर रात तक निरंतर चलेंगे।

सपरिवार पहुँचने का खुला न्योता; लंगर व पार्किंग के पुख्ता इंतजाम

जिला अध्यक्ष जोबन रंधावा ने गुरदासपुर, बटाला सहित पूरे जिले के निवासियों और संगत से पुरजोर अपील की है कि वे इस अलौकिक समागम में अपने परिवारों, सगे-संबंधियों और बच्चों सहित बढ़-चढ़कर शामिल हों।

संगत की भारी आमद को मुख्य रखते हुए प्रशासन और पार्टी स्तर पर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। दोनों ही समागम स्थलों पर संगत की सुविधा के लिए-

पंडाल में बैठने की उत्तम व्यवस्था,
वाहनों के लिए सुचारू पार्किंग जोन,
सुचारू यातायात प्रबंधन,
शुद्ध पेयजल और विशाल शिव जी के लंगर के विशेष व पुख्ता इंतजाम किए गए हैं ताकि किसी भी श्रद्धालु को असुविधा का सामना न करना पड़े।

डिप्टी कमिश्नर द्वारा 'एक शाम भगवान शिव के नाम' कार्यक्रम संबंधी सरकारी कॉलेज गुरदासपुर में तैयारियों का जायजा

संगत की सुविधा के लिए पुख्ता प्रबंध : मुख्य द्वार से होगी एंट्री, फुटबॉल ग्राउंड में पार्किंग और क्रिकेट ग्राउंड से स्टेडियम का रास्ता, लंगर, बैठने की व्यवस्था, पेयजल और सुरक्षा के किए गए विशेष इंतजाम; रूट प्लान भी जारी

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
27 जून (संदीप सन्नी)

पंजाब सरकार द्वारा आज को स्थानीय सरकारी कॉलेज स्टेडियम, गुरदासपुर में आयोजित किए जा रहे भव्य धार्मिक समागम 'एक शाम भगवान शिव के नाम' की तैयारियां मुकम्मल कर ली गई हैं। इन तैयारियों और सुरक्षा प्रबंधों का जमीनी स्तर पर जायजा लेने के लिए आज डिप्टी कमिश्नर आदित्य उप्पल द्वारा सरकारी कॉलेज परिसर में सिविल और पुलिस अधिकारियों के साथ एक विशेष रिव्यू बैठक की गई। इस मौके पर उनके साथ एसएसपी गुरदासपुर आदित्य भी विशेष रूप से मौजूद रहे। बैठक के दौरान समूह अधिकारियों को संबोधित करते हुए डिप्टी कमिश्नर गुरदासपुर ने सभी को इस महान समागम के लिए पूरी श्रद्धा और सेवा भावना के साथ अपनी ड्यूटियां निभाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह हम सभी का सौभाग्य है कि हमें इस पावन और बड़े स्तर के धार्मिक समागम की व्यवस्था और सेवा करने का अवसर मिला है।

शाम 6 बजे से शुरू होगा भक्ति रस; हंसराज रघुवंशी करेंगे गुणगान : डिप्टी कमिश्नर ने कार्यक्रम के समय की जानकारी देते हुए बताया कि 28 जून (दिन रविवार) को सरकारी कॉलेज स्टेडियम में यह समागम ठीक शाम 6ः00 बजे शुरू हो जाएगा। इस पावन संध्या में भगवान शिव की आराधना करने और शिव महिमा का पाठ करने के लिए विश्व प्रसिद्ध शिव भक्त गायक हंसराज रघुवंशी अपनी पूरी टीम के साथ पहुँच रहे हैं, जो देर रात तक भगवान शंकर के भजनों से संगत को निहाल करेंगे। उन्होंने गुरदासपुर शहर सहित पूरे जिले के निवासियों से इस समागम में अपने परिवारों सहित बढ़-चढ़कर शामिल होने का खुला न्योता दिया।

एंट्री, पार्किंग और लंगर की सुचारू व्यवस्था : प्रशासन द्वारा संगत की भारी आमद को देखते हुए बेहद योजनाबद्ध तरीके से प्रबंध किए गए हैं : मुख्य प्रवेश द्वारः समागम में आने वाली संगत की एंट्री सरकारी कॉलेज के मुख्य गेट के माध्यम से होगी।

पार्किंग व्यवस्था : कॉलेज के मुख्य गेट से अंदर आने के बाद वाहनों को पार्क करने के लिए कलेज के फुटबॉल ग्राउंड में विशेष पार्किंग जोन बनाया गया है।

स्टेडियम का रास्ता : फुटबॉल ग्राउंड में वाहन पार्क करने के बाद संगत बगल के क्रिकेट ग्राउंड के रास्ते सीधे कॉलेज स्टेडियम (समागम स्थल) में दाखिल हो सकेगी।

अन्य सुविधाएं : पंडाल में संगत के बैठने, पेयजल, विशेष वीआईपी/जनरल पार्किंग और विशाल लंगर का भी बेहद शानदार व सुचारू प्रबंध किया गया है।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम; बाहरी संगत के लिए रूट प्लान जारी : इस अवसर पर एसएसपी गुरदासपुर आदित्य ने सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी देते हुए बताया कि एक शाम भगवान शिव के नाम समागम के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किए गए हैं और यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

उन्होंने बाहर से आने वाली संगत की सुविधा के लिए विशेष रूट प्लान साझा करते हुए अपील की : जो संगत धारीवाल साइड या मुकेरियां आदि की तरफ से इस समागम में शामिल होने के लिए पहुँच रही है, उनसे विशेष अनुरोध है कि वे शहर के आंतरिक ट्रैफिक से बचने के लिए बब्बरी बाईपास से होते हुए नबीपुर और दोरांगला रोड के रास्ते सीधे सरकारी कॉलेज परिसर में पहुँचें। इससे उन्हें किसी भी प्रकार की ट्रैफिक असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा।

बैठक में ये वरिष्ठ अधिकारी रहे उपस्थित : तैयारियों का जायजा लेने के लिए आयोजित की गई इस उच्च स्तरीय बैठक में एडीसी (विकास) गुरप्रीत सिंह गिल, जोन प्रभारी रोहित सियाल, सहायक कमिश्नर (जनरल) कुलदीप चंद, एसपी (एच) जुगराज सिंह, एसपी (डी) डी.के. चौधरी, एसडीएम गुरदासपुर अशोक कुमार, एसडीएम डेरा बाबा नानक लक्ष्मण सिंह, एसडीएम फतेहगढ़ चूड़ियां सुखजिंदर सिंह टिवाना सहित सिविल और पुलिस विभाग के तमाम वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

दीपिका ठाकुर अध्यक्ष व कविता देवी उपाध्यक्ष चुनी

शहीद धर्मेन्द्र स्कूल दुर्गापुर धारड़ी में एसएमसी का गठन

पट्टा मेहलोग (तारा): शहीद धर्मेन्द्र राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, दुर्गापुर धारड़ी में आगामी दो वर्षों के लिए स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) का गठन किया गया। शनिवार को आयोजित बैठक में समिति के सदस्यों ने सर्वसम्मति से दीपिका ठाकुर को अध्यक्ष तथा कविता देवी को उपाध्यक्ष निर्वाचित किया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य दीपक कुमार अवस्थी की देखरेख में यह चुनाव हुए। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष को बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि नई स्कूल प्रबंधन समिति विद्यालय के शैक्षणिक वातावरण को और सुदृढ़ बनाने, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा विद्यालय और अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। विद्यालय प्रशासन ने भी नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए विद्यालय के समग्र विकास के लिए सभी के सहयोग से कार्य करने का आह्वान किया। इस मौके पर स्कूल प्रबंधन समिति की पूर्व अध्यक्षा लता देवी, बढ़लग पंचायत की बीडीसी सदस्या चिंता देवी, विद्यालय के प्रधानाचार्य दीपक कुमार अवस्थी, प्रवक्ता खेम चन्द राघव, रविन्द्र कुमार शर्मा, टीजीटी कला विजय कुमार, टीजीटी संस्कृत धर्मेन्द्र कुमार, टीजीटी हिन्दी चम्पा देवी, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी कृष्णा देवी सहित अनेक अभिभावक एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भाजपा नेताओं ने आईजीएमसी में हर्ष महाजन का कुशलक्षेम जाना, शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की

शिमला (बी. शर्मा)– भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने आज आईजीएमसी, शिमला पहुंचकर भाजपा के राज्यसभा सांसद हर्ष महाजन का कुशलक्षेम जाना और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। दोनों वरिष्ठ नेताओं ने चिकित्सकों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी भी प्राप्त की।

इस अवसर पर डॉ. राजीव बिंदल और जयराम ठाकुर ने कहा कि हर्ष महाजन के अस्वस्थ होने का समाचार मिलने के बाद सभी कार्यकर्ता और शुभचिंतक उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंतित थे। चिकित्सकों के अनुसार उन्हें डिहाइड्रेशन तथा लो ब्लड प्रेशर की समस्या हुई थी। उन्होंने बताया कि किसी प्रकार की हार्ट ब्लॉकेज अथवा हृदय संबंधी गंभीर समस्या नहीं है और अब उनका स्वास्थ्य पूरी तरह सामान्य है। दोनों नेताओं ने ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की प्रार्थना करते हुए कहा कि वे शीघ्र ही पूर्ण ऊर्जा के साथ जनसेवा में पुनः सक्रिय होंगे। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद हर्ष महाजन ने कहा, मैं अब पूर्णतः स्वस्थ हूँ। आज अचानक स्वास्थ्य संबंधी समस्या के कारण कुछ समय के लिए अस्पताल में उपचार लेना पड़ा। ईश्वर की असीम कृपा, चिकित्सकों के समुचित उपचार तथा आप सभी प्रियजनों, शुभचिंतकों, मित्रों एवं समर्थकों की प्रार्थनाओं, शुभकामनाओं और स्नेह से अब मैं पूर्णतः स्वस्थ हूँ। उन्होंने आगे कहा, इस दौरान फ़ोन, संदेश तथा अन्य माध्यमों से मेरा कुशलक्षेम जानने वाले प्रत्येक आत्मीय जन के प्रति मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। आपका स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद मेरे लिए सबसे बड़ी शक्ति है। आप सभी का हृदय से धन्यवाद एवं सादर आभार।

24 घंटे में सुलझी लाखों की ज्वेलरी चोरी, घुमारवीं पुलिस ने चार आरोपितों को दबोचा

बिलासपुर/घुमारवीं (धर्मपाल)– घुमारवीं पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मात्र 24 घंटे के भीतर लाखों रुपये के आभूषण चोरी मामले का खुलासा कर चार आरोपितों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से करीब 11 लाख रुपये मूल्य के सोने और चांदी के चोरी हुए आभूषण भी बरामद कर लिए हैं।

जानकारी के अनुसार 26 जून को एक व्यक्ति ने पुलिस थाना घुमारवीं में शिकायत दर्ज करवाई थी कि घुमारवीं बस अड्डा क्षेत्र में उसके बैग से उसकी पत्नी के सोने और चांदी के आभूषण चोरी हो गए हैं। शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मामले की जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मानवीय सूचना का सहारा लेते हुए तेजी से कार्रवाई की। पुलिस टीम ने महज 24 घंटे के भीतर चोरी की गुत्थी सुलझाते हुए चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया और उनके कब्जे से चोरी हुए सभी आभूषण बरामद कर लिए। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान अजीत निवासी आर्य नगर, गुहाना (जिला सोनीपत), विनय कुमार निवासी अशरफगढ़ (जिला जींद), राकेश कुमार निवासी गुहाना (जिला सोनीपत) तथा सूरजभान निवासी गुहाना (जिला सोनीपत), हरियाणा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार बरामद किए गए सोने और चांदी के आभूषणों की अनुमानित कीमत करीब 11 लाख रुपये है। पुलिस अब आरोपितों के आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच कर रही है, साथ ही यह पता लगाया जा रहा है कि उनका संबंध अन्य चोरी की वारदातों से तो नहीं है। मामले में आगे की जांच जारी है। इस कार्रवाई से जहां पीड़ित परिवार को बड़ी राहत मिली है, वहीं क्षेत्र में पुलिस की कार्यप्रणाली की भी सराहना हो रही है। पुलिस अधीक्षक बिलासपुर अभिषेक धीमान ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि जिले में चोरी और अन्य आपराधिक गतिविधियों पर लगातार कड़ी नजर रखी जा रही है। तथा अपराधियों के खिलाफ सख्त करवाई जारी रहेगी।

14 साल बाद बड़ा भंगाल पहुंचे मुख्यमंत्री सुक्खू

» प्रथम न्यूज । धर्मशाला
27 जून (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश के अति दुर्गम क्षेत्र बड़ा भंगाल में लगभग 14 वर्ष बाद कोई मुख्यमंत्री पहुंचा है। जिला कांगड़ा का यह क्षेत्र बेहद दुर्गम है। यहां पहुंचने के लिए कोई सड़क नहीं है। यहां के लोग पैदल आवागमन करते हैं, जिसमें दो दिन से ज्यादा समय लग जाता है। मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू आज से दो दिवसीय बड़ा भंगाल के दौरे पर हैं। यहां मोबाइल नेटवर्क भी नहीं है। सिर्फ सेटेलाइट फोन के माध्यम से ही संवाद होता है। सरकार

हेलीकॉप्टर से पहुंचे बड़ा भंगाल

वह हेलीकाप्टर के माध्यम से गगल एयरपोर्ट से बड़ा भंगाल पहुंचे। वहां से वह पैदल वन विश्राम गृह तक जाएंगे। इसके बाद आपदा प्रभावित क्षेत्रों में नुकसान का आकलन कर राहत कार्यों की प्रगति की समीक्षा करेंगे। प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं, सुझाव और मांगों को सुनेंगे। वह अपर बड़ा भंगाल स्थित माईक्रो हाइडल प्रोजेक्ट का भी निरीक्षण करेंगे।

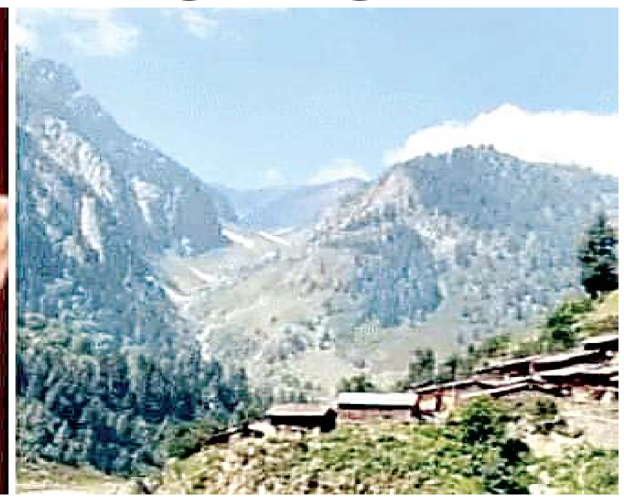

लोगों से करेंगे संवाद : मुख्यमंत्री बड़ा भंगाल में जनसभा को भी संबोधित करेंगे। वह सड़क, बिजली, संचार, स्वास्थ्य और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर लोगों से सीधा संवाद करेंगे। उनका का रात्रि विश्राम वन विश्राम गृह बड़ा भंगाल में निर्धारित है। रविवार सुबह वह हेलीकाप्टर से गगल एयरपोर्ट पहुंचेंगे और वहां से शिमला के लिए रवाना होंगे।

सीएम सुक्खू का पहला दौरा : मुख्यमंत्री ने कहा कि बड़ा भंगाल का यह उनका पहला दौरा है। सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि दुर्गम क्षेत्रों के लोगों की समस्याओं को वहां पहुंचकर समझना भी है। दुर्गम क्षेत्रों की चुनौतियों को सही मायनों में ऐसे ही समझा जा सकता है। फाइलों में दर्ज रिपोर्टों से वास्तविक परिस्थितियों का आकलन संभव नहीं है। सरकार

राहत एवं पुनर्वास कार्यों की समीक्षा

उन्होंने कहा कि बड़ा भंगाल जैसे दुर्गम क्षेत्र में पहुंचकर लोगों से संवाद करना, उनकी आवश्यकताओं को समझना और यह सुनिश्चित करना प्राथमिकता है कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रभावी ढंग से पहुंचे। उनका दौरा हाल ही में आपदा से प्रभावित क्षेत्र की स्थिति का जायजा लेने, राहत एवं पुनर्वास कार्यों की समीक्षा और लोगों की समस्याएं सुनने के उद्देश्य से हो रहा है।

लोगों के लिए दौरा अहम : गौरतलब है कि बड़ा भंगाल प्रदेश के सबसे दुर्गम और भौगोलिक दृष्टि से चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में शामिल है। यहां सड़क संपर्क नहीं होने के कारण अधिकांश समय पैदल या हेलीकाप्टर के माध्यम से ही पहुंचा जा सकता है। ऐसे में मुख्यमंत्री का यह दौरा क्षेत्र के लोगों के लिए विशेष महत्व का माना जा रहा है। उन्हें आपदा के बाद राहत एवं विकास कार्यों को गति मिलने की उम्मीद है। यहां 600 के करीब आबादी है। यहां एक सरकारी स्कूल व एक छोटा अस्पताल भी है।

चार निहंगों की रिहाई तक नहीं लौटेंगे, पांवटा साहिब गुरुद्वारे में डेरा

उत्तराखंड विवाद की आंच हिमाचल तक, 150 से अधिक निहंगों ने संभाला मोर्चा

» प्रथम न्यूज । पांवटा साहिब
27 जून (ब्यूरो)

सिरमौर जिले के पांवटा साहिब में उत्तराखंड में गिरफ्तार किए गए चार निहंगों की रिहाई की मांग को लेकर तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। जानकारी के अनुसार 150 से अधिक निहंगों ने पांवटा साहिब स्थित एक गुरुद्वारे में डेरा डाल दिया है और स्पष्ट किया है कि जब तक उनके चारों साथियों को रिहा नहीं किया जाता, वे पंजाब वापस नहीं लौटेंगे। बताया जा रहा है कि उत्तराखंड में स्थानीय लोगों के साथ हुई झड़प के बाद चार निहंगों को गिरफ्तार किया गया था। इसी के विरोध में विभिन्न निहंग जत्थों ने बैठक कर आगे की रणनीति पर चर्चा की। निहंग नेताओं का कहना है कि वे अपने साथियों की रिहाई के लिए शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन जारी रखेंगे।

गौरतलब है कि गुरुवार को निहंगों के एक जत्थे ने देहरादून के रास्ते उत्तराखंड में प्रवेश करने का प्रयास किया था, जिसके दौरान पुलिस और निहंगों के बीच तीखी बहस भी हुई। हालांकि, हिमाचल-उत्तराखंड सीमा पर बना गतिरोध शुक्रवार को उस समय समाप्त हो गया जब निहंगों ने अपना प्रस्तावित मार्च दो दिन के लिए स्थगित कर दिया। प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

दिशा बैठक में सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज ने विकास कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

» प्रथम न्यूज । चंबा
27 जून (एएम नाथ)

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक बचत भवन में लोकसभा सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में केंद्र प्रायोजित विभिन्न विकास योजनाओं और परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

इस अवसर पर विधायक डीएस ठाकुर और डॉ. जनक राज भी उपस्थित रहे। सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज ने अधिकारियों को मिशन मोड में कार्य करते हुए विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को जिले की 56 सड़क परियोजनाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) शीघ्र तैयार करने को कहा।

बैठक में आरडीएसएस योजना के कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए सांसद ने बताया कि जिले में विद्युत नेटवर्क सुदृढ़ीकरण के लिए 90 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने संबंधित एजेंसी को लंबित कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

सांसद ने चक्की-चंबा-भरमौर राष्ट्रीय राजमार्ग की स्थिति सुधारने और कृषि विभाग को प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास करने को कहा। बैठक में जल जीवन मिशन, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना तथा अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं की भी समीक्षा की गई।

डॉ. शांडिल ने प्रथम सांस्कृतिक संध्या का किया विधिवत शुभारम्भ

सोलन (बी.शर्मा) : स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक द्धद्ध कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनी राम शांडिल ने गत सांय ऐतिहासिक ठोडो मैदान में राष्ट्रीय माँ शूलिनी मेला की प्रथम सांस्कृतिक संध्या का दीप प्रज्वलित कर विधिवत शुभारंभ किया। दून के विधायक राम कुमार चौधरी इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। डॉ. धनी राम शांडिल ने इस अवसर पर सभी को माँ शूलिनी मेला की बधाई दी।

उन्होंने सोलन की इस सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय स्तर का दर्जा प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि यहां मेला सोलन सहित पूरे प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर है और मेले के स्वरूप को भव्य एवं नवीन आयाम प्रदान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। माँ शूलिनी मेला समिति के अध्यक्ष एवं उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने इससे पूर्व मुख्यातिथि एवं विशिष्ट अतिथि को हिमाचल की परंपरा के अनुरूप सम्मानित किया। प्रथम सांस्कृतिक संध्या में इंडियन आइडल विजेता पवनदीप राजन सहित कुमार साहिल, नितिश राजपूत, तनूरा डांस व अन्य स्थानीय कलाकारों ने लोगों का भरपूर मनोरंजन किया। जोगिन्द्रा केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष मुकेश शर्मा, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शिव कुमार, संजीव ठाकुर, हिमाचल प्रदेश व्यापार कल्याण बोर्ड के सदस्य शोभित बहल, कांग्रेस पार्टी के अन्य पदाधिकारी, कांग्रेस सोशल मीडिया प्रभारी सक्षम शर्मा, पुलिस अधीक्षक सोलन तिरुमला राजू एस.डी. वर्मा, अतिरिक्त उपायुक्त राहुल जैन, नगर निगम सोलन की आयुक्त एकता कापटा सहित अन्य अधिकारी, गणमान्य व्यक्ति एवं बड़ी संख्या में दर्शक इस अवसर पर उपस्थित थे।

चंबा के भरमौर में दर्दनाक हादसा

उरेई-सांबरा मार्ग पर कार दुर्घटनाग्रस्त तीन की जान गई, दो गंभीर घायल

» प्रथम न्यूज । चंबा
27 जून (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो महिलाओं समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा उरेई-सांबरा मार्ग पर उस समय हुआ जब एक कार अनियंत्रित होकर सड़क से कई फीट नीचे घटोर नाले में जा गिरी। जानकारी के अनुसार कार में पांच लोग सवार थे। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि कार चालक और दो महिला यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में घायल हुए दो अन्य लोगों को स्थानीय लोगों और बचाव दल की मदद से बाहर निकालकर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच गए। बचाव कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद घायलों को नाले से बाहर निकाला। दुर्घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। पुलिस अधीक्षक विजय सकलानी विजय सकलानी ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम को मौके पर भेज दिया गया था।

उन्होंने कहा कि मृतकों और घायलों की पहचान की जा रही है तथा हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक तौर पर दुर्घटना के कारण स्पष्ट नहीं हो पाए हैं। इस बीच मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू व विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने चंबा सड़क हादसे में हुई मौतों पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि इस कठिन समय में राज्य सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए हैं।

उन्होंने दिवंगत आत्माओं की शांति और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।

शिमला में भाजपा सांसद हर्ष महाजन की तबीयत बिगड़ी, धरने के दौरान आया चक्कर

भाजपा धरने में शामिल होने पहुंचे राज्यसभा सांसद हर्ष महाजन अस्पताल में भर्ती

» प्रथम न्यूज । शिमला
27 जून (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश से भाजपा के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद हर्ष महाजन हर्ष महाजन की शनिवार को शिमला में आयोजित एक राजनीतिक विरोध-प्रदर्शन के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ गई। कार्यक्रम के दौरान उन्हें चक्कर आने पर भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं ने तुरंत संभाला तथा उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया।

जानकारी के अनुसार हर्ष महाजन राजधानी शिमला के सीटीओ चौक के समीप प्रदेश सरकार के खिलाफ भाजपा द्वारा आयोजित धरना-प्रदर्शन में शामिल हुए थे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और इसके बाद मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई और उन्हें

चक्कर आ गया। घटना के बाद कार्यक्रम स्थल पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

मौके पर मौजूद भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने तुरंत उन्हें संभाला और उपचार के लिए इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल आईजीएमसी अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों की टीम ने उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया और आवश्यक जांचें शुरू कीं। डॉक्टरों के अनुसार उनकी स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

हर्ष महाजन के अस्पताल में भर्ती होने की सूचना मिलते ही भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं में चिंता की लहर दौड़ गई। पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, विधायक और पदाधिकारी आईजीएमसी पहुंचे तथा उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। अस्पताल में नेताओं और समर्थकों का जमावड़ा लगा रहा, जहां सभी ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। भाजपा नेताओं ने बताया कि प्रारंभिक तौर पर अत्यधिक थकान और कार्यक्रम की व्यस्तता के कारण उनकी तबीयत बिगड़ने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि चिकित्सकों की विस्तृत जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।

फिलहाल हर्ष महाजन चिकित्सकीय निगरानी में हैं और डॉक्टर उनकी सेहत पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उनके जल्द स्वस्थ होकर सार्वजनिक जीवन में सक्रिय लौटने की उम्मीद जताई है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने ईवीएम मशीनों की सुरक्षा का जायजा लिया

शिमला (बी.शर्मा) : जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अनुपम कश्यप ने शनिवार को फागू स्थित ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेयरहाउस में रखी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) और वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी जारी किए।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने वेयरहाउस में स्थापित सीसीटीवी कैमरों, सुरक्षा व्यवस्था, अग्निशमन उपकरणों और प्रवेश-निकास रजिस्टर की जांच की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ईवीएम वेयरहाउस की सुरक्षा में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और निर्वाचन आयोग के निर्देशों का गंभीरता से पालन सुनिश्चित करें। निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता बनाये रखने के लिए ईवीएम मशीनों की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
संपादकीय
Website : www.prathamnews.in

आज का
संपादकीय

वन सम्पदा की पड़ोसी राज्य में बड़ी तस्करी

सुखदेव सिंह
स्वतंत्र पत्रकार नूरपुर

हिमाचल प्रदेश प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण,पर्यावरण सरंक्षण बनाए रखने और हरित क्रांति को अर्थव्यवस्था को आधार बनाए जाने पर सुख सरकार काम कर रही है।कुछेक वन विभाग के अधिकारियों की मिली भगत से हिमाचल प्रदेश की बन सम्पदा वाहरी राज्यों में किस तरह सरेआम बेचीं जा रही इसके कई मामले प्रकाश में आए हैं।क्या ऐसा मान लिया जाए की राज्य की सरकार सच में प्रकृति सरंक्षण पर काम कर रही जिसके वन विभाग की नाक तले लकड़ी पड़ोसी राज्य की प्लाई मिलों में बेचीं जा रही है? ।हिमाचल प्रदेश पहाड़ी राज्य होने का एहसास अब नहीं होता है।गर्मियों में निरंतर तापमान बृद्धि चलते आम जनमानस का जीना मुहाल हो चला है।बैसे गर्मी बढ़ने के अन्य कई कारण हैं।मगर सबसे ज्यादा घटती पेड़ों की संख्या चलते अक्सीजन स्तर कम होने कारण लोग गंभीर बीमारियों के शिकार हो रहे हैं।जंगलों में पेड़ कम खरपतवार पौधे शेष रह गए हैं।किसानों ने अपनी जमीनों से पेड़ कटवाने का क्रम निरंतर जारी रखा जिसका बिपरीत प्रभाव पर्यावरण पर पड़ रहा है।ठेकेदार पांच पेड़ काटने की एवज में विभाग के अधिकरियों से मिलकर अनगिनत पेड़ों पर आरी चला रहे हैं।देवभूमि जंगलों में बन काटुओं की कुल्हाड़ी बहुत बर्षों से चल रही है।ऊपरी हिमाचल के जंगलों की लकड़ी खड्डु,नालों और नदियों में बहती हुई बांधों में एकत्रित होती रही है।इससे इस बात का अंदाजा हो जाता की हिमाचल प्रदेश के जंगलों का अस्तित्व खतरे में है।बांधों में एकत्रित हुई लकड़ी राज्य सरकार ने किसे,कितने दामों में बेचीं कोई आंकड़ा सार्वजानिक नहीं हुआ है? ।नूरपुर जिला पुलिस की सीआईए टीम ने सतर्कता बरतते हुए सात वाहनों को अवैध लकड़ी सहित अपने कब्जे में लिया है।ठीक उसी रात वन विभाग ने दस गाड़ियां अवैध लकड़ी से भरी हुई जिला ऊना, एक ट्रक कंडवाल में पकड़ा है।गरीब आदमी अपनी जमीन से एक पेड़ तक वन,राजस्व विभाग की अनुमति बगैर नहीं काट सकता है।सुख की सरकार ने गत बर्ष कुछेक पेड़ों को छोड़कर पेड़ कटान पर पूर्णतय प्रतिबंध लगाया था।

हिमाचल प्रदेश से ट्रैकों में भरकर पड़ोसी राज्य में तस्करी की जा रही लकड़ी कानून व्यवस्था की पोल खोलती है।वाहरी राज्यों में लकड़ी बेचने की जटिल प्रकिया है।वन विभाग के अधिकारी इसके लिए रजिस्टर्ड ठेकेदार को परमिट सौंपते हैं।परमिट पर वन रक्षक से लेकर वनमंडल अधिकारी तक संतुति करते हैं।उक्त परमिट पर वनमंडल अधिकारी कार्यालय से पंजीकृत होने उपरांत उसे पुलिस चैक नाकों पर इसकी प्रतियाँ भेजी जाती हैं।हिमाचल प्रदेश में चल रहे सड़क विस्तारीकरण चलते अनगिनत पेड़ों की बलि दी गई है।जेसीबी मशीनों से पेड़ों को उखाड़कर सड़क निर्माण किया गया है।नतीजन सड़कों पर भूसखलन्न की घटनाओं में बृद्धि हुई है।हिमाचल प्रदेश में पिछले तीन बर्षों में आपदाओं चलते जनता का काफी जान माल का नुकसान हुआ है।राज्य की सड़कें,पुल,पुलियाँ,डंगे, मकान,भवन,रेस्टोरेंट,गाड़ियां तक जमींदोज होकर रह गई हैं।मगर बाबजूद इसके राज्य सरकार ने कोई सबक लेना जरूरी नहीं समझा है।राज्य सरकार यही समझ नहीं पाई की यह प्राकृतिक आपदाएं या मानव निर्मित खतरा है।देवभूमि का अस्तित्त्व जंगलों से हैं।ठीक इसी बजह से हिम और आँचल से मिलकर हिमाचल प्रदेश बना है।जंगलों का अस्तित्व मिटने से पहाड़ की जनता को सबसे अधिक इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।हिमाचल प्रदेश को बिशेष राज्य का दर्जा भी पहाड़ी होने कारण मिला है।राज्य में जब पहाड़ों का अस्तित्व ही खत्म हो जाएगा तो बिशेष राज्य का दर्जा कैसे बरकरार रह सकता है।राज्य सरकारें प्रत्येक बर्ष पौधरोपण पर लाखों रुपये खर्च करती हैं।नेताओं द्वारा लगाए गए पेड़ आखिर कितने सफल हो रहे सोचना होगा।पौधारपण आज सेल्फी लिए जाने का साधन बन चुका ऐसा कहने में कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी।आधुनिक तकनीक से बने कटर पेड़ों की बलि लेने में सार्थक सिद्ध हो रहे हैं।बर्षों पुराने पेड़ों को कटर पांच मिनटों में जमींदोज करके प्रकृति को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

पेड़ों का एक व्यक्ति के जीवन में महत्वपूर्ण योगदान है।पेड़ों से इंसान आक्सीजन ग्रहण करके बर्षों जीवित रहता है।मनुष्य द्वारा मुँह से छोड़ी जाने बाली कार्बनडाईआकसाइड गैस पेड़ों का भोजन बनती है।पेड़ ही नहीं रहेंगें तो मनुष्य द्वारा छोड़ी जाने बाली कार्बन डाईआकसाइड गैस स्वयं उसके लिए घातक सिद्ध होगी।पेड़ आसमान में बादल निर्माण में अपनी अहम भूमिका निभाते हैं।जलवायु परिवर्तन आज विश्व की जटिल समस्या बन चुकी है।बिकसित देश भी इस समस्या से निजात नहीं पा सके हैं।भारत भी जलवायु परिवर्तन समस्या से अछूता नहीं रहा है।अचानक बेमोसमी बारिश होने से आम जनमानस की मुशिकलें कई गुणा बढ़ जाती हैं।हिमाचल प्रदेश का किसान आज फ़सल की पैदावार किए जाने के लिए जितना पैसा खर्च कर रहा ठीक उतनी उपज नहीं हो रही है।बेमौसमी बारिश,सूखे,बाड़ कारण किसान,बागबानों का भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है।किसान इस समस्या कारण खेतिबाड़ी किए जाने से बेमुख हो रहे हैं।सुख की सरकार को प्रकृति सरंक्षण के लिए हिमाचल प्रदेश में पेड़ कटान पर पूर्णतय प्रतिबंध लगा देना चाहिए।आधुनिक तकनीक के कटर इस्तेमाल पर पूर्ण्यता प्रतिबंध वन विभाग को लगाना चाहिए।स्कूल,कालेज में चल रही राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों से निरंतर पौधारोपण करवाया जाना चाहिए।

जीवन में सुख और दुख दोनों आते हैं

नरेन्द्र भारती
वरिष्ठ पत्रकार

गीता में कृष्ण ने कहा, सुख-दुखे समे कृत्वा लाभालाभौ जयाजयौ। मतलब – सुख-दुख, लाभ-हानि, जीत-हार को एक जैसा मानो। तभी तुम योगी हो। जीवन का सबसे बड़ा पाठ यही है। न सुख में इतना उछलो कि पैर जमीन से उखड़ जाएं, न दुख में इतना टूटो कि उठ ही न पाओ।जीवन क्या है? एक लंबी यात्रा। इस यात्रा में स्टेशन बहुत आते हैं। कुछ स्टेशनों पर फूल बरसते हैं, कुछ पर कांटे चुभते हैं।

इन्हीं दो नामों से हम सब वाकिफ हैं – सुख और दुख। कोई इंसान नहीं जो कह सके कि उसने सिर्फ सुख देखा है या सिर्फ दुख भोगा है। राजा हो या रंक, संत हो या संसारी, सबकी झोली में भगवान ने दोनों डालकर भेजे हैं प्रकृति का नियम धूप-छांव जैसा है। जरा खेत में खड़े होकर देखिए। जिस दिन कड़क धूप होती है, किसान परेशान होता है। जिस दिन मूसलाधार बारिश होती है, तब भी फसल डूबने का डर रहता है। पर धूप और बारिश दोनों जरूरी हैं। सिर्फ धूप होगी तो धरती दरक जाएगी। सिर्फ बारिश होगी तो बीज सड़ जाएगा। जीवन भी ऐसा ही है। सुख धूप है – ऊर्जा देता है, उम्मीद जगाता है। दुख बारिश है – धोता है, नरम बनाता है, गहराई देता है। जिस आदमी ने कभी दुख नहीं देखा, वह दूसरे का दर्द क्या समझेगा? जिसने सिर्फ दुख देखा, वह हंसना भूल जाएगा। इसलिए प्रकृति ने दोनों का संतुलन बनाया है। सुख के हजार चेहरे हैं। किसी के लिए बेटे की पहली तनख्वाह सुख है। किसी के लिए बरसों बाद मां की रोटी सुख है। किसी के लिए पहली बारिश में भीगना सुख है। किसी के लिए रात को चैन की नींद सुख है। सुख आता है तो लगता है वक्त ठहर जाए। घर में शादी होती है तो ढोल बजते हैं, रिश्तेदार जुटते हैं, पड़ोसी भी मिठाई खाते हैं। नौकरी का लेटर आता है तो पूरे मोहल्ले में शोर हो जाता है। बीमारी से उठकर जब आदमी पहली बार अपने पैरों पर चलता है, तो वह भी सुख है। पर सुख की एक आदत खराब है। वह रुकता नहीं। मेहमान की तरह आता है, चार दिन रहता है और फिर कहता है, अब चलता हूं। हम उसे बांध नहीं सकते। जो बांधने की कोशिश करता है, वह दुखी हो जाता है। दुख बिना दरवाजा खटखटाए आता है। जेब खाली हो तो दुख है। घर में कोई बीमार पड़ जाए तो दुख है। बेटी की डोली उठती है तो मां का कलेजा फटता है – वह भी दुख है। दोस्त बेवफा निकल जाए, भरोसा टूट जाए, मेहनत का फल न मिले – ये सब दुख के ही रूप हैं। दुख की रात लंबी होती है। घड़ी की सुई रुक जाती है। लगता है सुबह होगी ही नहीं। आदमी टूटता है, बिखरता है, रोता है। पर यहीं इंसान की असली परीक्षा होती है। मैंने 40 साल की पत्रकारिता में सैकड़ों घर देखे हैं। जिस घर में आज मातम है, कल वहीं शहनाई बजती है। जिस दुकान पर आज ताला है, कल उसी पर ग्राहक की लाइन लगती है। दुख भी टिकता नहीं। वह भी मुसाफिर है। राम को देखिए। राजा के बेटे थे। शादी हुई, राज्य मिलने वाला था। वही सुख का पल था। अगले दिन वनवास हो गया। महल छूटा, जंगल मिले। सीता का हरण हुआ। यह दुख की पराकाष्ठा थी। पर राम रुके नहीं। 14 साल बाद अयोध्या लौटे तो दीपावली मन गई। पांडवों को देखिए। इंद्रप्रस्थ का सुख भोगा। फिर जुए में सब हार गए। 13 साल वनवास, अज्ञातवास – घोर दुख। पर उसी दुख ने उन्हें इतना मजबूत बनाया कि महाभारत जीत गए। मतलब साफ है – सुख के बाद दुख और दुख के बाद सुख, यह चक्र रुकता नहीं। जब सुख आए तो घमंड मत करो। पैसा, पद, रूप, ताकत – कुछ भी हमेशा नहीं रहता। आज हंस रहे हो, कल रुला भी सकता है।

शुक्र मनाओ ऊपर वाले का, मां-बाप का, उन लोगों का जिन्होंने बुरे वक्त में साथ दिया। और सबसे जरूरी – बांटो। किसी भूखे को रोटी खिला दो, किसी बच्चे की फीस भर दो। सुख बांटने से दोगुना होता है। अकेले खाया हुआ हलवा भी फीका लगता है। महाभारत में यक्ष ने युधिष्ठिर से पूछा था, दुनिया में सबसे आश्चर्य क्या है? युधिष्ठिर ने कहा, रोज लोग मरते देखते हैं, फिर भी आदमी समझता है कि वह कभी नहीं मरेगा। वैसे ही सुख में आदमी भूल जाता है कि यह मेहमान है।

जब दुख आए तो याद रखो कि यह भी गुजर जाएगा। दीवार पर लिख लो। कोई भी रात ऐसी नहीं जिसकी सुबह न हो। अकेले मत लड़ो। दोस्त से बात करो, भाई से मन हल्का करो। दर्द कहने से आधा हो जाता है। खुद को कोसना बंद करो। मेरे साथ ही क्यों हुआ यह सवाल जहर है। जो हुआ सो हुआ। अब आगे क्या करना है, यह सोचो। दुख में भी छोटी खुशी ढूंढो – चाय का पहला घूंट, बच्चे की मुस्कान, पुराना गाना। दुख में भी सुख की खिड़की खुलती है। मैंने कई लोगों को हिम्मत हारते देखा है। 99त्न केस में अगर वे 24 घंटे और टिक जाते, तो सुबह सूरज निकलता और मन बदल जाता। इसलिए दुख में सबसे बड़ा धर्म है – रुके रहना, टिके रहना। हमारा समाज सुख को इज्जत देता है, दुख को शर्म बना देता है। बेटा विदेश चला जाए तो फोटो स्टेटस पर लगाते हैं। वही बेटा नौकरी से निकल जाए तो छुपाते हैं।

बेटी की शादी धूमधाम से करते हैं, वीडियो बनाते हैं। कल को तलाक हो जाए तो मुंह सिल लेते हैं। यही गलती है। जब तक हम दुख को सामान्य नहीं मानेंगे, तब तक आदमी अकेला मरेगा। दुख शर्म नहीं है। वह जीवन का हिस्सा है। जैसे बुखार आने पर हम डॉक्टर के पास जाते हैं, वैसे ही मन दुखी हो तो दोस्त के पास जाना चाहिए। अस्सी साल का बूढ़ा जब खाट पर लेटा होता है, तो उसके पास दोनों की पोटली होती है। वह पोते को कहानी सुनाता है – बेटा, एक बार मेरे पास कुछ नहीं था, फिर सब कुछ हुआ, फिर सब चला गया, फिर भी देख मैं हंस रहा हूं। बूढ़े की झुर्रियों में सुख की लकीरें भी हैं और दुख के निशान भी। पर वह जान गया है कि दोनों आए, दोनों गए। बचा क्या? सिर्फ यादें और अनुभव। इसलिए बुजुर्गों से बात करो। वे आपको बताएंगे कि जो दुख आज पहाड़ लगता है, 10 साल बाद वह कंकड़ लगेगा। समुद्र को देखो। ऊपर लहरें हैं – कभी ऊंची, कभी शांत। वह सुख-दुख है। पर समुद्र की गहराई में पानी एकदम शांत है।

हमें भी अपनी गहराई खोजनी है। मैं यह नहीं कहता कि रोओ मत या हंसो मत। जी भर के हंसो जब मौका मिले। फूट-फूट कर रो लो जब दर्द हो। पर दिल के किसी कोने में यह याद रखो – न यह रहेगा, न वह रहेगा। अंतिम सच यही है- जीवन रुकेगा नहीं। गाड़ी छूटे, सामान छूटे, पैसा छूटे, पर समय नहीं रुकता। वह तुम्हें घसीटकर आगे ले जाएगा। तुम चाहो तो रोते हुए जाओ, चाहो तो हंसते हुए। फैसला तुम्हारा है। इसलिए जब अगली बार सुख आए तो उसका स्वागत करो, गुलाब की तरह। जब दुख आए तो उसे भी बैठाओ, चाय पिलाओ और कहो, भाई, पता है तू भी कुछ दिन का मेहमान है। बस इतना समझ गए तो जीवन आसान हो जाएगा। क्योंकि जीवन में सुख और दुख दोनों आते हैं, पर जीवन चलता रहता है। और चलने का नाम ही जिंदगी है।

आधुनिकता और संस्कार : संतुलन की आवश्यकता

डॉ. राज कुमारी
साइकोलॉजिस्ट

वर्तमान समय को आधुनिकता, विज्ञान और तकनीकी क्रांति का युग कहा जाता है। मानव सभ्यता ने विकास की ऐसी ऊंचाइयों को छुआ है, जिनकी कल्पना कुछ दशक पहले तक करना भी कठिन था। इंटरनेट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और डिजिटल तकनीकों ने हमारे जीवन को अत्यंत सरल, तेज और सुविधाजनक बना दिया है। आज दुनिया के किसी भी कोने में बैठे व्यक्ति से कुछ ही क्षणों में संवाद स्थापित किया जा सकता है। शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार, संचार और परिवहन के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। निस्संदेह आधुनिकता ने मानव जीवन को नई दिशा और नई संभावनाएं प्रदान की हैं। लेकिन इस विकास और चकाचौंध के बीच एक गंभीर प्रश्न भी खड़ा होता है कि क्या आधुनिकता की इस दौड़ में हमारे संस्कार और मानवीय मूल्य पीछे छूटते जा रहे हैं?

आधुनिक समाज ने अनेक सकारात्मक बदलाव लाए हैं। शिक्षा का प्रसार हुआ है, महिलाओं को समान अधिकार और अवसर प्राप्त हुए हैं, सामाजिक कुरीतियों में कमी आई है और व्यक्ति को अपनी प्रतिभा के अनुरूप आगे बढ़ने का अवसर मिला है। आज का युवा आत्मविश्वासी है, अपने अधिकारों के प्रति जागरूक है और स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने की क्षमता रखता है। आधुनिक सोच ने समाज को रूढ़िवादिता से बाहर निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह परिवर्तन किसी भी प्रगतिशील समाज के लिए आवश्यक हैं और इन्हें सकारात्मक दृष्टि से देखा जाना चाहिए। हालांकि आधुनिकता का दूसरा पहलू भी उतना ही महत्वपूर्ण है। संयुक्त परिवारों की जगह अब एकल परिवारों ने ले ली है। पहले जहां परिवार के कई सदस्य एक साथ रहते थे, वहां अब परिवार छोटे होते जा रहे हैं। दादा-दादी, नाना-नानी के साथ बच्चों का समय कम होता जा रहा है। पड़ोसी संस्कृति भी धीरे-धीरे समाप्त हो रही है। लोग एक ही इमारत या मोहल्ले में रहते हुए भी एक-दूसरे से परिचित नहीं होते। सोशल मीडिया पर सैकड़ों और हजारों मित्र होने के बावजूद वास्तविक जीवन में अकेलापन बढ़ रहा है। आभासी दुनिया ने लोगों को जोड़ने के साथ-साथ वास्तविक रिश्तों को कमजोर भी किया है। संस्कार किसी भी समाज की अमूल्य धरोहर होते हैं। संस्कार केवल परंपराओं का पालन करने का नाम नहीं हैं, बल्कि वे नैतिक और मानवीय मूल्य हैं जो व्यक्ति के चरित्र का निर्माण करते हैं। बड़ों का सम्मान करना, जरूरतमंदों की सहायता करना, ईमानदारी से जीवन जीना, जिम्मेदारियों का निर्वहन करना, समाज और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को समझना तथा दूसरों के प्रति संवेदनशील रहना संस्कारों की पहचान है। संस्कार व्यक्ति को केवल सफल नहीं बनाते, बल्कि उसे एक अच्छा इंसान भी बनाते हैं। तकनीक हमें गति और सुविधा प्रदान कर सकती है, लेकिन सही दिशा और विवेक संस्कार ही देते हैं।

आज बच्चों और युवाओं का अधिकांश समय मोबाइल फोन, इंटरनेट और सोशल मीडिया पर व्यतीत होता है। संवाद की जगह स्क्रीन ने ले ली है। पहले बच्चों को जीवन के मूल्य परिवार के बुजुर्गों, कहानियों, लोक परंपराओं और सामाजिक अनुभवों से प्राप्त होते थे, लेकिन अब उनकी जगह डिजिटल उपकरणों ने ले ली है। माता-पिता भी व्यस्त जीवनशैली और पेशेगत जिम्मेदारियों के कारण बच्चों को पर्याप्त समय नहीं दे पाते। परिणामस्वरूप बच्चों को करियर में सफलता प्राप्त करने की शिक्षा तो मिल रही है, लेकिन एक संवेदनशील, जिम्मेदार और नैतिक इंसान बनने की सीख अपेक्षाकृत कम मिल रही है।

आधुनिकता और संस्कारों के बीच टकराव की स्थिति तब उत्पन्न होती है जब भौतिक उपलब्धियों को ही सफलता का एकमात्र मापदंड मान लिया जाता है। उपभोक्तावादी संस्कृति ने लोगों में तत्काल संतुष्टि की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है। धैर्य, त्याग, सहनशीलता और सामूहिकता जैसे मूल्य धीरे-धीरे कमजोर पड़ रहे हैं। ऐसे समय में आवश्यकता है कि हम आधुनिकता को अपनाते हुए अपनी सांस्कृतिक और नैतिक जड़ों से जुड़े रहें।

परिवार इस दिशा में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। सप्ताह में कम से कम एक दिन ऐसा होना चाहिए जब पूरा परिवार बिना मोबाइल और डिजिटल उपकरणों के साथ बैठकर समय बिताए। बच्चों को बुजुर्गों के अनुभवों और जीवन मूल्यों से परिचित कराया जाना चाहिए। अभिभावकों को यह समझना होगा कि बच्चे केवल उपदेशों से नहीं, बल्कि अपने आसपास के व्यवहार से सीखते हैं। यदि बड़े स्वयं सम्मान, अनुशासन और संवेदनशीलता का परिचय देंगे, तो बच्चे भी उन्हीं मूल्यों को अपनाएंगे।

आधुनिकता हमारे समाज का शरीर है और संस्कार उसकी आत्मा। यदि हम केवल शरीर को मजबूत बनाने में लगे रहें और आत्मा की उपेक्षा कर दें, तो समाज का संतुलन बिगड़ जाएगा। इसलिए आवश्यक है कि हम ऐसी पीढ़ी का निर्माण करें जो विज्ञान, तकनीक और आधुनिक ज्ञान में दक्ष हो, लेकिन साथ ही अपनी संस्कृति, परंपराओं और मानवीय मूल्यों से भी जुड़ी रहे।

प्रगति और संस्कारों का संतुलित संगम ही एक स्वस्थ, संवेदनशील और समृद्ध समाज की नींव रख सकता है। यही संतुलन हमारे राष्ट्र और आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

पर्यटन या उत्पात: हिमाचल में बढ़ते राउडी टूरिज्म की चुनौती

हिमाचल प्रदेश अपनी प्राकृतिक सुंदरता, शांत वातावरण, समृद्ध संस्कृति और देव परंपराओं के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में राउडी टूरिज्म (त्र्श्च2स्न4 ञ्जशह्वह्म्द्बह्यद्व) की बढ़ती प्रवृत्ति चिंता का विषय बनती जा रही है। कुछ पर्यटक मनोरंजन के नाम पर अनुशासनहीनता, हुड़दंग, नशाखोरी और कानून तोड़ने जैसी गतिविधियों में शामिल हो रहे हैं, जिससे प्रदेश की सामाजिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय व्यवस्था प्रभावित हो रही है। यह केवल हिमाचल की ही समस्या न होकर सभी हिमालयी क्षेत्रों की समस्या बन चुकी है। मीडिया में व्याप्त रिपोर्ट्स को देखें तो उत्तराखंड, हिमाचल, जम्मू कश्मीर आदि सभी पहाड़ी राज्य इस गंभीर बिमारी से प्रभावित हो रहे हैं।

डॉ. अवनीश कुमार
सह-प्रोफ़ैसर

राउडी टूरिज्म क्या है? राउडी टूरिज्म से आशय ऐसे पर्यटन व्यवहार से है जिसमें पर्यटक स्थानीय संस्कृति, कानून और सामाजिक मर्यादाओं की अनदेखी करते हुए, सार्वजनिक स्थानों पर हुड़दंग मचाते हैं। शराब और नशे का खुलेआम सेवन करते हैं। तेज आवाज में संगीत बजाते हैं। सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करते हैं। प्राकृतिक स्थलों पर गंदगी फैलाते हैं। स्थानीय लोगों से दुर्व्यवहार करते हैं। ऐसे में अब सब जगह से एक जिम्मेदार पर्यटन की मांग उठती दिख रही है। यद्यपि सभी पर्यटक ऐसे नहीं होते परन्तु समाज में व्याप्त कुछ शरारती प्रवृति के लोगों की वजह से सभी को परेशानी का सामना करना पड़ता है.

मनाली, कसोल, तोष, मलाणा, जिब्बी, बीड़-बिलिंग और शिमला जैसे पर्यटन स्थलों में ऐसे मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। हर वर्ष सोशल मीडिया पर ऐसे अनेक प्रकार की घटनाएं वायरल होती हैं जिसमें कि बाहर से आये हुए पर्यटक हुड़दंग मचाते हैं और स्थानीय लोगों और यहाँ तक कि पुलिस और प्रशाशन से भी झगड़ा करते हैं। सोशल मीडिया पर वायरल होने की चाह में कई पर्यटक जोखिमपूर्ण और अनुचित गतिविधियाँ करते हैं। कुछ क्षेत्रों में ड्रग्स और अवैध पार्टियों की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। ट्रैफिक जाम, सड़क दुर्घटनाएँ और सार्वजनिक अव्यवस्था की घटनाएँ बढ़ी हैं।

यह सत्य है कि हिमचाल प्रदेश की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा पर्यटन पर निर्भर करता है परन्तु इस तरह के हुड़दंगी पर्यटकों की वजह से हिमाचल की अर्थव्यवस्था मजबूत हो न हो पर सम्पूर्ण व्यवस्था, संस्कृति और पर्यावरण का विनाश तय है और सबसे बड़ा नुक्सान हिमाचल के पर्यटन की छवि पर पड़ रहा है। हिमाचल की लोक संस्कृति, परंपराएँ और धार्मिक आस्थाएँ प्रभावित होती हैं। स्थानीय समुदाय स्वयं को असहज महसूस करता है। पुलिस और प्रशासन को अतिरिक्त संसाधन लगाने पड़ते हैं। छोटी घटनाएँ कभी-कभी बड़े विवाद का रूप ले लेती हैं। हाल ही में घटित घटनाएं इस बात की साक्षी हैं कि किस प्रकार से नियमों के पालन को लेकर की गयी प्रशासनिक कार्रवाई को हिमाचल के पडोसी राज्य पंजाब के इन्फ्लुएंसर और वहां की स्थानीय जनता ने इसे धार्मिक रंग देने की कोशिश की और माहौल बिगाड़ने का कार्य किया।

हिमाचल सरकार द्वारा पर्यटकों से लिया जाने वाले एंट्री टैक्स के विरोध में हिमाचल पंजाब की सीमा पर कुछ निहंग सिखों और स्थानीय लोगों द्वारा हिमाचल प्रदेश की गाड़ियों से खालसा टैक्स के नाम पर अनधिकृत पैसे लिए गए। इसमें भी दोनों प्रदेशों की सरकार मूकदर्शक बनी हुए हैं और इस समस्या का समाधान खोजने में असमर्थ रही हैं। लोकतान्त्रिक व्यवस्था में यह पूर्ण रूप से अराजकता का माहौल बनाया जा रहा है। कुछ लोगों की गैर-जिम्मेदार हरकतों से पूरे प्रदेश की पर्यटन छवि प्रभावित होती है और गुणवत्तापूर्ण पर्यटक दूर होते हैं।

इस समस्या के समाधान के लिए न केवल शासन प्रशासन और स्थानीय लोगों की भूमिका रहेगी अपितु पर्यटकों को भी अपनी जिम्मेदार भूमिका निभानी होगी। जिम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा देना होगा। पर्यटन विभाग को व्यापक जागरूकता अभियान चलाने चाहिए। पर्यटकों को यात्रा शुरू करने से पहले स्थानीय संस्कृति, रीति-रिवाजों, पर्यावरणीय नियमों और कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी जानी चाहिए। होटल, होमस्टे और ट्रैवल एजेंसियां भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। कानूनों का सख्त और समान अनुपालन होना आवशयक है। ऐसा नहीं है कि इन चुनौतियों से पार पाने के कानून नहीं हैं, बस उनका सख्ती से अनुपालन करवाना सरकार और प्रशाशन की जिम्मेदारी है। हम सभी देखते हैं कि चंडीगढ़ प्रशासन में नियमों की अनुपालना को लेकर सख्त वयवहार अपनाया जाता है तो वहां सभी लोग नियमों का पालन करते हैं। यहाँ तक कि जो पंजाब के पर्यटक पहाड़ी क्षेत्रों में हुड़दंग मचाते हैं वो भी वहां पर उन नियमों का पालन करते हैं। ऐसी ही सख्त व्यवस्था की आवश्यकता हिमाचल में भी है। सार्वजनिक स्थानों पर शराब का सेवन, नशाखोरी, तेज आवाज में संगीत, सड़क पर स्टंट और गंदगी फैलाने जैसी गतिविधियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। जुर्माने और दंड केवल कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि उनका प्रभावी क्रियान्वयन हो। इससे गलत संदेश जाने के बजाय अनुशासन का माहौल बनेगा।

हिमाचल को पर्यटकों की संख्या नहीं, बल्कि पर्यटन की गुणवत्ता बढ़ाने पर ध्यान देना होगा। सतत, जिम्मेदार और समुदाय-केंद्रित पर्यटन मॉडल ही राउडी टूरिज्म की चुनौती का दीर्घकालिक समाधान है। इससे पर्यटन भी बढ़ेगा, स्थानीय अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी और देवभूमि हिमाचल की सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासत भी सुरक्षित रहेगी। हिमाचल प्रदेश को पर्यटन की आवश्यकता है, लेकिन ऐसा पर्यटन नहीं जो प्रकृति, संस्कृति और सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुँचाए। पर्यटन स्थलों में अनावश्यक भीड़ की स्थिति भी एक बड़ी चुनौती है। अत्यधिक भीड़ से पर्यावरण, यातायात और स्थानीय जीवन प्रभावित होता है। पर्यटन स्थलों की वहन क्षमता भी तय करनी चाहिए। इसके लिए पहले से ही ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन जैसी सुविधा शुरू की जानी चाहिए ताकि एक दिन की तय क्षमता के बाद वाहनों की एंट्री बंद हो जाये। इससे इस चुनौती से पार पाने में आसानी होगी। पर्यटन प्रबंधन में स्थानीय ग्राम पंचायतों, युवक मंडलों, महिला मंडलों और स्थानीय स्वयंसेवी संगठनों को सक्रिय भूमिका दी जानी चाहिए। स्थानीय लोग अपने क्षेत्र की संस्कृति और पर्यावरण की रक्षा के सबसे प्रभावी प्रहरी साबित हो सकते हैं। परन्तु उन्हें प्रशासन की सहायता भी उपलब्ध होनी चाहिए। आजकल सोशल मीडिया एक प्रभावी प्लेटफॉर्म है। सरकार और पर्यटन विभाग को सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के माध्यम से सकारात्मक और जिम्मेदार पर्यटन के संदेश प्रसारित करने चाहिए। यह एक प्रभावी कदम हो सकता है। समय की मांग है कि राउडी टूरिज्म के स्थान पर रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म को बढ़ावा दिया जाए। यदि सरकार, स्थानीय समुदाय, पर्यटन व्यवसाय और पर्यटक मिलकर प्रयास करें, तो हिमाचल अपनी प्राकृतिक और सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रखते हुए सतत पर्यटन का आदर्श मॉडल बन सकता है।

प्रथम न्यूज के लिए संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक विवेक धीर द्वारा मकान नंबर 143-ए, आदर्श नगर, जालंधर (पंजाब) से प्रकाशित एवं न्यू दशमेश प्रिंटर्ज 178-179 रणजीत नगर, जालंधर (पंजाब) से मुद्रित। फोन : 7973508344 । सभी विचारों का न्यायाधिकार क्षेत्र जालंधर होगा। R.N.I. Regd. NO. PUNHIN / 2010/36540

संक्षिप्त न्यूज

चंडीगढ़ में मिड डे मील वर्करों ने लंबित वेतन जारी करने और वेतन वृद्धि की उठाई मांग

चंडीगढ़ (पुनीत महाजन): एजुकेशन विभाग में कार्यरत मिड डे मील वर्करों की एक महत्वपूर्ण बैठक आज सेक्टर-33, चंडीगढ़ में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ गवर्नमेंट एंड एमसी इम्प्लाइज एंड वर्कर्स, यूटी चंडीगढ़ के कन्वीनर रगभीर चंद ने की। बैठक में मिड डे मील वर्करों ने विभाग द्वारा किए जा रहे कथित शोषण पर गहरी चिंता व्यक्त की और मांग की कि इसे तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए। यूनियन नेतृत्व ने सेक्रेटरी एजुकेशन प्रेरणा पुरी से मांग करते हुए कहा कि मिड डे मील वर्करों का पिछले दो महीनों से लंबित वेतन बिना किसी देरी के तुरंत जारी किया जाए।

बैठक में यह भी मांग उठाई गई कि बढ़ती महंगाई को देखते हुए मिड डे मील वर्करों के वेतन में उचित वृद्धि की जाए, उन्हें फुल टाइम वर्कर के रूप में नोटिफाई किया जाए तथा उनकी सैलरी डीसी रेट्स के अनुसार निर्धारित की जाए।यूनियन नेतृत्व ने घोषणा की कि कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर 7 जुलाई से शुरू होने वाले पुतला फूंक प्रदर्शन में मिड डे मील वर्कर भी सक्रिय रूप से भाग लेंगे और अपनी मांगों को लेकर आंदोलन को मजबूत करेंगे। बैठक को कोऑर्डिनेशन कमेटी के महासचिव राकेश कुमार के अलावा रगभीर चंद, अन्नू कुमार, चरणजीत कौर, रजनी, राजिंदर सिंह, रामदुलार और मनु राम सहित अन्य नेताओं ने भी संबोधित किया और कर्मचारियों से एकजुट होकर अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ने का आह्वान किया

चंडीगढ़ सेक्टर-41 ए में सीसीटीवी कैमरा पुनः स्थापित करने एवं रेहड़ी-फड़ी समस्या के समाधान की उठी मांग

चंडीगढ़ (पुनीत महाजन):सेक्टर-41 ए रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए), चंडीगढ़ ने क्षेत्र की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और स्वच्छता से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर वार्ड नंबर-30 के पार्षद हरदीप सिंह को एक मांग पत्र सौंपा। एसोसिएशन ने मांग की कि संपर्क सेंटर के सामने पूर्व में स्थापित सीसीटीवी कैमरे को पुनः उसी स्थान पर लगाया जाए, ताकि क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाया जा सके तथा असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखी जा सके। इसके अलावा, सेक्टर में लगने वाली रेहड़ी-फड़ी एवं सब्जी विक्रेताओं के कारण उत्पन्न हो रही भीड़, यातायात अवरोध और स्वच्छता संबंधी समस्याओं का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। एसोसिएशन ने मांग की कि केवल वैध लाइसेंसधारी विक्रेताओं को ही निर्धारित स्थानों पर व्यवसाय करने की अनुमति दी जाए तथा बिना अनुमति व्यवसाय करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। आरडब्ल्यूए ने यह भी आग्रह किया कि रेहड़ी-फड़ी विक्रेताओं के लिए उचित एवं व्यवस्थित स्थान निर्धारित किए जाएं, जिससे यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे, क्षेत्र की स्वच्छता कायम रहे और स्थानीय निवासियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

इस अवसर पर सेक्टर-41 ए रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष, समाजसेवी एवं हिमाचल महासभा, चंडीगढ़ के अध्यक्ष पृथी सिंह प्रजापति, उपाध्यक्ष अमन कुमार तथा कोषाध्यक्ष रमेश चंद गुप्ता भी उपस्थित रहे।

एसोसिएशन ने विश्वास व्यक्त किया कि पार्षद हरदीप सिंह क्षेत्रवासियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनके शीघ्र समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे।

एंटी नारकोटिक पुलिस टीम को एसपी मनप्रीत सिंह सूदन द्वारा प्रशंसा पत्र देकर किया सम्मानित

कैथल (कृष्ण गर्ग): नशा तस्करों पर शिकंजा कसते हुए आरोपियों को काबू करके बड़ी मात्रा में नशीला पदार्थ जब्त करके तथा चीका चोरी की वारदात में उल्लेखनीय कार्य करने वाली एंटी नारकोटिक सैल टीम को एसपी मनप्रीत सिंह सूदन ने प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि एंटी नारकोटिक सैल द्वारा गत दिनो नशा तस्करी के काई मामलो में आरोपियों को काबु करके नशीला पदार्थ बरामद करके नशा मुक्त हो जिला मुहिम में बेहतरीन कार्य किया गया था। इसके अतिरिक्त एएनसी टीम द्वारा चीका चोरी की वारदात को सुलझाने में भी अहम भुमिका निभाई गई है। एसपी द्वारा एंटी नारकोटिक सैल प्रभारी सब इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार, एसआई शुभकरण, एसआई बलराज, एएसआई जसमेर सिंह, एएसआई राजेश कुमार, एएसआई मंजीत, महिला एचसी सुमन, एचसी सुनील व अन्य टीम मेंबर को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। एसपी मनप्रीत सिंह सूदन ने पुलिसकर्मियों के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की तत्परता और समर्पण ही पुलिस की वास्तविक पहचान है। निष्ठा पूर्वक डयूटी करके खाकी का मान-सम्मान रखने वाले पुलिस कर्मचारियों पर विभाग को गर्व है, तथा कैथल पुलिस के अन्य जवान इनसे प्रेरणा लेकर निष्ठापूर्वक कर्तव्य पालना करें। बहादुरी से निष्ठा पूर्वक ड्यूटी करने वाले कर्मचारी-अधिकारियों को आगे भी इसी प्रकार सम्मानित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने तय की विकास की नई दिशा- स्वास्थ्य सेवाओं, स्वच्छता, शिक्षा, सुशासन और जल प्रबंधन को और अधिक प्रभावी बनाने के दिए निर्देश

सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, एचआरडी, जल प्रबंधन, नई शिक्षा नीति एवं आयुष्मान भारत योजना की मुख्यमंत्री ने की समीक्षा

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

27 जून (मुकेश डोलिया)

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को हरियाणा निवास में मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगियों (CMGGA) तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, एचआरडी, जल प्रबंधन, नई शिक्षा नीति तथा आयुष्मान भारत योजना सहित विभिन्न विषयों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने जनसेवाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं तकनीक आधारित बनाने के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, शहरी स्थानीय निकाय विभाग के आयुक्त एवं सचिव श्री अशोक कुमार मीणा, मुख्यमंत्री के ओएसडी श्री राजेश संधू, मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी (CMGGA) तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में मुख्यमंत्री के उप-प्रधान सचिव श्री यशपाल यादव ने विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं समीक्षा बैठक के एजेंडे से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। उन्होंने सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, एचआरडी, जल प्रबंधन, नई शिक्षा नीति तथा आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत अब तक हुई प्रगति, लंबित कार्यों तथा आगामी कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की, जिस पर मुख्यमंत्री ने आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

स्वच्छता व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के निर्देश

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जिन स्थानों पर लोगों का अधिक आवागमन रहता है, वहां विशेष रूप से साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक घर से नियमित रूप से कचरे का संग्रहण हो तथा कहीं भी गंदगी के ढेर न लगने दिए जाएं। सड़कों की नियमित सफाई के साथ-साथ उनके किनारों पर वन विभाग द्वारा फूलदार एवं आकर्षक पौधों का रोपण कराया जाए।

उन्होंने निर्देश दिए कि कचरा संग्रहण करने वाले सभी वाहनों को जीपीएस प्रणाली से जोड़ा जाए, ताकि उनकी नियमित निगरानी की जा सके। वाहनों में आधुनिक तकनीकों का उपयोग सुनिश्चित किया जाए तथा उनकी कार्यक्षमता को और बेहतर बनाया जाए मुख्यमंत्री ने कहा कि नगर निकायों में वार्ड समितियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक तीन माह में वार्ड समितियों के साथ बैठक आयोजित की जाए तथा समय-समय पर उनके साथ वर्चुअल संवाद भी किया जाए। उन्होंने वार्ड समितियों के लिए एक समर्पित पोर्टल विकसित करने के निर्देश दिए, ताकि समिति के सदस्य एवं नागरिक अपनी समस्याएं एवं सुझाव सीधे साझा कर सकें।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नगर निगम आयुक्त त्रैमासिक आधार पर शहरी स्थानीय निकायों (ULBs) की स्वच्छता एवं कार्यप्रणाली की रैंकिंग करें। प्रत्येक नगर निगम अपने वार्डों की भी रैंकिंग तैयार करे तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वार्डों को सम्मानित किया जाए। उन्होंने नगर निगमों एवं नगरपालिकाओं को स्वच्छता के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नई आवश्यकताओं एवं आधुनिक तकनीकों के अनुरूप ही स्वच्छता कार्यों के लिए टेंडर प्रक्रिया अपनाई जाए। उन्होंने 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले स्वच्छता पखवाड़े की तैयारियां अभी से शुरू करने तथा इसका विस्तृत कैलेंडर जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 2 अक्टूबर को उत्कृष्ट कार्य करने वाले वार्डों को सम्मानित किया जाए। साथ ही, उत्कृष्ट कार्य करने वाले सफाई कर्मचारियों को भी पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया जाए।

मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से निर्देश दिए कि बरसात के मौसम को देखते हुए शहरी स्थानीय निकायों के अंतर्गत आने वाले सभी बड़े नालों, नालियों एवं ड्रेनों की व्यापक सफाई 30 जून तक हर हाल में पूरी की जाए। गलियों की नालियों की नियमित सफाई कर उनमें आवश्यकतानुसार चूने का छिड़काव भी किया जाए, ताकि जलभराव एवं संक्रमण की स्थिति उत्पन्न न हो।

ई-ऑफिस प्रणाली को अनिवार्य रूप से लागू करने के निर्देश

एचआरडी विभाग की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने सभी विभागों के मुख्यालयों एवं जिला स्तर के कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रणाली को अनिवार्य रूप से लागू करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी प्रत्येक माह अपने कार्यों का विवरण अनिवार्य रूप से ऑनलाइन एचआरएमएस पोर्टल पर दर्ज करें। वरिष्ठ अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक माह सभी अधिकारी एवं कर्मचारी समय पर अपना विवरण पोर्टल पर दर्ज करें।

आयुष्मान भारत योजना के दायरे का विस्तार करने पर जोर

आयुष्मान भारत योजना की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी सरकारी अस्पतालों को अधिक सक्षम बनाया जाए, ताकि अधिक से अधिक मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

उन्होंने जिला अस्पतालों की क्षमता बढ़ाने तथा स्वास्थ्य सेवाओं को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ने पर विशेष बल दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मरीजों के स्वास्थ्य रिकॉर्ड तथा निजी चिकित्सकों द्वारा दिए जाने वाले प्रिस्क्रिप्शन को भी डिजिटल पोर्टल से जोड़ा जाए। आयुष्मान कार्ड पर दर्ज उपचार संबंधी जानकारी स्वतः पोर्टल पर अपडेट हो, ताकि आवश्यकता पड़ने पर मरीज का मेडिकल रिकॉर्ड कहीं भी उपलब्ध हो सके। उन्होंने आयुष्मान मित्रों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा योजना से अभी तक नहीं जुड़े सभी पात्र लाभार्थियों को शीघ्र शामिल करने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री ने सीएफएमएस से संबंधित लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण करने, उनकी जिला एवं मुख्यालय स्तर पर नियमित समीक्षा करने तथा इंट्रा हरियाणा पोर्टल का सभी विभागों में प्रभावी एवं अनिवार्य उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

प्रशासक ने जीएमसीएच-32, चंडीगढ़ में वयस्क एवं वरिष्ठ नागरिक टीकाकरण क्लिनिक का उद्घाटन किया

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

27 जून (मुकेश डोलिया)

पंजाब के राज्यपाल एवं यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने आज सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल (जीएमसीएच-32), चंडीगढ़ में वयस्क एवं वरिष्ठ नागरिक टीकाकरण क्लिनिक का उद्घाटन किया। सामुदायिक चिकित्सा विभाग, जीएमसीएच-32 द्वारा रोटरी क्लब सेंट्रल, चंडीगढ़ के सहयोग से स्थापित इस क्लिनिक का उद्देश्य स्वस्थ वृद्धावस्था को बढ़ावा देना तथा वयस्कों और वरिष्ठ नागरिकों को टीकों से रोकी जा सकने वाली बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करना है।

यह क्लिनिक इन्फ्लुएंजा, न्यूमोकोकल रोग, हेपेटाइटिस ए एवं बी, टाइफाइड, टेटनस, शिंगल्स (हर्पीज जोस्टर) तथा ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) के विरुद्ध टीकाकरण सेवाएं प्रदान करेगा। ये बीमारियां हर वर्ष बड़ी संख्या में वयस्कों में गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं, अस्पताल में भर्ती होने तथा रोकी जा सकने वाली मृत्यु का कारण बनती हैं, जिन्हें समय पर टीकाकरण के माध्यम से काफी हद तक टाला जा सकता है।

नवनिर्मित यह सुविधा एक 'वन-स्टॉप सेंटर' के रूप में कार्य करेगी, जहां वयस्कों एवं वरिष्ठ नागरिकों को उनकी आयु और स्वास्थ्य स्थिति के आधार पर व्यक्तिगत टीकाकरण परामर्श एवं टीकाकरण सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस अवसर पर जीएमसीएच-32 की निदेशक प्राचार्य डॉ. रवनीत कौर बेदी, रोटरी क्लब सेंट्रल, चंडीगढ़ के अध्यक्ष श्री वेभू भटनागर, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विशाल गुगलानी, सामुदायिक चिकित्सा विभाग की अध्यक्ष डॉ. सोनिया पुरी, जीएमसीएच के संकाय सदस्य एवं वरिष्ठ चिकित्सक तथा अन्य हितधारक भी उपस्थित थे।

सांसद नवीन जिंदल ने गुरुद्वारा रोड पर लगवाया वॉटर कूलर, भाजपा नेता जय भगवान शर्मा डीडी ने किया उद्घाटन

» प्रथम न्यूज । पिहोवा

27 जून (मुकेश डोलिया)

सांसद नवीन जिंदल की ओर से नगर पालिका क्षेत्र की सबसे व्यस्त मार्केट गुरुद्वारा रोड पर निशुल्क वाटर कूलर लगवाया गया। भाजपा नेता जय भगवान शर्मा डीडी और नगर पालिका प्रधान आशीष चक्रपाणि ने इस कूलर को जनसमर्पित किया। जय भगवान शर्मा ने कहा कि गुरुद्वारा रोड सबसे भीड़ भाड़ वाला इलाका है। यहां प्रतिदिन हजारों लोग शॉपिंग के लिए आते हैं। ऐसे में उन्हें भीषण गर्मी के चलते पानी की किल्लत होती थी। लेकिन सांसद नवीन जिंदल की सोच जमीनी स्तर से शुरू होती है। उन्होंने बिना किसी डिमांड के यहां वाटर कूलर भेज कर दुकानदारों पर दिल जीत लिया है। नगर पालिका प्रधान आशीष चक्रपाणि ने कहा कि इसी रोड पर पंजाबी धर्मशाला और गुरुद्वारा बाऊली साहिब भी है। जहां प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु और सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होने लोग पहुंचते हैं। इस आवश्यकता को समझते हुए सांसद नवीन जिंदल ने ये सराहनीय पहल की है। नगर पालिका उप प्रधान प्रतिनिधि सुरेंद्र ढींगरा ने कहा ने कहा कि सांसद नवीन जिंदल हमेशा अपने क्षेत्र के लोगों की आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील रहते हैं और बिना किसी भेदभाव के विकास एवं जनकल्याण के कार्यों को प्राथमिकता देते हैं। उनके प्रयासों से शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, खेल, धार्मिक एवं सामाजिक संस्थानों के विकास से जुड़े अनेक कार्य लगातार किए जा रहे हैं, जिससे आमजन को सीधा लाभ मिल रहा है। गुरुद्वारा रोड की दुकानदारों ने इस सराहनीय कार्य के लिए सांसद नवीन जिंदल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सांसद नवीन जिंदल के नेतृत्व में कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र में जनसुविधाओं के विस्तार, धार्मिक स्थलों के विकास और समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए इसी प्रकार जनहितकारी कार्य लगातार करवाए जा रहे हैं जो सराहनीय हैं। इस मौके पर नपा उप प्रधान प्रतिनिधि सुरेंद्र ढींगरा, भाजपा नेता राकेश पुरोहित, पार्षद विजयदीप डंग, पार्षद प्रतिनिधि जस्सी मान, तुलसी वर्मा, महिंद्र कालड़ा, दीपक चनालहेड़ी, अजय कोरियोग्राफर, जस्सी मोहनपुर, जीत राम आदि उपस्थित थे।

भारत रक्षा मंच के स्थापना दिवस पर राष्ट्रभक्ति का संदेश, कुरुक्षेत्र में भव्य आयोजन

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र

27 जून (बृज मोहन)

भारत रक्षा मंच के 17वें स्थापना दिवस के अवसर पर जिला कुरुक्षेत्र शाखा द्वारा सैनी पब्लिक स्कूल परिसर में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षाविदों और गणमान्य नागरिकों ने भाग लेकर राष्ट्रभक्ति एवं सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया।

मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित भारत रक्षा मंच के जिला प्रभारी डॉ. योगेश्वर जोशी ने प्राचीन भारतीय इतिहास के विभिन्न प्रसंगों का उल्लेख करते हुए वर्तमान समय की चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संगठित समाज ही राष्ट्र को सशक्त बना सकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत बनाने और राष्ट्रहित में कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिला प्रधान हंसराज और सचिव अमन जोशी ने भी संगठन की गतिविधियों और भावी योजनाओं की जानकारी देते हुए राष्ट्रप्रेम, सांस्कृतिक जागरूकता और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने पर बल दिया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण देशभक्ति गीतों की प्रस्तुतियां रहीं। विभिन्न कलाकारों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत गीत प्रस्तुत कर माहौल को राष्ट्रप्रेम के रंग में रंग दिया। कार्यक्रम में कई गणमान्य व्यक्तियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। अंत में राष्ट्रहित और सामाजिक एकता के संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

चंडीगढ़ के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने नशे के खिलाफ जन आंदोलन खड़ा करने का समय, हर वार्ड में चलेगा जागरूकता अभियान

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

27 जून (पुनीत महाजन)

पंजाब के राज्यपाल एवं यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने 'अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध एवं अवैध तस्करी विरोधी दिवस-2026' के अवसर पर नगर निगम चंडीगढ़ के विशेष सत्र को संबोधित करते हुए नशे और अवैध तस्करी के खिलाफ जन आंदोलन खड़ा करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशा केवल कानून-व्यवस्था की नहीं, बल्कि समाज, स्वास्थ्य, सुरक्षा और देश के भविष्य से जुड़ी गंभीर चुनौती है।

राज्यपाल ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि नशा तस्कर स्कूलों, महाविद्यालयों और स्थानीय समुदायों तक अपनी पहुंच बनाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पड़ोसी राज्यों से घिरे होने के कारण चंडीगढ़ भी इस खतरे के प्रति संवेदनशील है। नशे की चपेट में आने वाला प्रत्येक युवा अपने परिवार के सपनों के साथ-साथ राष्ट्र की बहुमूल्य युवा शक्ति को भी कमजोर करता है। उन्होंने नगर निगम से प्रत्येक वार्ड में व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने, सामुदायिक केंद्रों में काउंसलिंग सत्र आयोजित करने तथा विद्यालयों, महाविद्यालयों, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों, महिला मंडलों, युवा क्लबों और स्वयंसेवी संगठनों को इस अभियान से जोड़ने का आह्वान किया। राज्यपाल ने प्रत्येक वार्ड में 'नशामुक्त वार्ड समितियों' के गठन का प्रस्ताव रखते हुए सामुदायिक केंद्रों को योग, खेल, ध्यान, व्यक्तित्व विकास, परामर्श और कौशल संवर्धन गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित करने पर बल दिया। उन्होंने नशा तस्करों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के साथ-साथ नशे की लत से जूझ रहे युवाओं के पुनर्वास, उपचार और सामाजिक पुनर्स्थापन के लिए संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

चंडीगढ़ के महापौर सौरभ जोशी ने राज्यपाल को आश्वस्त किया कि नगर निगम पार्षदों, नागरिकों और सामाजिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी के साथ शहरभर में वार्ड स्तर पर नशा विरोधी अभियान का नेतृत्व करेगा। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है कि वे युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करें और समाज में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाएं। नगर निगम आयुक्त अमित कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए राज्यपाल द्वारा नगर निगम के विकास और जनकल्याण के लिए दिए जा रहे निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने जन-जागरूकता, पुनर्वास सहायता और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से राज्यपाल की सोच को धरातल पर उतारने की प्रतिबद्धता दोहराई।

इस अवसर पर राज्यपाल ने नगर निगम के सभी पार्षदों, अधिकारियों और कर्मचारियों को नशा विरोधी शपथ भी दिलाई। समारोह का सीधा प्रसारण नगर निगम के यूट्यूब चैनल पर किया गया। साथ ही उन्होंने 'नशा विरोधी हस्ताक्षर बोर्ड' पर हस्ताक्षर कर नशामुक्त चंडीगढ़ के निर्माण के लिए सामूहिक संकल्प को और मजबूत किया।

मेयर सौरभ जोशी ने चंडीगढ़ प्रॉपर्टी शेयर होल्डर्स एसोसिएशन को संपत्ति संबंधी समस्याओं के समाधान का दिया आश्वासन

चंडीगढ़, 27 जून (पुनीत महाजन) चंडीगढ़ के मेयर सौरभ जोशी ने आज सेक्टर-15 स्थित कम्युनिटी सेंटर में आयोजित बैठक के दौरान चंडीगढ़ प्रॉपर्टी शेयर होल्डर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों को उनकी संपत्ति संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

बैठक के दौरान मेयर ने एसोसिएशन के सदस्यों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। सदस्यों ने संपत्ति के स्वामित्व, नागरिक सुविधाओं, नियामकीय प्रक्रियाओं तथा अन्य संपत्ति संबंधी मुद्दों को उनके समक्ष रखा। मेयर ने आश्वस्त किया कि सभी वास्तविक और जायज मांगों को संबंधित विभागों एवं अधिकारियों के समक्ष उठाया जाएगा, ताकि उनका समयबद्ध और उचित समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

मेयर सौरभ जोशी ने कहा कि चंडीगढ़ के नागरिकों का कल्याण और उनकी शिकायतों का त्वरित निवारण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि नगर निगम नागरिकों के हितों की रक्षा और पारदर्शी एवं प्रभावी प्रशासन सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने दोहराया कि प्रॉपर्टी शेयर होल्डर्स की वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए उनका पूरा सहयोग और हरसंभव सहायता हमेशा उपलब्ध रहेगी। इस अवसर पर एसोसिएशन के सदस्यों ने मेयर के सकारात्मक दृष्टिकोण, सहज उपलब्धता और सहयोग के आश्वासन की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनकी समस्याओं के समाधान की दिशा में शीघ्र और सकारात्मक कदम उठाए जाएंगे।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

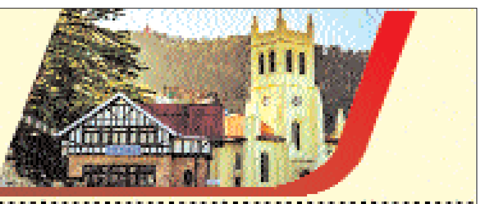

संक्षिप्त न्यूज

राजकीय महाविद्यालय नालागढ़ की राष्ट्रीय सेवा इकाई द्वारा महाविद्यालय परिसर में एक दिवसीय नशा मुक्त रैली का आयोजन

लोगों को नशे से दूर रहने के लिए किया गया प्रेरित

नालागढ़ 27 जून (गुरजीत सिंह)– राजकीय महाविद्यालय नालागढ़ की राष्ट्रीय सेवा इकाई के द्वारा महाविद्यालय के परिसर में एक दिवसीय नशा मुक्त रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का प्रारम्भ कार्यकारी प्राचार्य डा. अनुज कुमार साहनी के मार्गदर्शन से हुआ। इस नशा मुक्त अभियान में डॉ.जसवंत सिंह, डॉ. हरविंदर सिंह ,डॉ. नरेश कुमार एवं कार्यक्रम की अधिकारी डॉ. संदीपिका रानी द्वारा स्वयंसेवकों को नशे से दूर रहने के लिए कहा गया। पहले कॉलेज परिसर में नशा मुक्ति शपथ भी ली गई और उसके पश्चात् रैली द्वारा हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। यह रैली कॉलेज परिसर से नालागढ़ बाजार और हॉस्पिटल तक निकाली गई। लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। इस रैली में सभी स्वयंसेवियों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया।

ग्राम पंचायत नघियार की नवनिर्वाचित प्रधान अनु कुमारी का भव्य स्वागत, विकास को दी प्राथमिकता

बिलासपुर (जितेंद्र गौतम)– ग्राम पंचायत नघियार की नवनिर्वाचित प्रधान अनु कुमारी व समस्त पंचायत सदस्यों का पंचायत भवन पहुंचने पर महिलाओं एवं गांववासियों द्वारा पुष्प गुच्छ देकर सभागार भव्य स्वागत किया गया है कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती जी के समक्ष ज्योति प्रज्वलित कर वन्दे मातरम् के साथ किया गया इस अवसर पर पंचायत सचिव ने नवनिर्वाचित प्रधान एवं समस्त पंचायत सदस्यों का कार्यभार संभालने पर शुभकामनाएं दी हैं इस अवसर पर प्रधान अनु कुमारी ने समस्त पंचायत सदस्यों का गांव के विकास कार्यों में विशेष सहयोग देने का आह्वान करते हुए कहा कि पंचायत में सभी कार्य प्रथामिक आधार पर करके नघियार पंचायत को जनता के सहयोग से एक आदर्श पंचायत बनाना परम कर्तव्य है उन्होंने कहा कि इस पंचायत में सरकार द्वारा चलाई गई विभिन्न योजनाओं का सीधा लाभ आम जनता तक पहुंचाना सभी पंचायत सदस्यों का दायित्व बनता है उन्होंने कहा कि इस पंचायत में स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत स्वच्छता अभियान, भाषा एवं संस्कृति विभाग बिलासपुर के सौजन्य एवं नार्थ जोन कल्चर सैंटर पटियाला के संयुक्त तत्वावधान से अपनी पुरातन संस्कृति को संजोए रखने के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, किसानों एवं बागवानों के लिए विशेष कृषि सम्बन्धी प्रशिक्षण शिविरो व हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा पंचायती राज विभाग द्वारा चलाई गई विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं व अन्य कार्यक्रमों की समय समय पर पंचायत घर में नोटिस बोर्ड एवं पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा दी जायेगी उन्होंने पंचायत वासियों से निवेदन कि से कि प्रदेश सरकार पंचायती राज विभाग द्वारा आयोजित साधरण अधिवेशन में अवश्य अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर अधिवेशन को सफल बनाने में अहम् भूमिका अदा करें कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान के साथ भारत माता के जयघोष करके किया गया।

मुख्यमंत्री ने सड़क दुर्घटना में छः लोगों के निधन पर शोक व्यक्त किया

शिमला, (बी. शर्मा)– मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने शुक्रवार सायं शिमला जिला के रामपुर के तहत तकलेच–काशापाट में हुई सड़क दुर्घटना में छः लोगों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुख की घड़ी में प्रदेश सरकार उनके साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने जिला प्रशासन को निर्देश दिए कि प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता एवं राहत प्रदान की जाए।

मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

ढकरियाना पंचायत की नवनिर्वाचित प्रधान संतोष कंवर को पूर्व विधायक ने दी बधाई

पट्टा मेहलोग, 27 जून (तारा) – दून के पूर्व विधायक परमजीत सिंह पम्मी ने ग्राम पंचायत ढकरियाना की नवनिर्वाचित प्रधान संतोष कंवर से मुलाकात कर उन्हें जीत की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने पंचायत के विकास कार्यों में हरसंभव सहयोग का आश्वासन देते हुए क्षेत्र की प्रगति के लिए मिलकर कार्य करने की बात कही। इस अवसर पर पंचायत प्रधान द्वारा धन्यवाद समारोह एवम आभार सभा में भी पूर्व विधायक ने शिरकत की। इस मौके ढकरियाना पंचायत के पूर्व प्रधान कुलवंत सिंह कंवर, बरोटीवाला पंचायत के पूर्व प्रधान व पूर्व बीडीसी राम रतन चौधरी, अक्षय, ज्ञान चंद, प्रियंका और बहुत से गणमान्य ग्रामीण मौजूद रहे।

जनादेश से घबराई सुक्खू सरकार, अध्यक्ष-उपाध्यक्ष के चुनाव टालकर कर रही हॉर्स ट्रेडिंग की कोशिश : जयराम ठाकुर

70% पंचायतों में भाजपा समर्थित प्रधान-उपप्रधान, नगर निकायों और जिला परिषद में भी भाजपा का दबदबा, कांग्रेस की करारी हार से मची खलबली

» प्रथम न्यूज । शिमला
27 जून (बी.शर्मा)

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने आज शिमला में आयोजित पत्रकार वार्ता में कांग्रेस सरकार पर लोकतंत्र को कुचलने, जनादेश का अपमान करने तथा सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर पंचायत एवं नगर निकाय चुनावों के परिणामों को प्रभावित करने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार पहले हर हाल में चुनाव टालना चाहती थी, लेकिन हाईकोर्ट और अंततः सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद चुनाव करवाने पड़े। इसके बावजूद सरकार अब अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के चुनाव जानबूझकर लटका रही है ताकि हॉर्स ट्रेडिंग और जनप्रतिनिधियों पर दबाव बनाने का समय मिल सके।

जयराम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस सरकार को पहले से अंदेशा था कि जनता उसके खिलाफ मतदान करेगी। यही कारण था कि कभी डिजास्टर एक्ट का सहारा लिया गया, कभी नियमों में बदलाव किए गए और कभी चुनाव प्रक्रिया को बाधित करने का प्रयास किया गया। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद चुनाव तो हुए, लेकिन अब सरकार जनादेश को स्वीकार करने के बजाय लोकतांत्रिक प्रक्रिया को रोकने में जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनावों में लगभग 70 प्रतिशत पंचायतों में भाजपा समर्थित प्रधान और उपप्रधान विजयी हुए, जो स्पष्ट संकेत है कि प्रदेश की जनता ने कांग्रेस सरकार को नकार दिया है। उन्होंने कहा कि नगर निकाय चुनावों में भी

भाजपा को व्यापक जनसमर्थन मिला। धर्मशाला नगर निगम में भाजपा ने 17 में से 11 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया, जबकि अन्य नगर निकायों में भी भाजपा का प्रदर्शन कांग्रेस से बेहतर रहा। जयराम ठाकुर ने आंकड़े प्रस्तुत करते हुए कहा कि 12 जिला परिषदों में से केवल 3 में ही अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव कराए गए हैं और तीनों स्थानों पर कांग्रेस अपना उम्मीदवार तक खड़ा नहीं कर सकी। उन्होंने कहा कि 92 ब्लॉक समितियों में से केवल 47 में चुनाव कराए गए, जिनमें 31 स्थानों पर भाजपा समर्थित उम्मीदवार विजयी हुए, जबकि कांग्रेस केवल 16 स्थानों पर जीत सकी। नगर परिषदों और नगर पंचायतों में भी सरकार केवल वहीं चुनाव करा रही है जहां कांग्रेस की स्थिति मजबूत है, जबकि भाजपा बहुमत वाले निकायों में चुनाव तिथियां घोषित नहीं की जा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा समर्थित पार्षदों, बीडीसी और जिला परिषद सदस्यों को डराने–धमकाने के लिए उनके विरुद्ध विजिलेंस और अन्य मामलों में झूठे केस दर्ज किए जा रहे हैं। उन्होंने सुजानपुर नगर परिषद का उदाहरण देते हुए आरोप लगाया कि वहां गुप्त मतदान की निर्धारित प्रक्रिया का पालन तक नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार लोकतंत्र की सभी सीमाएं लांघ चुकी है।

जनता का स्पष्ट जनादेश भाजपा के पक्ष में आने के बावजूद सरकार सत्ता के दुरुपयोग के माध्यम से उसे पलटने का प्रयास कर रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से जनादेश का सम्मान करने की अपील करते हुए कहा कि जनता ने पंचायतों और नगर निकायों के माध्यम से साफ संदेश दे दिया है कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार के प्रति विश्वास समाप्त हो चुका है।

जयराम ठाकुर ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने शीघ्र अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के चुनाव की तिथियां घोषित नहीं कीं और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप बंद नहीं किया, तो भारतीय जनता पार्टी न्यायालय से लेकर सड़कों तक लोकतांत्रिक संघर्ष को और तेज करेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि पंचायत और नगर निकाय चुनावों का जनादेश आगामी विधानसभा चुनावों की दिशा भी तय कर चुका है और प्रदेश की जनता कांग्रेस सरकार को सत्ता से बाहर करने का मन बना चुकी है।

पाइन ट्री कंपनी में भीषण गर्मी के चलते रक्तदान शिविर में 141 ने किया रक्तदान

बद्दी 27 जून(गुरजीत सिंह)– बद्दी बरोटीवाला मार्ग पर लक्कड़ डिपो के निकट काठा स्थित पाइन ट्री पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड में आयोजित 13वें रक्तदान शिविर में 141 कामगारों ने रक्तदान किया। रक्तदान का शुभारंभ फॉरच्यूनर ट्रेडिंग के अनुराम गोगिया ने किया। उन्होंने कंपनी के इस पुनीत कार्य की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे रक्तदान शिविरों के लिए अन्य सामजिक संगठनों, उद्योगों आदि को भी आगे आना चाहिए। शिविर में रोटरी एंड ब्लड बैंक रिसोर्स सेंटर सेक्टर 37 की टीम ने डॉ मनीष राय के नेतृत्व मे रक्त एकत्रित किया। और उन्हें रक्त के बारे में आवश्यक सलाह दी। कंपनी के डायरेक्टर राजेश शर्मा ने रक्तदानियों का आभार जताते हुए बताया कि सभी रक्तदानियों को सम्मानित किया गया। शिविर में अमरजीत शर्मा ने 98वीं बार और झाड़माजरी के विपिन निरंकारी ने जीवन का 50वाँ रक्तदान किया। इस अवसर पर एस.एस.एफ.कंपनी के महाप्रबंधक एन के जोशी,कंपनी के डायरेक्टर राजेश शर्मा,जिला उपाध्यक्ष भाजपा गुरमेल चौधरी,अमरजीत,अमित सांगवान,गगनदीप भट्टी, प्रमोद कुमार,मोहन शर्मा,युद्धवीर सिंह,दिनेश कुमार,कृष्ण पंडित,धर्मवीर,दीपक,भूपिंदर सिंह, कृष्णा राम आदि उपस्थित रहे।

ऐतिहासिक अमरनाथ यात्रा में 26वें भंडारे के लिए राशन से लदे 4 ट्रक रवाना

» प्रथम न्यूज । बद्दी
27 जून (गुरजीत सिंह)

बद्दी हिमाचल प्रदेश की शिव गौरी सिद्ध सेवा मंडल संस्था द्वारा ऐतिहासिक अमरनाथ यात्रा में 26वां भंडारा लगाने हेतु राशन से लदे 4 ट्रकों को उपमंडलाधिकारी बद्दी संजीव धीमान और उद्योगपति सिद्धार्थ जिंदल ने झंडी देकर रवाना किया। रुचि परिसर में आयोजित कार्यक्रम में पहले मंदिर में पूजा अर्चना की गई। भोले के जयकारे लगाए गए। एस.डी.एम.संजीव धीमान ने कहा कि मेरा यह सौभाग्य है कि मुझे झंडी देने का अवसर मिला। और यह भंडारा प्रदेश का इस यात्रा में एकमात्र भंडारा है जो यात्रा में प्रदेश की पहचान बनाता है। संस्था के अध्यक्ष रामलोक चौधरी ने बताया कि इन राशन से लदे ट्रकों के साथ करीब चार दर्जन सेवादार भी रवाना हुए। जो यात्रा समाप्ति तक अपनी सेवाएं देंगे। वहाँ पर शेड स्थापित कर दिया गया है। रविवार तक यह राशन वहां पर पहुंच जाएगा। जो 3 जुलाई यात्रा के शुभारंभ पर भंडारा सुचारू

रूप से शुरू हो जाएगा। यह 26वां भंडारा है। अध्यक्ष ने इस कार्य में सहयोग करने वाले सभी दानी सज्जनों का भी आभार जताया। भंडारे में पहले की अपेक्षा अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास है। वातानुकूल वस्त्र,भोजन,रात्रि विश्राम, शौचालय आदि सुविधाएं उपलब्ध होगी जम्मू कश्मीर प्रशासन और श्राइन बोर्ड के दिशा निर्देशों का पालन किया जाता है। इस अवसर पर एस.डी.एम.बद्दी संजीव धीमान,चेयरमैन लाला हरविलास जिंदल,तरक्की लाल कौशल,रामलोक चौधरी,सिद्धार्थ जिंदल,मनोज कौशल,विनोद जिंदल,दर्शन पाल,गीता राम थाना,जसमेर मेहता,बबली चौधरी,शाम लाल चौहान,संदीप झांटा,कमल किशोर, आंशू,कुलविंदर सिंह,रवि कुमार, तजिंदर, अमी चंद चौहान रंजीत,अशोक,बाबू राम,गगनदीप,राजेश कुमार,पृथ्वी सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

झंडूता कॉलेज में साइंस विषय बंद करने के विरोध में भाजपा का प्रदर्शन, बहाली न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
27 जून (जितेंद्र गौतम)

भाजपा तथा पंचायती राज संस्थाओं के नुमाइंदों ने झंडूता कॉलेज में साइंस विषय बंद करने के विरोध में मोर्चा खोल दिया है। शनिवार को झंडूता व शाहतलाई मंडल भाजपा के संयुक्त तत्वावधान रैली निकालकर प्रदर्शन किया गया। झंडूता के विधायक जीतराम कटवाल की अगुवाई में स्थानीय बाजार व कॉलेज से होते हुए एसडीएम ऑफिस तक निकाली गई रैली के दौरान जमकर नारेबाजी भी की गई। साइंस विषय की बहाली की मांग को लेकर एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया गया। भाजपा ने चेताया कि यदि बच्चों के भविष्य से जुड़े इस मामले में गंभीरता दिखाते हुए साइंस विषय बहाल नहीं किया, तो उग्र आंदोलन का सहारा लेने से भी गुरेज नहीं किया जाएगा। इसके लिए प्रदेश सरकार जिम्मेदार होगी। उधर, शनिवार को ही झंडूता पंचायत समिति की अध्यक्ष शीला देवी की अध्यक्षता में आयोजित पहली बैठक में भी कॉलेज में साइंस विषय बहाल करने की मांग को लेकर प्रस्ताव पारित किया गया। इतना ही नहीं, रोहल वार्ड से जिला परिषद सदस्य जरनैल सिंह की अनुशंसा पर बिलासपुर जिला परिषद ने भी इसी मांग को लेकर प्रस्ताव पारित किया है।

जीतराम कटवाल ने कहा कि झंडूता कॉलेज वर्ष 2007 से पिछड़ा क्षेत्र कोटधार की 14 पंचायतों समेत कुल लगभग 30 पंचायतों के बच्चों को उच्च शिक्षा की सुविधा दे रहा है। इस कॉलेज में साइंस विषय बंद करने का फैसला बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इससे पहले घंडीर (बल्हसीणा) कॉलेज को बंद करने के साथ ही दर्जनों अन्य संस्थानों पर भी ताला लगाया जा चुका है। अब इस ताजा तुगलकी फरमान से कांग्रेस सरकार ने पिछड़ा क्षेत्र के गरीब व ग्रामीण परिवारों के बच्चों के सपनों पर फिर से वज्रपात किया है। साइंस की पढ़ाई करके वैज्ञानिक, डॉक्टर व इंजीनियर बनने के इच्छुक बच्चों का भविष्य अंधकारमय बना दिया गया है। अपने सपने पूरे करने के लिए बच्चों को 30–40 किलोमीटर दूर अन्य कॉलेजों में दाखिला लेना पड़ेगा, जो कमजोर आर्थिक स्थिति के चलते हर परिवार के लिए संभव नहीं होगा। मेधावी होने के बावजूद कई बच्चे पढ़ाई बीच में ही छोड़ने पर मजबूर हो जाएंगे।

जीतराम कटवाल ने कहा कि बच्चों के हक व भविष्य से जुड़े इस गंभीर व संवेदनशील मसले को लेकर उन्होंने गत 10 जून को मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री से लिखित आग्रह करके इस पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया था, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाला ही रहा है। इस मामले में भाजपा, क्षेत्रवासी और बच्चे पूरी तरह से एकजुट हैं। उनका आंदोलन पूरी तरह लोकतांत्रिक, शांतिपूर्ण और जनहित में है। वे सरकार से टकराव नहीं, बल्कि समस्या का समाधान चाहते हैं। उनकी मांग केवल इतनी है कि बच्चों के हित में इस जनविरोधी निर्णय को तुरंत प्रभाव से वापस लेकर साइंस विषय बहाल किया जाए। बेहतर होगा कि अड़ियल रवैया अपनाने के बजाए कांग्रेस सरकार जनता की भावनाओं का सम्मान करे, अन्यथा उसे बड़े आंदोलन का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने झंडूता विधानसभा क्षेत्र की जनता, सभी बच्चों तथा सामाजिक संगठनों का आह्वान किया कि वे निजी विचारधारा से ऊपर उठकर इस आंदोलन का हिस्सा बनें, ताकि बच्चों को शिक्षा का मौलिक अधिकार सुचारू तरीके से मिलता रहे। प्रदर्शन में भाजपा मंडल अध्यक्ष रसम सिंह चंदेल व डॉ. रामप्रकाश शर्मा के साथ ही पार्टी के अन्य पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, बीडीसी सदस्यों तथा बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

जीतराम कटवाल ने कहा कि पंचायत समिति ग्रामीण विकास की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। गांवों में सड़कों, पेयजल, सिंचाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, रोजगार और सामाजिक कल्याण जैसी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन पंचायत समिति के माध्यम से ही संभव होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ग्रामीण भारत को सशक्त बनाने के लिए अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, मनरेगा, आयुष्मान भारत तथा डिजिटल इंडिया जैसी कई योजनाओं ने गांवों की तस्वीर व तकदीर बदलने का काम किया है।

जीतराम कटवाल ने कहा कि सभी नवनिर्वाचित पंचायत समिति सदस्य जनता के विश्वास और आशीर्वाद से इस मुकाम तक पहुंचे हैं। यह केवल सम्मान का पद नहीं, बल्कि जनसेवा का एक पवित्र दायित्व है। जनता को अपने सभी प्रतिनिधियों से विकास, पारदर्शिता और ईमानदारी की उम्मीद है। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी पंचायत समिति सदस्य लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का ईमानदारी से प्रयास करेंगे। क्षेत्र के विकास के लिए वह भी उन्हें पूरा सहयोग देंगे। इसके लिए उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया जाएगा।

चंबा में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को पोषण अभियान और पीएमएमवीवाई का दिया प्रशिक्षण

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर कार्यकर्ताओं को किया जागरूक

» प्रथम न्यूज । चंबा
27 जून (एएम नाथ)

महिला एवं बाल विकास विभाग चंबा के मार्गदर्शन में IPE Global Pvt. Ltd. द्वारा शुक्रवार को आंगनबाड़ी केंद्र धुलारा, वृत्त मसरूड में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन बाल विकास परियोजना अधिकारी कमल किशोर शर्मा के दिशानिर्देशों के तहत किया गया, जिसका उद्देश्य पोषण अभियान तथा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना था।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में वृत्त पर्यवेक्षक कृष्णा देवी, पोषण अभियान के खंड समन्वयक रमेश कुमार, 20 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं तथा आईपीई ग्लोबल से वंदना आईएसओ ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं के सफल संचालन और लाभार्थियों तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करने के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

प्रशिक्षण में विशेष रूप से 15 जून से 15 जुलाई 2026 तक चल रहे अभियान के अंतर्गत अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों का पंजीकरण सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। साथ ही लंबित मामलों के समयबद्ध निपटान, लाभार्थियों की निगरानी, रिपोर्टिंग व्यवस्था तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) के तहत गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को मिलने वाली वित्तीय सहायता और उससे संबंधित दिशा–निर्देशों की जानकारी भी दी गई। अधिकारियों ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सभी पात्र महिलाओं को समय पर योजना का लाभ और आर्थिक सहायता प्राप्त हो सके।

प्रशिक्षकों ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से जमीनी स्तर पर जागरूकता बढ़ाने, पात्र महिलाओं की पहचान करने और उन्हें योजनाओं से जोड़ने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि पोषण अभियान और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हैं, जिनकी सफलता कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करती है। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को उपयोगी बताते हुए योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्धता जताई

पाइन ट्री उद्योग काठा में 13वां रक्तदान शिविर आयोजित, कामगारों ने बढ़-चढ़कर किया रक्तदान

» प्रथम न्यूज । बद्दी
27 जून (तारा)

बद्दी–बरोटीवाला रोड स्थित लक्कड़ डिपू के निकट पाइन ट्री उद्योग काठा में शनिवार को 13वें रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उद्योग के कामगारों सहित क्षेत्र के अनेक लोगों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानव सेवा का परिचय दिया।

शिविर का शुभारंभ फार्च्यूनर ट्रेडिंग कम्पनी के अनुराग गोदिया ने किया। इस अवसर पर चैम्बर ऑफ कॉमर्स पांवटा साहिब के सलाहकार देवव्रत यादव मुख्य अतिथि तथा भाजपा नेता कृष्ण कौशल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

रक्तदान शिविर में स्टाइलों टेबलवेयर कम्पनी झाड़माजरी की ओर से रक्तदाताओं को उपहार

भी भेंट किए गए। मुख्य अतिथि देवव्रत यादव ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा मानव धर्म है। रक्तदान से किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन मिल सकता है। उन्होंने कहा कि पाइन ट्री उद्योग द्वारा किया जा रहा यह सामाजिक कार्य सराहनीय है और अन्य संस्थानों व उद्योगों को भी ऐसे जनहित कार्यों में आगे आना चाहिए।

शिविर में रोटरी एंड ब्लड बैंक सोसाइटी रिसोर्स सेंटर के डॉ. मुनीष के नेतृत्व में 17 सदस्यीय टीम ने रक्त एकत्रित किया। इस दौरान रक्तदाताओं को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी और परामर्श भी दिया गया।

कम्पनी के प्लांट हेड राजेश शर्मा ने बताया कि जीना उसका जीना है जो औरों को जीवन देता है थीम को ध्यान में रखते हुए रक्तदान शिविर आयोजित किया गया।

उन्होंने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कम्पनी भविष्य में भी ऐसे सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी। कार्यक्रम के दौरान रक्तदाताओं को सम्मानित भी किया गया।

शिविर में राजेश शर्मा, अमित सांगवान, अमरजीत शर्मा, प्रमोद शर्मा, राजीव गंगवार, अभिलाषा यादव, ललिता ठाकुर, एस के दुआ, उज्ज्वल कुमार, मोहन शर्मा, प्रीतम, नरेश, प्रह्लाद, सतीश, संतु, गगन भट्टी, नंदू, दिनेश सिंह, अमित, कृष्णा राम पंडित, शुभम, युद्धबीर, दीपक, भूपिंदर, योगराज, सुरेंदर, भूपेंद्र, योगराज, सुरेंदर, भूपेंद्र बनारसी, सुनील, संतोष, दिनेश, मुकेश, चंद्रेश, रमेश, सुनील सिंह, व दीप सहित कम्पनी के समस्त अधिकारी व समस्त कामगार मौजूद रहे।

अमरजीत शर्मा ने 98वीं बार किया रक्तदान

रक्तदान शिविर में कम्पनी के अमरजीत शर्मा ने 98वीं बार रक्तदान करके सभी के लिए प्रेरणा के स्रोत बने। इसके अतिरिक्त अमित सांगवान ने 50वीं, व गगन भट्टी ने 35वीं बार रक्तदान करके सभी का दिल जीत लिया।

भारत ने दोहराया 2024 वाला कारनामा, पहले जिम्बाब्वे और अब आयरलैंड ने चौंकाया

टी20 विश्व कप 2026 का खिताब अपने नाम करने के करीब साढ़े तीन महीने बाद क्रिकेट के इस सबसे छोटे फॉर्मेट में उतरी भारतीय टीम को पहले ही मैच में करारी शिकस्त झेलनी पड़ी है। मेजबान आयरलैंड ने बड़ा उलटफेर करते हुए लगातार दो बार की विश्व चैंपियन टीम इंडिया को 34 रनों से हरा दिया। बेलफास्ट के मैदान पर मिली इस हार ने क्रिकेट फैंस को हैरान जरूर किया है, लेकिन भारतीय टीम के इतिहास को देखें तो टीम इंडिया ने बिल्कुल 2024 वाला अपना पुराना कारनामा ही दोहराया है। ऐसे में अब यह सवाल उठ रहा है कि चैंपियन बनने के बाद मिलने वाली यह पहली हार क्या टीम के लिए कोई शुभ संकेत है?

पहले जिम्बाब्वे और अब आयरलैंड ने दिया जख्म : यह कोई पहली बार नहीं है जब विश्व विजेता बनने के तुरंत बाद टीम इंडिया को किसी छोटी टीम के खिलाफ अपने पहले ही मैच में हार का मुंह देखना पड़ा हो। ठीक दो साल पहले यानी 2024 में भी रोहित शर्मा की कप्तानी में टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद जब भारतीय टीम नए कप्तान (शुभमन गिल) के साथ जिम्बाब्वे के दौरे पर गई थी, तब भी उसे पहले ही टी20 मैच में 13 रनों से चौंकाने वाली हार मिली थी। हालांकि यह टीम टी20 की नियमित टीम नहीं थी। ठीक वैसा ही इस बार भी हुआ है, जहां 9 मार्च को सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में विश्व कप जीतने के बाद श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में मैदान पर उतरी टीम इंडिया को आयरलैंड ने मात दे दी।

आयरलैंड के खिलाफ इतिहास की पहली हार : यह हार इसलिए भी बड़ी है क्योंकि इंटरनेशनल क्रिकेट के इतिहास में आयरलैंड के खिलाफ भारत की यह अब तक की पहली शिकस्त है। साल 2007 में दोनों टीमों के बीच हुए पहले मुकाबले से लेकर अब तक खेले गए सभी 11 मैचों में भारत का पलड़ा हमेशा भारी रहा था, लेकिन अब आयरलैंड भारत को हराने वाली दुनिया की 11वीं टीम बन गई है।

क्या वाकई यह हार टीम इंडिया के लिए शुभ संकेत है?

अक्सर देखा गया है कि बड़ी खिताबी जीतों और लंबे आराम के बाद टीम इंडिया जब नए कप्तान और नए समीकरणों के साथ मैदान पर उतरती है, तो उसे शुरुआती झटका लगता है। दो साल पहले 2024 में जब शुभमन गिल की कप्तानी में भारत पहला मैच जिम्बाब्वे से हारा था, तो उसने भारतीय टीम का लगातार चला आ रहा 12 मैचों का विजय रथ रोक दिया था। लेकिन उस हार के बाद टीम इंडिया ने जिस तरह से जबरदस्त वापसी की थी, उसने यह साबित किया था कि शुरुआती झटका टीम को उसकी कमियों को सुधारने का मौका देता है। 2028 में होने वाले टी20 विश्व कप के नजरिए से देखें तो ऐसी हार टीम इंडिया के लिए बड़ा सबक साबित हो सकती है। अक्सर बड़े टूर्नामेंट से पहले मिली शुरुआती चुनौतियां टीम की कमजोरियों को उजागर करती हैं। इतिहास गवाह है कि बड़े झटकों के बाद ही भारतीय टीम ने अपनी कमियों को सुधारा है, ऐसे में भविष्य के बड़े टूर्नामेंट्स की तैयारियों के लिहाज से इसे एक शुभ संकेत माना जा सकता है।

लेकिन इस बार चुनौती है और भी ज्यादा गंभीर : भले ही इतिहास खुद को दोहरा रहा हो, लेकिन दो साल पहले और इस बार की हार में कुछ ऐसे फर्क हैं जो टीम इंडिया के लिए चिंता का विषय हैं और इसे बेहद गंभीर बनाते हैं

कम मैचों की सीरीज : साल 2024 में जिम्बाब्वे के खिलाफ 5 मैचों की लंबी सीरीज थी, जहां टीम इंडिया को वापसी का पूरा मौका मिला और उसने सीरीज 4-1 से जीत ली। मगर इस बार आयरलैंड दौरे पर केवल 2 ही मैच होने हैं। ऐसे में भारतीय टीम के सामने सीरीज जीतना तो दूर, अब इसे सिर्फ ड्रॉ कराने की कड़ी चुनौती होगी।

स्टार खिलाड़ियों की मौजूदगी

जिम्बाब्वे के खिलाफ मिली हार के वक्त टीम के सभी सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया गया था और एक बिल्कुल नई टीम मैदान पर थी। लेकिन इस बार आयरलैंड के खिलाफ खेलने उतरी टीम में पर्मानेंट कप्तान के साथ-साथ ज्यादातर वही खिलाड़ी शामिल हैं जो वर्ल्ड चैंपियन टीम का हिस्सा रहे हैं।

बेल्जियम ने न्यूजीलैंड को रौंदकर शान से कटाया नॉकआउट का टिकट, मिस्र और ईरान ने खेला ड्रॉ

बेल्जियम ने शुक्रवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ ग्रुप-जी के मुकाबले 5-1 से जीत हासिल करते हुए फीफा वर्ल्ड कप-2026 के नॉकआउट दौर का टिकट कटा लिया। वहीं इसी ग्रुप में ईरान ने मिस्र के साथ 1-1 से ड्रॉ खेलते हुए किसी तरह अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा है।

बेल्जियम ने अपने ग्रुप में गोल अंतर के आधार पर पहला स्थान हासिल किया। वहीं मिस्र की टीम दूसरे स्थान पर रही। ईरान तीसरे स्थान की सर्वश्रेष्ठ आठ टीमों में रहते हुए अगले दौर में जगह बनाने की रेस में है। हालांकि, इसके लिए उसे दूसरी टीमों के मैचों के परिणाम पर निर्भर रहना होगा।

बेल्जियम ने दिखाया बर्चास्व : बेल्जियम के लिए लीनड्रो ट्रोसार्ड ने दो गोल किए। वहीं केविन डी ब्रूयन ने भी अपना नाम गोलशीट पर लिखवाया। वैंकूवर में खेले गए इस मैच में बेल्जियम की टीम ने न्यूजीलैंड पर शुरू से दबाव बनाकर रखा। वह अधिकतर समय न्यूजीलैंड के घेरे में रही और उसे सफलता भी जल्दी मिल गई। 28वें मिनट में केविन ने कॉर्नर लिया और लीनड्रो ने इस पर गोल कर बेल्जियम को आगे कर दिया। पहले हाफ में यही एक गोल हुआ।

दूसरे हाफ में बरसे गोल : दूसरे हाफ में तो बेल्जियम ने गोलों की बारिश सी कर दी। 50वें मिनट में केविन ने लीनड्रो को एक बेहद शानदार पास दिया। लीनड्रो का पहले प्रयास तो फेल रहा, लेकिन दूसरे प्रयास में उन्होंने गेंद को नेट में डाल दिया। अभी तक मदद करते आ रहे केविन ने 66वें मिनट में अपना नाम गोलशीट पर लिखवा दिया। पेनाल्टी एरिया से उन्होंने बेहतरीन शॉट खेला और बेल्जियम को 3-0 से आगे कर दिया।

न्यूजीलैंड भी इस हाफ में अपना खाता खोलने में सफल रही। उसके लिए इस मैच का इकलौता गोल इलीजाह जस्ट ने किया, लेकिन ये सिर्फ जीत के अंतर को कम करने वाला साबित हुआ। दो मिनट बाद ही रोमेलु लुकाकू ने बेल्जियम के लिए चौथा गोल दागा और फिर इंजुरी टाइम में एलेक्सिस सीलमेकर्स ने बेल्जियम के लिए पांचवां गोल किया।

वीएआर ने किया ईरान को निराश : वहीं, इसी ग्रुप के एक अन्य मैच में ईरान बेहद करीब आकर सीधे नॉकआउट दौर में जाने से चूक गया। मिस्र ने इस मैच से हासिल एक अंक के दम पर अगले दौर में जगह बना ली है। सीटल स्टेडियम में खेले गए मैच में मिस्र ने पांचवें मिनट में ही बढ़त ले ली थी। महमूद साबेर के शानदार शॉट का ईरान के गोलकीपर के पास कोई जवाब नहीं था। ईरान के पास तुरंत वापसी का मौका आया, लेकिन मेहदी तारेमी पेनाल्टी पर गोल नहीं कर पाए।

हालांकि, 14 मिनट में रमीन रेजाइयान ने ईरान के लिए गोल करते हुए उसे बराबरी पर ला दिया। पहले हाफ में यही स्कोर रहा। दूसरे हाफ में भी दोनों टीमों ने अपने गोलों की संख्या बढ़ाने की कोशिशी जिसमें दोनों को असफलता ही मिली। हालांकि, अतिरिक्त समय के दूसरे मिनट में शोजा खलीलजेदाह ने इरान के लिए गोल कर दिया था, लेकिन वीएआर में उसे ऑफ साइड करार दे दिया गया जिससे इरान के खिलाड़ी काफी नाखुश दिखे।

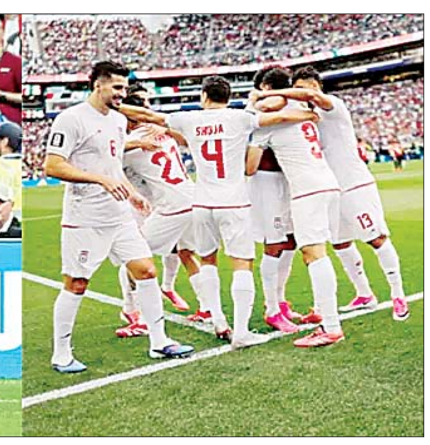

बेन स्टोक्स ने रचा इतिहास, टेस्ट में हासिल किया बड़ा मुकाम; न्यूजीलैंड की पारी 438 रन पर सिमटी

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे और निर्णायक टेस्ट मैच में शानदार गेंदबाजी करते हुए अपने टेस्ट करियर का एक बड़ा मुकाम हासिल कर लिया। स्टोक्स ने चार विकेट झटकते हुए टेस्ट क्रिकेट में 250 विकेट पूरे किए। इसके साथ ही उन्होंने एक खास रिकॉर्ड भी अपने नाम दर्ज कर लिया।

स्टोक्स ने पलटा मैच का रुख

ट्रेंट ब्रिज में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन स्टोक्स ने 21 ओवर में 70 रन देकर चार विकेट लिए। शुक्रवार सुबह उन्होंने महज आठ ओवर में 13 रन देकर तीन विकेट चटकाए और न्यूजीलैंड की मजबूत होती पारी को बिखेर दिया। न्यूजीलैंड ने पहले दिन 361/4 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया था, लेकिन इंग्लैंड के गेंदबाजों ने शानदार वापसी करते हुए पूरी टीम को 438 रन पर समेट दिया। एक समय टीम का स्कोर 361/2 था, लेकिन इसके बाद उसने अपने आखिरी आठ विकेट सिर्फ 77 रन जोड़कर गंवा दिए।

250 विकेट पूरे कर रचा इतिहास

स्टोक्स ने मिचेल सेंटनर को आउट कर अपने टेस्ट करियर का 250वां विकेट हासिल किया। इसके साथ ही वह टेस्ट क्रिकेट में 7000 से अधिक रन और 250 विकेट लेने वाले दुनिया के सिर्फ दूसरे खिलाड़ी बन गए। इस उपलब्धि तक उनसे पहले केवल दक्षिण अफ्रीका के महान ऑलराउंडर जैक्स कैलिस ही पहुंचे थे।

वापसी में दिखाया दम : स्टोक्स की यह शानदार वापसी इसलिए भी खास रही क्योंकि उन्हें दूसरे टेस्ट से अनुशासनहीनता के चलते बाहर कर दिया गया था। पहले टेस्ट में जीत के बाद टीम कर्फ्यू तोड़कर देर रात तक बाहर रहने के कारण स्टोक्स और गस एटकिंसन को दूसरे मुकाबले से बाहर रखा गया था। वापसी करते ही स्टोक्स ने कप्तानी के साथ-साथ गेंदबाजी में भी बेहतरीन प्रदर्शन कर अपनी अहमियत साबित कर दी।

पंजाब यूनिवर्सिटी द्वारा खालसा कॉलेज माहिलपुर को बीएससी (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग) कोर्स की मान्यता

» प्रथम न्यूज । होशियारपुर
27 जून (तरसेम दीवाना)

कांडी क्षेत्र में 1946 से मिशनरी भावना के साथ शिक्षा के क्षेत्र में शानदार योगदान देने वाले श्री गुरु गोबिंद सिंह खालसा कॉलेज माहिलपुर ने विद्यार्थियों को समय के अनुरूप बनाने के लिए हर सत्र से नए-नए कोर्स शुरू किए हैं। इस कड़ी के तहत पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ के अधीन कॉलेज ने नए सत्र 2026-27 से बीएससी (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग) कोर्स की मान्यता हासिल कर ली है।

इस संबंध में खुशी जाहिर करते हुए कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. परविंदर सिंह ने बताया कि पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ की विशेषज्ञ टीम द्वारा खालसा कॉलेज माहिलपुर के प्रशासनिक ढांचे, प्रयोगशालाओं, खेल के मैदानों, प्रशासनिक व्यवस्था, स्टाफ और पुस्तकालय सहित समग्र शैक्षणिक ढांचे की जांच करने के उपरांत कॉलेज को बीएससी (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग) कोर्स की मान्यता दी गई है, जो कि क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए रोजगार केंद्रित और भविष्योन्मुखी संभावनाएं वाला कोर्स सिद्ध होगा। उन्होंने बताया कि किसी भी स्ट्रीम में बारहवीं की परीक्षा पास कर चुके विद्यार्थी बीएससी (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग) के कोर्स में दाखिला लेने के योग्य हैं। उन्होंने कहा कि उक्त कोर्स में दाखिला चाहने वाले विद्यार्थी कॉलेज में चल रहे दाखिला और काउंसलिंग सेल में आकर अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोर्स की सीटें सीमित हैं, इसलिए विद्यार्थियों से अपील की जाती है कि वे अपना दाखिला तुरंत सुनिश्चित करने के लिए संपर्क करें। उन्होंने बताया कि इस कोर्स की समाप्ति के उपरांत विद्यार्थी ई-कॉमर्स, बैंकिंग, तकनीकी क्षेत्र, स्वास्थ्य सेवाओं, एआई डेवलपर, डेटा साइंटिस्ट, मशीन लर्निंग इंजीनियर और अन्य अनेक क्षेत्रों में रोजगार हासिल कर सकते हैं।

संत कबीर कॉलेज ने नैनी केयर कोर्स में 100% परिणाम हासिल किया

जीरा, 26 जून (अंग्रेज बराड़) - संत कबीर कॉलेज जीरा के छात्रों ने जगत गुरु नानक देव ओपन यूनिवर्सिटी के नैनी केयर कोर्स की परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। कॉलेज के छात्रों की इस उपलब्धि से संस्थान में खुशी की लहर दौड़ गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रंजीत कौर, सुखमंदीप कौर और गुरविंदर कौर ने 100 प्रतिशत अंक प्राप्त करके कॉलेज का नाम रोशन किया है। कॉलेज प्रबंधन ने छात्रों की इस सफलता को उनकी कड़ी मेहनत, लगन और अनुशासन का परिणाम बताया है। इस अवसर पर महाविद्यालय के अध्यक्ष श्री गुरचरण सिंह, प्रधानाध्यापिका डॉ. वीरपाल कौर, निदेशक श्री सुखदेव सिंह और समन्वयक प्रो. सुरेखा ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह परिणाम विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों की समर्पित सेवा और अभिभावकों के सहयोग का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय भविष्य में भी विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय शिक्षा और कौशल प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा।

इसी बीच, कॉलेज के सभी स्टाफ सदस्यों, श्री स्वर्ण सिंह, हरमनदीप सिंह, परमिंदर सिंह, गुरप्रीत सिंह, रमनदीप कौर, सिमरनजीत कौर, जसप्रीत कौर, पलकप्रीत कौर, रोमनप्रीत कौर और राजविंदर कौर ने भी छात्रों की इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बेटी को परीक्षा से वंचित करने पर निजी स्कूल की मान्यता रद्द करने के निर्देश, कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने दिखाई सख्ती

» प्रथम न्यूज । कैथल,
27 जून (कृष्ण गर्ग)

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक में एक निजी स्कूल द्वारा फीस न जमा होने के कारण छात्रा को परीक्षा से वंचित किए जाने के मामले को गंभीरता से लेते हुए स्कूल की मान्यता रद्द करने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी बेटी की शिक्षा में आर्थिक कारणों से बाधा डालना सरकार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। आरकेएसडी कॉलेज सभागार में आयोजित बैठक में मंत्री ने कुल 12 शिकायतों की सुनवाई की। इनमें से छह मामलों का मौके पर निपटारा किया गया, जबकि शेष छह मामलों को अगली बैठक तक लंबित रखा गया। तीन मामलों में निष्पक्ष जांच के लिए समितियों का गठन भी किया गया। बैठक के दौरान गांव गुलियाणा की विधवा पूनम देवी ने शिकायत दी कि फीस बकाया होने के कारण काकौत के एक निजी स्कूल ने उनकी बेटी को पांचवीं कक्षा की परीक्षा देने से रोक दिया और स्कूल से निकाल दिया। साथ ही स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र देने के लिए 30 हजार रुपये की बकाया फीस जमा कराने की शर्त रखी गई। शिक्षा विभाग ने बताया कि छात्रा का दूसरे विद्यालय में प्रवेश करा दिया गया है, लेकिन मंत्री ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए संबंधित स्कूल की मान्यता रद्द करने के लिए उच्च अधिकारियों को प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए।

अन्य मामलों में गांव पाई स्थित इंदिरा गांधी ग्रामीण आवास योजना के प्लॉटों पर लगे अवैध ट्यूबवेल कनेक्शन हटाने के लिए बिजली विभाग को एक माह का समय दिया गया। गांव ढांड में सरकारी रास्ते से अतिक्रमण हटाने और सड़क निर्माण की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश भी दिए गए। वहीं, सेक्टर-21 में प्लॉट आवंटन, राशन वितरण में अनियमितता तथा सीवर समस्या से जुड़े मामलों की जांच के लिए अलग-अलग समितियों का गठन किया गया।

मंत्री श्याम सिंह राणा ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जिला कष्ट निवारण समिति का उद्देश्य आम नागरिकों की शिकायतों का त्वरित, निष्पक्ष और पारदर्शी समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि किसी भी विभाग की लापरवाही या जनहित की अनदेखी स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से शिकायतों का निपटारा करने तथा पात्र लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के पहुंचाने के निर्देश दिए गए।

बैठक में जनप्रतिनिधियों, जिला कष्ट निवारण समिति के सदस्यों तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया।

12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर गुरदासपुर में जिला स्तरीय योग समारोह आयोजित

सीएम की योगशाला के तहत गांवों व मोहल्लों में मिल रही हैं मुफ्त योग क्लासें; 350 से अधिक लोगों ने उत्साह से किए आसन

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
27 जून (संदीप सन्नी)

12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पावन अवसर पर जिला प्रशासन गुरदासपुर के सहयोग से आयुष मंत्रालय और डायरेक्टोरेट ऑफ आयुर्वेद, पंजाब द्वारा एक विशाल जिला स्तरीय योग समारोह का आयोजन स्थानीय जिम्नेजियम हॉल में पूरे उत्साह और उमंग के साथ किया गया।

इस जिला स्तरीय योग शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में हल्का गुरदासपुर के प्रभारी रमन बहल शामिल हुए।

उनके साथ कुलदीप चंद सहायक कमिश्नर (जनरल) गुरदासपुर, अशोक कुमार एसडीएम गुरदासपुर, सारंगप्रीत सिंह एसडीएम बटाला और आयुर्वेदिक विभाग की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा ग्रेवाल सहित विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, खिलाड़ी और भारी संख्या में गुरदासपुर के निवासी उपस्थित हुए।

हर गाँव और मोहल्ले तक पहुँच रही है सीएम की योगशाला : बहल

समारोह के दौरान गुरदासपुर वासियों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की बधाई देते हुए हलका प्रभारी बहल ने कहा कि योग केवल शारीरिक कसरत नहीं है, बल्कि यह मानसिक शांति, स्वस्थ और संतुलित जीवन का मार्ग है।

उन्होंने सरकार के प्रयासों को साझा करते हुए बताया : मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार राज्य में स्वास्थ्य क्रांति ला रही है। इसके तहत सीएम की योगशाला अभियान चलाकर हर मोहल्ले और गाँव-गाँव में योग की मुफ्त क्लासें लगाई जा रही हैं। इस कार्य के लिए सरकार द्वारा बाकायदा पेशेवर और विशेषज्ञ योग ट्रेनर भर्ती किए गए हैं। सूबे भर में रोजाना हजारों लोग इन मुफ्त क्लासों का लाभ उठाकर निरोगी हो रहे हैं।

उन्होंने इस सफल और बेहतरीन कार्यक्रम के आयोजन के लिए जिला प्रशासन की विशेष रूप से सराहना की।

प्रकृति और जीवन के बीच संतुलन स्थापित करता है योग : सहायक कमिश्नर

डिप्टी कमिश्नर गुरदासपुर आदित्य उप्पल की अगुवाई में जिले भर में आयोजित हुए योग कार्यक्रमों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए सहायक कमिश्नर (जनरल) कुलदीप चंद ने कहा कि योग हमारी प्राचीन भारतीय संस्कृति और परंपरा से मिला एक अनमोल उपहार है।

उन्होंने युवाओं और नागरिकों को प्रेरित करते हुए कहा : एकजुटता का प्रतीक योग मन और शरीर, संयम और पूर्ति, विचार और कर्म के बीच एक सुंदर तालमेल स्थापित करता है, जो मानव कल्याण के लिए बेहद कीमती है।

समय निकालने की अपील : आज की व्यस्त और तनावभरी जिंदगी में हर व्यक्ति को रोजाना कुछ समय अपने लिए जरूर निकालना चाहिए। दिनचर्या में योग को शामिल कर हम कई गंभीर बीमारियों से बच सकते हैं।

उन्होंने आगे बताया कि यदि किसी भी गाँव या शहर के मोहल्ला निवासी अपने इलाके में सीएम की योगशाला शुरू करवाना चाहते हैं, तो वे सरकार के आधिकारिक नंबर 76694-00500 पर सिर्फ एक मिस्ड कॉल दे सकते हैं, जिसके बाद वहां मुफ्त ट्रेनर की सुविधा प्रदान की जाएगी।

संक्षिप्त न्यूज

रायपुर : नशा मुक्ति केंद्र में युवक की संदिग्ध मौत

रायपुर (ब्यूरो) : राजधानी के गोंदवारा स्थित एक नशा मुक्ति केंद्र में इलाजरत 31 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान धरसीवां निवासी प्रदीप गिरी गोस्वामी के रूप में हुई है। मृतक के परिजनों की सूचना पर खमतराई पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। खमतराई पुलिस के मुताबिक, प्रदीप गिरी लंबे समय से शराब की लत से परेशान था। परिजनों ने नशा छुड़ाने के उद्देश्य से उसे 21 जून को गोंदवारा स्थित नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराया था। शुक्रवार की रात एक बजे उसकी तबियत बिगड़ी।

इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए डॉ. भीमराव अंबेडकर अस्पताल (मेकाहारा) भेज दिया। मृतक के पिता का आरोप है कि प्रदीप के शरीर पर चोट के निशान मिले हैं, जिससे मौत संदिग्ध प्रतीत होती है। उनका कहना है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि किसी की लापरवाही या मारपीट सामने आती है तो दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो।

दलित परिवार की बेटी की बारात चढ़त रोकने का आरोप, पुलिस सुरक्षा में संपन्न हुआ विवाह

आगरा (ब्यूरो): आगरा के फतेहपुर सीकरी क्षेत्र के गांव नूरपुर में दलित परिवार की बेटी की बारात चढ़त के दौरान व्यवधान उत्पन्न होने का मामला सामने आया है। शुक्रवार रात करीब 10 बजे कुछ लोगों पर बारात की चढ़त रोकने का आरोप लगाया गया, जिससे मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। घटना की सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस की मौजूदगी में बारात की चढ़त कराई गई और इसके बाद विवाह से जुड़े सभी मांगलिक कार्यक्रम शांतिपूर्वक संपन्न कराए गए। विवाह के बाद दूल्हा-दुल्हन की सकुशल विदाई भी कराई गई। दुल्हन के भाई राहुल ने आरोप लगाया कि गांव के कुछ लोगों ने मनुवादी सोच के चलते बारात की चढ़त रोककर परिवार की भावनाओं को आहत किया, जिससे विवाह की रस्में कई घंटे देर से पूरी हो सकीं।

वहीं पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और पूरे आयोजन को सुरक्षित तरीके से संपन्न कराया। मामले को लेकर पुलिस का कहना है कि आरोपों की जांच की जा रही है। यदि किसी पक्ष की ओर से लिखित शिकायत (तहरीर) दी जाती है, तो उसके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अथर्व यूनिवर्सिटी ने फिल्म मेकिंग और जर्नलिज्म में इंडस्ट्री-ओरिएंटेड कोर्स की घोषणा की

चंडीगढ़(जगमीत घुम्मन)- अथर्व यूनिवर्सिटी, मुंबई ने कहानीकार बनने के इच्छुक लोगों, फिल्ममेकर्स, पत्रकारों, कंटेंट क्रिएटर्स और मीडिया प्रोफेशनल्स को एकेडमिक ईयर 2026-27 के लिए अपने इंडस्ट्री-ओरिएंटेड कोर्स की घोषणा की है।

कोर्स का प्रोजेक्ट-बेस्ड करिकुलम क्लासरूम लर्निंग और प्रैक्टिकल अनुभव को मिलाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसमें मॉडर्न प्रोडक्शन तकनीक, स्क्रिप्ट राइटिंग, सिनेमैटोग्राफी, एडिटिंग, डिजिटल जर्नलिज्म, न्यूज़ प्रोडक्शन, मीडिया एथिक्स, पॉडकास्टिंग, फ़ोटोग्राफ़ी और मल्टीमीडिया स्टोरीटेलिंग जैसे विषय शामिल हैं।

अथर्व यूनिवर्सिटी के फाउंडर और चांसलर सुनील राणे ने कहा, मीडिया और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री तेज़ी से बदल रही है, जिससे फ़िल्म मेकिंग, डिजिटल कंटेंट क्रिएशन, जर्नलिज्म, ब्रॉडकास्टिंग, ओटीटी प्लेटफॉर्म, एडवर्टाइज़िंग और नए ज़माने के मीडिया में शानदार मौके बन रहे हैं। आज इन क्षेत्रों में सफलता के लिए क्रिएटिविटी, टेक्निकल जानकारी, कहानी कहने की कला और इंडस्ट्री का प्रैक्टिकल अनुभव जरूरी है।

अथर्व यूनिवर्सिटी मुंबई, काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर (सीओए) से मंजूरी प्राप्त 5-साल का बैचलर ऑफ़ आर्किटेक्चर (बी.आर्क) प्रोग्राम भी ऑफर कर रही है। यह इंडस्ट्री के हिसाब से तैयार किया गया, प्रोजेक्ट और रिसर्च पर आधारित करिकुलम ऑफ़र करता है, जो स्टूडेंट्स को आर्किटेक्चर की बदलती दुनिया के लिए तैयार करता है।

जिस बलूच एक्टिविस्ट को पाकिस्तान में मिली उम्र कैद की सजा, वो नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट

» प्रथम न्यूज । क्वेटा
27 जून (एजेंसी)

हाल ही में पाकिस्तानी अदालत ने बलूच एक्टिविस्ट महरंग बलोच को उम्र कैद की सजा सुनाई। पूरी दुनिया में इस ज्यादती के खिलाफ आवाज बुलंद की जा रही है। इस कार्यकर्ता को दूसरी बार प्रतिष्ठित नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया गया है।

मानवाधिकार संगठन बलूच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) ने इसकी घोषणा की। यह घोषणा शुक्रवार देर रात ऐसे समय में की गई, जब कुछ ही दिन पहले पाकिस्तान की एक आतंकवाद निरोधी अदालत ने फ्रंटियर कॉर्प्स के एक अधिकारी की हत्या से जुड़े मामले में महरंग बलोच सहित चार कार्यकर्ताओं को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इस फैसले की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक आलोचना हुई थी।

बीवाईसी ने एक बयान में कहा, यह नामांकन जनवरी 2026 में हुआ था, लेकिन संगठन की नीति के तहत इसे उस समय सार्वजनिक नहीं किया गया। आज इस तथ्य को सार्वजनिक करना इसलिए आवश्यक है, क्योंकि जिस व्यक्ति को पाकिस्तान सरकार ने आतंकवाद के झूठे और निराधार आरोपों के जरिए दंडित करने की कोशिश की, उसी व्यक्ति को दुनिया अब शांति, न्याय और मानवाधिकारों के संघर्ष के प्रतीक के रूप में पहचान रही है।

संगठन ने कहा कि महरंग बलोच का दूसरी बार नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित होना इस बात का प्रमाण है कि बीवाईसी का संघर्ष पूरी तरह शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक और मानवाधिकारों के सिद्धांतों पर आधारित है। वहीं, संगठन के नेताओं के खिलाफ राज्य की कार्रवाई राजनीतिक प्रतिशोध और दमन को दर्शाती है। बीवाईसी ने आरोप लगाया कि बलूचिस्तान में जबरन गुमशुदगी, न्यायेतर हत्याओं और सैन्य अभियानों के खिलाफ आवाज उठाने वाले कई बलूच नेताओं के खिलाफ मनगढ़ंत एफआईआर, बेबुनियाद आरोप और अपारदर्शी न्यायिक प्रक्रिया के तहत मुकदमे चलाए जा रहे हैं। संगठन का दावा है कि महरंग बलोच और अन्य नेताओं की गिरफ्तारी के बाद बलूचिस्तान में जबरन गुमशुदगी, न्यायेतर हत्याओं और सैन्य अभियानों में और तेजी आई है, जिसका असर आम बलूच नागरिकों के जीवन पर पड़ रहा है। बीवाईसी ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय, मानवाधिकार संगठनों और लोकतांत्रिक ताकतों से बलूचिस्तान की स्थिति पर प्रभावी आवाज उठाने तथा महरंग बलोच सहित अन्य बलूच नेताओं के मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

वहीं, एक अन्य मानवाधिकार संगठन बलूच वॉयस फॉर जस्टिस (बीवीजे) ने कहा कि महरंग बलोच का दूसरी बार नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। बीवीजे ने कहा, जब पाकिस्तान सरकार राजनीतिक रूप से प्रेरित मुकदमों के जरिए उन्हें आजीवन कारावास की सजा दे रही है, तब अंतरराष्ट्रीय समुदाय उनके मानवाधिकारों और न्याय के प्रति शांतिपूर्ण समर्पण को मान्यता दे रहा है। संगठन ने कहा कि यह नामांकन बलूचिस्तान की मानवाधिकार स्थिति पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक सक्रिय हस्तक्षेप को प्रोत्साहित करना चाहिए। साथ ही मानवाधिकार रक्षकों की सुरक्षा, शांतिपूर्ण गतिविधियों के कारण जेल में बंद लोगों की रिहाई और दंडमुक्ति की संस्कृति को समाप्त करने के लिए ठोस कदम उठाए जाने चाहिए।

भारतीय महिला हॉकी टीम की ड्रैग फ्लिकर्स ने स्पेशलाइज्ड कैंप को दिया सफलता का श्रेय

चंडीगढ़ (जगमीत घुम्मन)- एफआईएच हॉकी वीमेंस नेशंस कप न्यूजीलैंड 2025-26 में शानदार जीत के बाद भारतीय महिला हॉकी टीम की ड्रैग फ्लिकिंग यूनिट ने स्पेशलाइज्ड कैंप को इस सफलता का श्रेय दिया है। टूर्नामेंट से पहले भारतीय खिलाड़ियों ने डच लीजेंड टेक टेकेमा के नेतृत्व में आयोजित ट्रेनिंग कैंप में हिस्सा लिया था। खिलाड़ियों का कहना है कि इस कैंप से पूरे टूर्नामेंट के दौरान पेनल्टी कार्नर के मामले में प्रदर्शन सुधारने में मदद मिली। टेकेमा को विश्व हॉकी के इतिहास में सबसे शानदार ड्रैग फ्लिकर्स में से माना जाता है। मई में ऑस्ट्रेलिया में प्रिपरेटरी टूर पर गई भारतीय टीम को टेकेमा का साथ मिला था। उसके बाद से न्यूजीलैंड नेशंस कप के पहले तक टीम के ड्रैग फ्लिकर्स को चीफ कोच जोएर्ड मैरिने के साथ-साथ टेकेमा के नेतृत्व में सीखने का मौका मिला।

कोका-कोला इंडिया फाउंडेशन आनंदना के समर्थन से आयोजित किए गए इस कैंप में पेनाल्टी कॉर्नर एग्जीक्यूशन, टेक्निक रिफाइन करने और खेल को लेकर सजगता बढ़ाने पर फोकस किया गया। टीम की ड्रैग फ्लिकर्स दीपिकाए ललतांतलुआंगी और अन्नू ने टेकेमा के मार्गदर्शन में विशेष सत्रों में हिस्सा लिया। कोका-कोला इंडिया एंड साउथ वेस्ट एशिया की वाइस प्रेसिडेंट, पब्लिक अफेयर्स, कम्युनिकेशन एंड सस्टेनेबिलिटी देवयानी राणा ने नेशंस कप जीतने पर टीम को बधाई दी और इस साझेदारी को लेकर फाउंडेशन की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा, हम एफआईएच हॉकी विमेंस नेशंस कप में शानदार जीत के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम को बधाई देते हैं। पूरे टूर्नामेंट में टीम ने अपने खेल से शानदार कौशल, टीमवर्क और दृढ़ता का प्रदर्शन किया।

रक्षक ही बना भक्षक, पत्नी और 2 बच्चों को उतारा मौत के घाट, फिर खुद ट्रेन के आगे कूदकर की आत्महत्या

» प्रथम न्यूज । मुरैना
27 जून (ब्यूरो)

मुरैना के माताबसैया थाना क्षेत्र में एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत से गांव में मातम पसरा हुआ है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार 32 वर्षीय बलराम ने कथित तौर पर अपनी 28 वर्षीय पत्नी रविता, 10 वर्षीय बेटे आरव और सात वर्षीय बेटे अतुल की हत्या कर दी। इसके बाद उसने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली।

घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद माताबसैया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने चारों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पति-पत्नी के बीच लंबे समय से पारिवारिक विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि रविता कुछ समय से अपने मायके में रह रही थीं और दो दिन पहले ही वापस ससुराल लौटी थीं। इसके बाद परिवार में क्या हुआ यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है, वहीं घटनास्थल से साक्ष्य भी जुटाए जा रहे हैं। जांच पूरी होने के बाद ही पूरे घटनाक्रम का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौतों के कारणों और घटनाक्रम की आधिकारिक पुष्टि की जा सकेगी। इस घटना ने एक बार फिर पारिवारिक विवादों के गंभीर परिणामों को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

कोटरा में डंपर की टक्कर से बाइक सवार तीन युवकों की मौत, मुहर्रम से लौटते वक्त हुआ दर्दनाक हादसा

» प्रथम न्यूज । उरई
27 जून (ब्यूरो)

उरई जिले के कोटरा कस्बे में शुक्रवार की देर रात एक भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार तीन युवकों की मौत हो गई। यह हादसा कोटरा थाना क्षेत्र के एट-कोटरा मार्ग पर हुआ, जब तेज रफ्तार मौरंग से भरे डंपर ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

जानकारी के अनुसार, कोटरा कस्बे के मोहल्ला गणेशजी निवासी बरकत (22), सोराब खान (23) और मोहल्ला तालपुरा निवासी अरबाज शाह (20) बृहस्पतिवार रात एट में आयोजित मुहर्रम के ताजिया और जुलूस देखकर लौट रहे थे। तीनों एक ही बाइक पर सवार थे।

रात करीब दो बजे जब वे कोटरा की ओर आ रहे थे, तभी एट-कोटरा मार्ग पर तेज रफ्तार डंपर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और तीनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे में बरकत और सोराब खान की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल अरबाज शाह को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

प्राथमिक उपचार के बाद उसे झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर ग्वालियर रेफर किया गया। बाद में इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। मृतकों में बरकत और सोराब खान फुफेरे भाई थे, जबकि अरबाज उनके साथ ही रहता था। अरबाज बाइक मैकेनिक था, सोराब भी इसी पेशे से जुड़ा था, जबकि बरकत ट्रक चालक था और परिवार की जिम्मेदारियों का सहारा बना हुआ था। हादसे की खबर मिलते ही तीनों परिवारों में कोहराम मच गया।

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे कोटरा कस्बे में शोक का माहौल है। एक साथ तीन युवकों की मौत से इलाके में मातमी सन्नाटा पसर गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने डंपर को कब्जे में ले लिया है और चालक की तलाश जारी है।

भारत आएंगे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो ने किया बड़ा ऐलान

» प्रथम न्यूज । वॉशिंगटन
27 जून (एजेंसी)

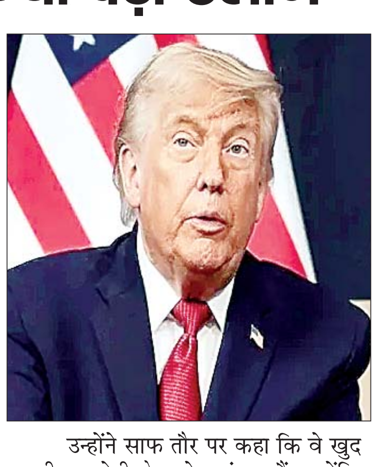

भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक और व्यापारिक रिश्ते एक नए सुनहरे दौर में प्रवेश करने जा रहे हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप अगले साल की शुरुआत में भारत का दौरा करेंगे। रुबियो ने साफ किया कि वह खुद इस ऐतिहासिक वीवीआईपी दौरे की तैयारियों को अंतिम रूप देने और दोनों देशों के बीच बहुप्रतीक्षित ट्रेड डील (व्यापार समझौते) को जल्द से जल्द फाइनल करने के लिए भारत आ रहे हैं।

इस दौरे को लेकर रुबियो ने कहा कि पीएम मोदी और राष्टपति ट्रंप के बीच के करीबी निजी रिश्ते दोनों देशों के मजबूत संबंधों की सबसे बड़ी बुनियाद हैं। दोनों नेता एक जैसा सोचते हैं।

उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वे खुद पीएम मोदी के बड़े प्रशंसक हैं, क्योंकि उनके नेतृत्व में भारत एक ग्लोबल पावर (वैश्विक ताकत) बनकर उभरा है। दोनों देशों के बीच की यह साझेदारी आने वाले समय में असीमित संभावनाओं को छूने वाली है।

भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस 'उदयगिरी', 'कवरत्ती' और 'शक्ति' थाईलैंड पहुंचे, समुद्री सहयोग होगा मजबूत

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
27 जून (ब्यूरो)

भारतीय नौसेना के ऑपरेशनल डिप्लॉयमेंट के तहत, ईस्टर्न फ्लीट के भारतीय नौसेना जहाज 'उदयगिरी', 'कवरत्ती' और 'शक्ति' थाईलैंड के सत्ताहिप पहुंचे।

ईस्टर्न फ्लीट के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग, रियर एडमिरल आलोक आनंद की अगुवाई में पहुंचे इन जहाजों का स्वागत रॉयल थाई नेवी ने किया। यह पोर्ट कॉल दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ भारत के लगातार समुद्री जुड़ाव का हिस्सा है और भारत और थाईलैंड के बीच करीबी और लंबे समय से चली आ रही समुद्री साझेदारी को दर्शाता है।

इस यात्रा में प्रोफेशनल एक्सचेंज, क्रॉस-डेक विजिट, ऑपरेशनल बातचीत, खेल-कूद और कम्युनिटी आउटरीच जैसी गतिविधियां शामिल होंगी, जिनका मकसद नौसेनाओं के बीच सहयोग और इंटरऑपरेबिलिटी को मजबूत करना है। इस पोर्ट कॉल का मकसद भारत और थाईलैंड के बीच आपसी भाईचारे, सहयोग और द्विपक्षीय समुद्री संबंधों को और मजबूत करना है। साथ ही, यह भारतीय नौसेना के जहाजों के स्वदेशी डिजाइन, मॉड्यूलर निर्माण और अत्याधुनिक तकनीक को भी प्रदर्शित करता है, जिससे रक्षा तकनीक के क्षेत्र में एक भरोसेमंद साझेदार के तौर पर भारत की बढ़ती साख उजागर होती है। इसके पहले भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस कवरत्ती ने वियतनाम की अपनी तीन दिवसीय यात्रा सफलतापूर्वक पूरी की थी। 22 से 24 जून 2026 तक भारतीय युद्धपोत वियतनाम के हो ची मिन्ह सिटी में मौजूद रहे। इस महत्वपूर्ण पोर्ट कॉल ने भारत और वियतनाम के बीच समुद्री सहयोग, रणनीतिक साझेदारी तथा रक्षा संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करने में अहम भूमिका निभाई। पोर्ट कॉल के दौरान भारतीय नौसेना और वियतनाम पीपुल्स नेवी के जवानों ने विभिन्न पेशेवर गतिविधियों, सामरिक चर्चाओं और द्विपक्षीय अभ्यासों में भाग लिया। इन गतिविधियों के माध्यम से दोनों नौसेनाओं को अपने ऑपरेशनल अनुभव शेयर करने का अवसर मिला। दोनों देशों के नौसैनिकों ने एक-दूसरे की कार्यप्रणालियों को समझने का प्रयास किया। इसके साथ ही समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करने का प्रयास किया गया।

पूर्वी बेड़े के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग रियर एडमिरल आलोक आनंद के नेतृत्व में भारतीय नौसैनिक दल का वियतनाम पहुंचा था। वियतनाम पहुंचने पर भारतीय दल का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। यात्रा के दौरान भारतीय और वियतनाम की नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच कई महत्वपूर्ण बैठकें हुई। इस दौरान दोनों नौसेनाओं के बीच पेशेवर संवाद आयोजित किए गए। इनमें समुद्री सुरक्षा, क्षेत्रीय स्थिरता, नौसैनिक सहयोग तथा साझा रणनीतिक हितों पर व्यापक चर्चा हुई।

केतन मर्डर केस के क्रिकेट से जुड़े तार, सिया के भाई साहिल का करीबी है चेतन; एक ही टीम के लिए खेलते थे दोनों

» प्रथम न्यूज । पुणे
27 जून (ब्यूरो)

महाराष्ट्र के पुणे के किले में हुए सनसनीखेज मर्डर केस की जांच में अब क्रिकेट का एंगल भी सामने आया है। जांच में सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन चौधरी के रिश्तों की गहराई से पड़ताल की जा रही है।

सिया पर आरोप है कि उन्होंने चौधरी के साथ मिलकर रची गई एक साजिश के तहत 18 जून को लोहागढ़ किले की एक चट्टान से अपने मंगेतर केतन अग्रवाल को धक्का देकर उनकी जान ले ली।

चेतन को पहले से जानता था साहिल

सिया के भाई साहिल गोयल से कल 10 घंटे से ज्यादा समय तक पूछताछ की गई। उसने बताया है कि उन्हें चौधरी के बारे में पता था जबकि उसके माता-पिता ने पहले कहा था कि उन्हें उसके बारे में कोई जानकारी नहीं थी।

ऐसे करीब आए सिया और चेतन

साहिल गोयल ने पुलिस को बताया कि सिया उसके क्रिकेट मैच देखने जाती थीं और वहीं पहली बार चेतन से मुलाकात हुई थी। पुलिस के मुताबिक, बाद में पिछले साल एक कॉमन दोस्त की दिवाली पार्टी में वे फिर मिले, जिसके बाद वे एक-दूसरे के करीब आ गए।

सूत्रों के अनुसार, दोनों के बीच कॉल डिटेल रिकॉर्ड से पता चलता है कि जनवरी से अब तक उनके बीच 2,000 से ज्यादा बार फोन पर बातचीत हुई है और इन कॉल्स की कुल अवधि लगभग 238 घंटे होने का अनुमान है।

सिया के परिवार का क्या कहना है?

साहिल गोयल ने पुलिस को यह भी बताया कि अगर उनकी बहन की मर्जी नहीं होती तो उनका परिवार शादी रद कर देता। उसकी मां पूजा गोयल ने कहा था कि उनकी बेटी ने कभी कोई नाराजगी नहीं जताई और उन्होंने चौधरी को कभी देखा या उनसे बात नहीं की थी। हालांकि, सिया गोयल के वकील ने कहा कि वह और चेतन चौधरी दोस्त थे। एक अधिकारी ने कहा, साहिल चेतन चौधरी को जानता था और हमने उससे कुछ बातों की पुष्टि की। पुलिस चेतन की मौत की जांच के सिलसिले में सिया गोयल के दूसरे रिश्तेदारों के बयान दर्ज करने की भी तैयारी कर रही है।

रिकवर की जा रही डिलीट चैट

जांच में पता चला है कि दोनों आरोपियों सिया गोयल और चेतन चौधरी ने अपने मोबाइल फोन से अपनी वॉट्सऐप चैट, इंस्टाग्राम बातचीत और अन्य डिजिटल रिकॉर्ड डिलीट कर दिए थे। उनकी बातचीत का पूरा रिकॉर्ड वापस पाने के लिए अब डिलीट किए गए डेटा का फोरेंसिक एनालिसिस किया जा रहा है। जांच में यह भी पता चला है कि अग्रवाल की कथित हत्या से एक दिन पहले 17 जून को गोयल और चौधरी पुणे के लुल्ला नगर में एक कैफे में लगभग एक घंटे तक मिले थे। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि क्या उन्होंने इस बैठक के दौरान हत्या की योजना बनाई थी या इससे जुड़ी कोई और बातचीत की थी। लोनावला डिवीजन के डीएसपी गजानन टोनप ने कहा, केतन की कथित हत्या के मामले में सिया और चेतन दोनों की भूमिकाएं स्थापित होई हैं।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
क्षेत्रीय समाचार
Website : www.prathamnews.in

कॉन्क्लेव क्योंकर ने नशामुक्ति और पुनर्वास को दिया नया आयाम, नशामुक्ति योद्धाओं और उनके परिवारों का हुआ सम्मान

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
27 जून (बी. शर्मा)

नशामुक्ति, पुनर्वास और समाज में पुनर्समावेशन को बढ़ावा देने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए कॉन्क्लेव क्योंकर का सफल आयोजन किया गया। इस कॉन्क्लेव की परिकल्पना और संचालन डॉ. (सुश्री) कमल एस. सक्सेना, मेंटर, कॉज़्कनेक्ट ग्लोबल द्वारा किया गया।

इस अनूठे आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि पहली बार नशामुक्ति, पुनर्वास और नशामुक्ति योद्धाओं के बीवी सामाजिक पुनर्समावेशन जैसे महत्वपूर्ण विषय पर विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ, नीति-निर्माता, समाजसेवी और नशामुक्ति योद्धा एक ही मंच पर एकत्र हुए।

कॉन्क्लेव में पुनर्वास विशेषज्ञ, कानून प्रवर्तन अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, फिल्म निर्माता, विश्व युवा केंद्र के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, लायंस इंटरनेशनल के सदस्य, शोधकर्ता, शिक्षाविद, अटल बिहारी वाजपेयी आयुर्विज्ञान संस्थान एवं डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल के मनोचिकित्सा विभाग के प्रमुख, अधिवक्ता, प्रशासनिक अधिकारी, वरिष्ठ नागरिक, सड़क पर रहने वाले बच्चों के साथ कार्य करने वाले मीडिया कार्यकर्ता, आध्यात्मिक गुरु तथा बड़ी संख्या में नशामुक्ति योद्धाओं ने भाग लेकर अपने अनुभव और विचार साझा किए।

कार्यक्रम का सबसे भावुक और प्रेरणादायक क्षण नशामुक्ति योद्धाओं का सम्मान समारोह रहा। पहली बार उनके परिवारजनों को भी उनके धैर्य, सहयोग और सफल पुनर्वास यात्रा में निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका के लिए सम्मानित किया गया। इस पहल ने यह संदेश दिया कि नशे से मुक्ति की लड़ाई केवल व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज की साझा जिम्मेदारी है।

इस अवसर पर सवेरा का भी पहली बार प्रदर्शन किया गया। यह एक श्रव्य-दृश्य शिक्षण सामग्री है, जिसकी परिकल्पना और निर्माण डॉ. कमल एस. सक्सेना ने किया है। इसे देशभर के पुनर्वास केंद्रों में एक प्रभावी शिक्षण सामग्री के रूप में उपयोग किया जाएगा, ताकि नशामुक्ति और पुनर्वास की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। कार्यक्रम का एक अन्य प्रमुख आकर्षण कर मैदान फ़तेह प्रेरक गीत का प्रथम सार्वजनिक प्रस्तुतीकरण रहा। डॉ. कमल एस. सक्सेना द्वारा लिखे गए इस प्रेरणादायक गीत ने उपस्थित लोगों में साहस, आत्मविश्वास, संकल्प और नशे पर विजय का संदेश जगाया।

प्रतिभागियों ने कहा कि उन्होंने पहले कभी ऐसा मंच नहीं देखा, जहां समाज के इतने विविध क्षेत्रों से जुड़े लोग एक ही उद्देश्य नशामुक्ति, पुनर्वास और समाज में पुनर्समावेशन के लिए एक साथ आए हों। उन्होंने इस पहल को समय की आवश्यकता बताते हुए इसे राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाने की जरूरत पर बल दिया।

कॉन्क्लेव के दौरान सार्थक संवाद, अनुभवों के आदान-प्रदान और सहयोग की नई संभावनाओं पर चर्चा हुई। साथ ही सभी प्रतिभागियों ने नशा मुक्त भारत, खुशहाल भारत के साझा संकल्प को मजबूत करने का आह्वान किया।

कॉन्क्लेव क्योंकर केवल एक सम्मेलन नहीं, बल्कि एक ऐसे जनआंदोलन की शुरुआत है, जिसका उद्देश्य नशामुक्ति योद्धाओं को सम्मान, समाज में स्वीकार्यता और एक नई सकारात्मक पहचान दिलाना है। यह पहल नशामुक्ति और पुनर्वास के क्षेत्र में सामाजिक सोच बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

30 जून को मुख्यमंत्री के नाम सौंपेंगे ज्ञापन, ग्रामीण श्रमिक सभा ने कार्यकर्ताओं से शामिल होने की अपील

» प्रथम न्यूज । जालंधर
27 जून (कुलदीप सिंह)

जालंधर स्थित राज्य कार्यालय के अमरिक सिंह दाऊद की अध्यक्षता में ग्रामीण श्रमिक सभा की राज्य कार्यकारिणी की बैठक हुई।

बैठक के निर्णयों की जानकारी प्रेस को देते हुए राज्य महासचिव गुरनाम सिंह दाऊद और प्रेस सचिव बलदेव सिंह नूरपुरी ने बताया कि ग्रामीण एवं कृषि श्रमिक संगठनों के संयुक्त मोर्चे द्वारा दिए गए आह्वान को गंभीरता से लागू किया गया है और पंजाब भर की सभी जिला/तहसील समितियों से इसमें शामिल होने की अपील की गई है। इन ज्ञापनों के माध्यम से पंजाब सरकार को याद दिलाया जाएगा कि सरकार के गठन के समय से ही, श्रमिकों के स्थायी रोजगार के लिए, एमएनआरईजीए के तहत पूरे वर्ष के काम के लिए और न्यूनतम दैनिक मजदूरी 700/- रुपये के लिए, एक विकसित भारत के लिए जी राम जी कानून को निरस्त करने के लिए, चुनावी वादों को पूरा करने और विधवाओं को बकाया सहित 1000/1500 रुपये बिना शर्त देने के लिए, वृद्धावस्था और विकलांग पेंशन के रूप में 5000/- रुपये देने के लिए, सरकारी, गैर-सरकारी, सहकारी और सूक्ष्म वित्त कंपनियों के उन ऋणों को माफ करने के लिए जिन्होंने श्रमिकों की जान ले ली है, केंद्र सरकार द्वारा श्रम कानूनों के स्थान पर बनाए गए चार श्रम संहिताओं को निरस्त करने के लिए, भूमि सुधार कानून को लागू करने के लिए, अधिशेष भूमि को भूमिहीन श्रमिकों और भूमिहीन किसानों के बीच वितरित करने के लिए, पंचायत भूमि का एक तिहाई हिस्सा श्रमिकों को देने के लिए? और श्रमिक लगातार बुनियादी और वैध मांगों जैसे कि 1000 रुपये का अनुदान प्रदान करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। जरूरतमंद परिवारों को आवासीय भूखंड और घर बनाने के लिए 5 लाख रुपये दिए जाने हैं, लेकिन बदलाव के नारे लगाने वाली सरकार श्रमिकों की मांगों को लगातार नजरअंदाज कर रही है।

उपर्युक्त जायज़ और न्यायसंगत मांगों के लिए संघर्ष को और तेज़ किया जाएगा। इस अवसर पर कॉमरेड शमशेर सिंह बटाला, परमजीत रंधावा, गुरनाम सिंह भिंडर और जगजीत सिंह जस्सियाना उपस्थित थे।

अवैध शराब तस्करी पर गुरदासपुर पुलिस का शिकंजा : 13 पेटी ठेका शराब और 6,750 ML अवैध शराब समेत 2 आरोपी गिरफ्तार

गुरदासपुर (संदीप सन्नी) : गुरदासपुर पुलिस ने दो अलग-अलग थानों के अंतर्गत 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में अवैध व ठेका शराब बरामद करने में सफलता हासिल की है।

1. थाना पुराना शाला : 13 पेटी ठेका शराब बरामद : थाना पुराना शाला की पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए राजेश कुमार नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 13 पेटी ठेका शराब बरामद की गई। आरोपी के खिलाफ थाना पुराना शाला में आबकारी एक्ट की धारा 61/78(2)-1-14 के तहत मुकदमा दर्ज कर रजिस्टर कर लिया गया है।

2. थाना सदर गुरदासपुर : 6,750 रूरू अवैध शराब बरामद : इसी तरह एक अन्य कार्रवाई में थाना सदर की पुलिस टीम ने जसकरण सिंह नाम के आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस द्वारा आरोपी जसकरण सिंह के पास से 6,750 रूरू अवैध शराब बरामद की गई है।

इस संबंध में आरोपी के खिलाफ थाना सदर गुरदासपुर में धारा 61-1-14 आबकारी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर अगली कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

डोनी बल्ल गैंग का मुख्य सहयोगी समेत दो हथियार तस्कर गिरफ्तार, अवैध हथियार बरामद

» प्रथम न्यूज । जालंधर
27 जून (शैली अल्बर्ट)

जालंधर ग्रामीण पुलिस के सीआईए स्टाफ ने हथियार तस्करों और गैंगस्टर नेटवर्क के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए डोनी बल्ल गैंग के मुख्य सहयोगी सुखजिंदर सिंह उर्फ बिट्टू तथा एक अन्य हथियार तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कई अवैध हथियार, मैगजीन और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

एसएसपी हरविंदर सिंह विर्क ने बताया कि सुखजिंदर सिंह उर्फ बिट्टू विदेश में बैठे गैंगस्टर डोनी बल्ल का करीबी सहयोगी और गैंग का सक्रिय सदस्य है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लंबे समय से प्रयासरत थी। गुप्त सूचना मिलने के बाद सीआईए स्टाफ ने नकोदर-मेहतपुर रोड स्थित घूमण पैलेस के निकट नाकाबंदी कर उसे कार सहित गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक 30 बोर पिस्तौल, तीन मैगजीन, नौ जिंदा कारतूस तथा एक 12 बोर पंप एक्शन गन बरामद की गई। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी वर्ष 2017 में अमृतसर जेल में डोनी बल्ल के संपर्क में आया था और बाद में गैंग की गतिविधियों में सक्रिय हो गया। पुलिस के अनुसार उसके पास से पूर्व में बरामद विदेशी ग्लॉक पिस्तौल भी डोनी बल्ल द्वारा ही उपलब्ध करवाई गई थी। अधिकारियों का मानना है कि आरोपी की गिरफ्तारी से संभावित गैंगवार और अन्य गंभीर अपराधों को रोकने में मदद मिली है। एक अन्य कार्रवाई में सीआईए स्टाफ ने आदमपुर क्षेत्र में नाकाबंदी के दौरान मनीष उर्फ जस्सा को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से एक 32 बोर पिस्तौल, मैगजीन और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। दोनों आरोपियों के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मामले दर्ज कर लिए गए हैं। पुलिस रिमांड के दौरान हथियारों की सप्लाई चेन, सहयोगियों और अवैध गतिविधियों से अर्जित संपत्तियों की जांच की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार पूछताछ में कई महत्वपूर्ण खुलासे होने की संभावना है।

मेरा निर्वाचन क्षेत्र, मेरा परिवारफ़ अभियान के तहत भुंबली में हुई बड़ी बैठक, मिशन 2027 की रणनीति पर चर्चा

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
27 जून (ब्यूरो)

आम आदमी पार्टी (AAP) के मेरा निर्वाचन क्षेत्र, मेरा परिवार ङ्क मिशन 2027 अभियान के तहत गुरदासपुर विधानसभा क्षेत्र के गांव भुंबली में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का नेतृत्व गुरदासपुर निर्वाचन क्षेत्र के वरिष्ठ नेता एवं पंजाब सरकार के PSIDC के निदेशक कश्मीर सिंह वाहला ने किया।

बैठक में क्षेत्र के बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं, समर्थकों और स्थानीय निवासियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान मिशन 2027 को लेकर संगठनात्मक रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। कश्मीर सिंह वाहला ने उपस्थित साथियों के विचार सुने और क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों तथा जनसमस्याओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि पार्टी का उद्देश्य जनता के साथ निरंतर संवाद बनाए रखना और उनकी अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करना है।

वाहला ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्हें पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ जनता के बीच काम करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की ताकत उसके जमीनी कार्यकर्ता हैं और मिशन 2027 की सफलता के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता की सक्रिय भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से लोगों के बीच जाकर सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों और उपलब्धियों को पहुंचाने का आह्वान किया।

बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, जनसंपर्क अभियान को तेज करने और क्षेत्र के विकास से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर उठाने पर भी जोर दिया गया। उपस्थित साथियों ने पार्टी नेतृत्व के प्रति विश्वास जताते हुए आगामी चुनावी तैयारियों में पूरी सक्रियता के साथ भागीदारी निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन मिशन 2027 को सफल बनाने और गुरदासपुर क्षेत्र में संगठन को और अधिक मजबूत करने के संकल्प के साथ हुआ।

महाराजा रणजीत सिंह के बलिदान दिवस पर भाजपा ने लगाई छबील, उनके आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प : राकेश राठौर

» प्रथम न्यूज । जालंधर
27 जून (शैली अल्बर्ट)

महाराजा रणजीत सिंह जी के बलिदान दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा केंद्रीय विधानसभा क्षेत्र के मंडल नंबर,5 एवं मंडल नंबर 8 में श्रद्धापूर्वक मीठे पानी एवं मीठी लस्सी की छबील लगाकर उन्हें नमन किया गया। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश महामंत्री एवं जालंधर के पूर्व मेयर राकेश राठौर मुख्य रूप से उपस्थित रहे। राकेश राठौर ने कहा कि महाराजा रणजीत सिंह एक महान शासक ही नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, धार्मिक सद्भाव और जनकल्याणकारी शासन के प्रतीक थे। उनका जीवन और बलिदान आज भी समाज को राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि महाराजा रणजीत सिंह द्वारा स्थापित सुशासन, न्याय और सर्वधर्म सम्मान की भावना आज भी प्रासंगिक है।

राठौर ने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सरदार केवल सिंह ढिल्लों के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी पंजाब में जनसेवा, सुशासन और विकास के मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भाजपा का उद्देश्य पंजाब को फिर से समृद्ध, सुरक्षित और विकासशील बनाना है तथा महाराजा रणजीत सिंह के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना है। इस अवसर पर उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जालंधर क्षेत्र के निवासियों को मीठी लस्सी एवं मीठा पानी वितरित कर सेवा भाव का संदेश दिया तथा महाराजा रणजीत सिंह जी के बलिदान को श्रद्धापूर्वक याद किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा जिला जालंधर के पूर्व अध्यक्ष रमन पब्बी, भारतीय जनता युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सनी शर्मा, जिला उपाध्यक्ष मनीष विज,भूपिंदर अनु, ललित यादव बबू,मंडल अध्यक्ष चंदन रखेजा,अंजू प्रभाकर, रिपुदमन सिंह,एडवोकेट हरिंदर सिंह कहलों,मनीष नड्डा,जे पी पांडे,मनोज अग्रवाल,डिंपल कुमार,अमरजीत कुमार,रवींद्र सोनकर,शाम लाल,परमजीत कुमार,हेमराज,रमेश वर्मा, सोढ़ी राम,सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बंगाणा में चिट्टा और नशे के खिलाफ निकली विशाल जागरूकता रैली

अटॉर्नी जनरल अनूप रत्न व चीफ व्हिप केवल सिंह पठानिया ने किया नेतृत्व, मुख्यमंत्री सुक्खू के नेतृत्व में चिट्टा माफिया पर बड़ी कार्रवाई, 64 करोड़ की संपत्ति कुर्क, युवाओं को नशे से दूर रखने का लिया संकल्प

» प्रथम न्यूज । बंगाणा
27 जून (जोगिंद्र देव आर्य)

प्रदेश सरकार के नशा मुक्त हिमाचल अभियान के तहत शुक्रवार को बंगाणा में चिट्टा और अन्य नशीले पदार्थों के खिलाफ एक विशाल जन-जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का नेतृत्व राज्य सरकार के अटॉर्नी जनरल अनूप रत्न तथा प्रदेश सरकार के चीफ व्हिप केवल सिंह पठानिया ने किया। इस अवसर पर कुटलैहड़ के विधायक विवेक शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, स्कूली छात्र-छात्राएं, सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। रैली बंगाणा रेस्ट हाउस से आरंभ होकर भलेती तक निकाली गई। इस में प्रतिभागियों ने हाथों में नशा विरोधी संदेश लिखी तख्तियां लेकर लोगों को चिट्टा और अन्य नशीले पदार्थों से दूर रहने का संदेश दिया। पूरे मार्ग में नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो, चिट्टा मुक्त समाज हमारा संकल्प तथा युवा शक्ति, राष्ट्र की शक्ति जैसे नारों से वातावरण गूंज उठा। चीफ व्हिप केवल सिंह पठानिया ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने चिट्टा माफिया के खिलाफ निर्णायक अभियान छेड़ा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने कानून को और अधिक प्रभावी बनाते हुए नशा तस्करों पर लगातार शिकंजा कसा है। उन्होंने बताया कि अब तक चिट्टा माफिया की लगभग 64 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की जा चुकी है, जो इस बात का प्रमाण है कि सरकार नशे के कारोबार को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल नशा तस्करों को गिरफ्तार करना नहीं, बल्कि पूरे समाज को नशा मुक्त बनाना है। इसके लिए पुलिस, प्रशासन, शिक्षा विभाग, सामाजिक संस्थाओं और आम जनता को साथ लेकर व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेल और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाएं। राज्य सरकार के अटॉर्नी जनरल अनूप रत्न ने कहा कि चिट्टा केवल एक नशीला पदार्थ नहीं बल्कि समाज और परिवारों को बर्बाद करने वाली गंभीर सामाजिक बुराई है। उन्होंने कहा कि इसके खिलाफ लड़ाई केवल सरकार की नहीं बल्कि समाज की जिम्मेदारी है। यदि प्रत्येक नागरिक जागरूक होकर नशा तस्करों की सूचना प्रशासन को देगा, तो इस समस्या पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। कुटलैहड़ के विधायक विवेक शर्मा ने कहा कि नशा आज युवाओं के भविष्य के सामने सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग को इस लड़ाई में अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। विद्यालयों, पंचायतों, धार्मिक संस्थाओं और सामाजिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी से ही नशा मुक्त समाज का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने छात्रों से नशे के खिलाफ जन-जागरूकता अभियान का हिस्सा बनने का आह्वान किया।

रैली में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने नशा विरोधी स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर लोगों को जागरूक किया। सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी अभियान का समर्थन करते हुए समाज को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लिया। स्थानीय लोगों ने भी बड़ी संख्या में रैली में भाग लेकर सरकार के इस अभियान के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। इस कार्य क्रम में उपस्थित सभी लोगों ने नशे के खिलाफ सामूहिक शपथ ली और समाज से चिट्टा तथा अन्य नशीले पदार्थों के पूर्ण उन्मूलन के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प दोहराया। वक्ताओं ने कहा कि सरकार की सख्त कार्रवाई और समाज के सहयोग से निश्चित रूप से हिमाचल प्रदेश को नशा मुक्त बनाने के लक्ष्य की दिशा में सकारात्मक परिणाम प्राप्त होंगे। इस मौके पर विधायक विवेक शर्मा की धर्म पत्नि श्री मति मृदु शर्मा, समाजसेवी संजय एसडीएम बंगाणा सोनू गोयल एएसपी सुरेन्द्र शर्मा तहसीलदार बंगाणा अमित कुमार शर्मा खंड बिकास अधिकारी के एल वर्मा डीएसपी अजय ठाकुर थाना प्रभारी बंगाणा रोहित चौधरी के अलावा कुटलैहड़ कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विवेक मिंका के सी शर्मा दिनेश खत्री आदि सेकंडों की संख्या में गणमान्य मौजूद रहे।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हैल्थ
Website : www.prathamnews.in

नाईट क्रीम से सौन्दर्य : शहनाज़ हुसैन

नाईट क्रीम के बारे में आपने जरूर सुना होगा ।दरअसल पुरे दिन काम की व्यस्तता, तनाव, गलत जीवन शैली और प्रदूषण की वजह से हमारी त्वचा बेजान हो जाती है।

रात के समय त्वचा खुद की मरम्मत करती है। इस दौरान नाईट क्रीम लगाना बेहद फायदेमंद होता है। यह त्वचा को गहराई से पोषण, नमी और चमक प्रदान करती है। हालाँकि महिलाएं दिन में भी क्रीम का इस्तेमाल करती हैं लेकिन मेरा यह मानना है की डे क्रीम की बजाय नाईट क्रीम सौन्दर्य के लिए ज्यादा बेहतर साबित होती है।

सौन्दर्य विशेषज्ञों की मानें तो रात को क्रीम हमारी स्किन पर ज्यादा अच्छे तरीके से काम करती है। क्योंकि कि एक तो रात को हम अपने चेहरे पर बार-बार हाथ नहीं लगाते हैं ।दूसरा, हमारा चेहरा धूल और मिट्टी से भी बचा रहता है।इसके कारण क्रीम के सारे पोषक तत्व आपकी स्किन को मिलते हैं।साथ ही रात को क्रीम आपके चेहरे पर काफी तेजी से भी काम करती है क्योंकि हम इसे अपने चेहरे पर तकरीबन 8 से 10 घंटे तक लगा रहने देते हैं

लेकिन रात्रि क्रीम का चुनाब भी काफी महत्वपूर्ण होता है ।इस समय बाजार में हर तरह की नाईट क्रीम उपलब्ध है लेकिन अच्छी गुणबत्ता की नाईट क्रीम घर पर आसानी से बनाई जा सकती है जोकि आपके सौन्दर्य को चार चाँद लगाएंगे और आपकी जेब पर भी भारी नहीं पड़ेंगे ।

नाइट क्रीम एक तरह की पौषक क्रीम है, जिससे मसाज करने पर त्वचा में नमी बनाये रखने की क्षमता बढ़ती है।ये स्किन को ठंडा रखने वाला तत्व भी प्रदान करती है, जिससे त्वचा मुलायम और कोमल होती है। साथ ही, कई तरह की नाइट क्रीम को एंटी-एजिंग क्रीम की तरह भी इस्तेमाल किया जाता है क्योंकि इनमें बह पौषक तत्व मौजूद होते हैं, जो बढ़ती उम्र के लक्षणों को कम कर सकते हैं।

आप नामचीन कंपनियों की नाईट क्रीम भी इस्तेमाल

कर सकती हैं क्योंकि इसमें एंटी-एजिंग के साथ ही बिभिन्न प्रकार की त्वचा के अनुरूप बनाया गया होता है ।

नाइट क्रीम के इस्तेमाल का स्किन टाइप का अनुसार किया जाता है। हालांकि, यह उन लोगों के लिए बेहतर है जिनकी स्किन सामान्य है या रूखी है।क्योंकि अगर आपकी स्किन ऑयली है या आपके चेहरे पर मुंहासे, फुंसी या रैशेज होने का खतरा है, इन लोगों को इसका उपयोग नहीं करना चाहिए।क्योंकि ऑयली स्किन को क्रीम से मसाज करने की ज़रूरत नहीं है।

अगर आप इसका इस्तेमाल करती हैं, तो इससे स्किन के रोम छिद्र बंद हो जाते हैं और ब्लैकहेड्स और कील मुंहासे होने की संभावना भी हो जाती है।अगर आपकी त्वचा का रूखापन सामान्य है, तो आप 25 साल की उम्र के बाद नाइट क्रीम का इस्तेमाल कर सकती हैं।

रात को सोने से पहले और रात में स्किन को साफ करने के बाद नाइट क्रीम का इस्तेमाल करना चाहिए।साथ ही, चेहरे पर नाइट क्रीम लगाकर अच्छी तरह से मालिश करनी चाहिए। आप अपनी गर्दन पर भी नाइट क्रीम का इस्तेमाल करना चाहिए। हालांकि, सोने से पहले क्रीम को नम रूई से पोंछना चाहिए।

आजकल बाजार में कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट मिलने लगे हैं लेकिन आप ऐसी नाइट क्रीम का चुनाव करें, जिसमें आमतौर पर एमोलिएंट्स शामिल हों। क्योंकि ये तत्व त्वचा को तेल प्रदान करने का काम करते हैं और रूखी त्वचा को तेल की जरूरत होती है।साथ ही, इसमें मॉइस्चराइज़र भी हो सकते हैं।सामान्य और तैलीय त्वचा के लिए एलोवेरा जेल में कुछ बूंदे नींबू मिलाकर बने मिश्रण को सोने से ठीक पहले चेहरे , गर्दन और खुली त्वचा पर लगा कर सो जाये और सुबह उठते ही ताजे पानी से धो डालें। इससे आप की त्वचा कोमल और मुलायम हो जाएगी ।

रूखी त्वचा के लिए एलोवेरा जेल में सुगंधित तेल मिलाकर चेहरे पर लगाने से चेहरे की आभा बढ़ती है ।

दो चम्मच एलोवेरा जेल, एक चम्मच ओलिव आयल और दो चम्मच दूध पाउडर को मिलाकर एक समान गाढ़ा पेस्ट बना लें ।अपने चेहरे कर गर्दन को साफ़ करके इस पेस्ट को त्वचा पर लगा कर सुबह ताजे पानी से धो डालें ।आप चाहें तो इस मिश्रण को ज्यादा मात्रा में बना कर एयर टाइट जार में फ्रिज में रख कर रोज़ाना रात्रि में आवश्यकता अनुसार उपयोग कर सकती हैं। आधे पके एवोकैडो का पेस्ट बनाकर उसमें एक अण्डा फेंट लें ताकि यह एक क्रीम बन जाये ।इस क्रीम को चेहरे पर गोलाकार रूप में लगा कर इसे सूखने दें और फिर गहरी नींद ले लें । 2 चम्मच एलोवेरा जेल लें।इसमें 1 विटामिन-ई कैप्सूल का तेल मिलाएं। कुछ बूंदें बादाम के तेल या गुलाब जल की डालें।इसे तब तक फेंटें जब तक यह मुलायम क्रीम न बन जाए। रात को सोने से पहले चेहरे को साफ करके इसे लगाएं और हल्के हाथों से मसाज करें।

सुबह अपना चेहरा ताजे पानी से धो डालें ।यह चेहरे की नमी को बनाये रखेगा जिससे चेहरे पर झुर्रियां और फाइन लाइन्स को कम करने में मदद मिलेगी ।

आधा कप नारियल तेल (100 ग्राम) और तीन चमच शहद को एक कटोरे में मिलाएं ।इस सामग्री को माइक्रो बेब में गर्म करके तरल पदार्थ में बदल लें ।अब इसे हथेलियों पर रगड़ कर चेहरे और गर्दन पर लगा लें और गहरी नींद ले लें ।इससे आपकी त्वचा में निखार प्रकृतिक निखार आएगा

तैलीय त्वचा के लिए 2 चम्मच ताजा एलोवेरा जेल, आधा चम्मच खीरे का रस, और 2 बूंद टी-ट्री एसेंशियल ऑयल को मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। इसे फ्रिज में स्टोर करें और रोजाना इस्तेमाल करें ।

एक पैन को गैस में रखें और जब यह गर्म हो जाए तो इसमें नारियल और बादाम का तेल एक साथ डालकर गर्म होने दें ।जब दोनों चीज़ें गर्म हो जाएं, तो उसके फ्लेम को बंद कर दें और तेल को ठंडा होने दें। इसके बाद इसमें गुलाब जल और ग्लिसरीन डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। सब चीज़ें मिलाने के बाद आपकी क्रीम तैयार हो चुकी है। इसे अब आप एक जार में भर कर स्टोर कर सकती हैं।

लेकिन हमेशा ध्यान रखें की नाईट क्रीम ज्यादा गाढ़ी नहीं होनी चाहिए क्योंकि इससे त्वचा के छिद्र बंद होने से कील मुहांसों की समस्या पैदा हो सकती है ।

शहनाज़ हुसैन

अपनी त्वचा के हिसाब से क्रीम चुनें। जैसे ड्राई स्किन के लिए ऑइल-बेस्ड क्रीम चुनें जो त्वचा को हाइड्रेट करती रहे और रूखा होने से बचाए। वहीं ऑइली स्किन के लिए लाइट जेल क्रीम अच्छा विकल्प हो सकती है। साथ ही वाटर बेस्ड क्रीम भी चुनी जा सकती है।

सबसे पहले अपनी हथेली के पिछले हिस्से में थोड़ी सी क्रीम लगाकर टेस्ट करें। यदि आपको कोई भी तकलीफ हो तो चेहरे पर क्रीम न लगाएं।

नाइट क्रीम को हल्के हाथों से थपथपाते हुए पूरे चेहरे पर फैलाएं। आंखों की पलकों पर क्रीम न लगाएं। चेहरे के अलावा गर्दन पर भी क्रीम फैलाएं।

कभी भी बिना मेकअप लगाए या बिना फेस वॉश करे नाइट क्रीम न लगाएं। धूल या गंदगी भरी त्वचा पर नाइट क्रीम लगाने से त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है और हो सकता है सुबह उठकर आप चेहरे पर ढेर सारी फुंसियां या रैशेज पाएं।

थकान और कमजोरी का इलाज

खानपान में शामिल करें ये 5 सुपरफूड्स

कई लोगों को दिनभर सुस्ती, थकान और कमजोरी महसूस होती है, खासकर बिना किसी भारी काम के भी. इसके पीछे सबसे आम कारण है पोषण की कमी, नींद का पूरा न होना, तनाव और पानी की कमी. कई बार शरीर को जरूरी विटामिन्स और मिनरल्स नहीं मिल पाते हैं, जिससे एनर्जी लेवल लगातार गिरता है. आयरन, विटामिन बी12, और विटामिन डी की कमी शरीर को कमजोर बना देती है. इसके अलावा, लगातार स्क्रीन टाइम और फिजिकल एक्टिविटी की कमी से भी शरीर थका-थका महसूस करता है. कुछ मामलों में यह थकान किसी अंदरूनी बीमारी या हॉर्मोनल इम्बैलेंस का भी संकेत हो सकती है. इसलिए जरूरी है कि शरीर को पोषक तत्वों से भरपूर डाइट और पर्याप्त आराम दिया जाए.

लगातार बनी रहने वाली थकान और कमजोरी शरीर को कई तरह से नुकसान पहुंचा सकती है. सबसे पहले तो यह आपकी कामकाज को प्रभावित करती है, चाहे आप स्टूडेंट हों या नौकरीपेशा, एनर्जी की कमी से आपका ध्यान भटकता है और काम में मन नहीं लगता. इसके अलावा, कमजोर शरीर इम्यूनिटी को भी प्रभावित करता है, जिससे आप जल्दी-जल्दी बीमार पड़ सकते हैं. थकान मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर डालती है, जिससे मूड खराब रहता है, चिड़चिड़ापन बढ़ता है और डिप्रेशन की संभावना भी हो सकती है. लंबे समय तक कमजोरी बने रहने पर मांसपेशियां ढीली पड़ने लगती हैं. इसलिए शरीर की थकावट को हल्के में नहीं लेना चाहिए, बल्कि समय रहते इसका समाधान जरूरी है.

खानपान में शामिल करें ये 5 सुपरफूड्

- **चुकंदर :** यह आयरन और नाइट्रेट से भरपूर होता है, जो शरीर में खून की मात्रा बढ़ाने और ऑक्सीजन की सप्लाई सुधारने में मदद करता है. इससे थकान कम होती है और एनर्जी बढ़ती है.
- **केला :** इसमें कार्बोहाइड्रेट, पोटैशियम और विटामिन बी6 होता है, जो फौरन एनर्जी देता है. यह मसल्स की थकावट भी कम करता है.
- **अखरोट :** ये ओमेगा-3 फैटी एसिड, प्रोटीन और फाइबर से भरपूर होते हैं, जो दिमाग और शरीर दोनों की थकान मिटाने में मदद करते हैं.
- **पालक :** पालक में आयरन और मैग्नीशियम की अच्छी मात्रा होती है. यह खून की कमी से होने वाली कमजोरी और थकावट को दूर करता है.
- **दही :** इसमें मौजूद प्रोबायोटिक्स पाचन को दुरुस्त रखते हैं और शरीर को ठंडक और एनर्जी देते हैं. गर्मियों में यह बेहद फायदेमंद होता है.

यह भी जरूरी

- रोजाना कम से कम 30 मिनट की हल्की एक्सरसाइज या वॉक करें.
- देर रात तक जागने की आदत छोड़ें और नींद का समय फिक्स करें.
- दिनभर पर्याप्त पानी पिएं ताकि शरीर डिहाइड्रेट न हो.
- मोबाइल, लैपटॉप आदि पर स्क्रीन टाइम सीमित करें.
- दिन की शुरुआत हेल्दी नाश्ते से करें और खाना समय पर खाएं.

सालभर तक स्टोर कर सकेंगे आम का अचार!

इस तरीके से बनाएं, स्वाद भी मिलेगा लाजवाब

जून-जुलाई के महीनों में किचन में एक खास खुशबू तैरने लगती है कच्चे आम के अचार की।

यह न सिर्फ खाने का स्वाद बढ़ाता है, बल्कि लंबे समय तक स्टोर किया जा सकता है। आम का अचार भारतीय थाली का अहम हिस्सा है और इसकी सही विधि से बनाया गया अचार सालभर तक खराब नहीं होता।

लेकिन अचार बनाना एक कला है, जिसमें साफ-सफाई, सही मात्रा में मसाले और धूप देना बेहद जरूरी होता है। अगर इन बातों का ध्यान रखा जाए तो एक बार बनाया गया अचार पूरे साल तक ताजा बना रहता है।

आइए जानते हैं आम का पारंपरिक अचार डालने की आसान लेकिन असरदार विधि।

आवश्यक सामग्री

- **कच्चे आम :** 1 किलो (कटा हुआ, बीज हटाकर)
- **नमक :** 100 ग्राम
- **हल्दी :** 2 बड़े चम्मच
- **लाल मिर्च पाउडर :** 2 बड़े चम्मच
- **राई (दरदरी पिसी) :** 3 बड़े चम्मच
- **सौंफ :** 2 बड़े चम्मच
- **मेथी दाना :** 1 बड़ा चम्मच
- **हींग :** 1/2 छोटा चम्मच
- **सरसों का तेल :** 300 से 400 ml

आम का अचार बनाने का तरीका
मसाले तैयार करना

एक कढ़ाही में मेथी और सौंफ को हल्का भून लें और दरदरा कूट लें। अब इसमें दरदरी राई, लाल मिर्च पाउडर और हींग मिलाएं। ये सभी मसाले अचार को स्वाद के साथ लंबी शेल्फ लाइफ भी देंगे।

अचार में मसाले और तेल मिलाना

अब नमक-हल्दी लगे आम में तैयार मसाले मिलाएं। एक पैन में सरसों का तेल गर्म करें, जब उसमें से धुआं निकलने लगे तो गैस बंद कर दें और तेल को ठंडा होने दें। ठंडा तेल अचार में डालें और अच्छे से मिलाएं।

धूप में रखना और स्टोरेज

- अचार को साफ और सूखे कांच के जार में भरें।
- जार को 4-5 दिन तक रोजाना धूप में रखें और हर दिन चमचे से ऊपर-नीचे कर मिलाएं।
- इसके बाद जार को बंद कर ठंडी, सूखी जगह पर स्टोर करें। यह अचार सालभर तक खराब नहीं होगा।

पाचन सुधारता है पपीता, इम्यून सिस्टम होता है बूस्ट, 6 फायदे जान खाना कर देंगे शुरू

पपीता एक ऐसा फल है जो स्वाद में जितना मीठा होता है, सेहत के लिहाज से उतना ही फायदेमंद भी। इसमें मौजूद एंजाइम्स, विटामिन्स और फाइबर इसे हेल्दी डाइट का सुपरफूड बनाते हैं। ये न सिर्फ पाचन को सुधारता है, बल्कि स्किन, इम्युनिटी और हार्ट के लिए भी बेहद लाभकारी है।

आयुर्वेद से लेकर आधुनिक चिकित्सा तक, पपीते की तारीफ हर जगह की जाती है। इसे कच्चा या पका हुआ दोनों रूप में खाया जा सकता है। चलिए जानते हैं पपीता खाने के 6 बड़े फायदे, जो आपके स्वास्थ्य में सुधार ला सकते हैं।

पाचन को बनाता है दुरुस्त

पपीता में पपेन नामक एंजाइम होता है, जो खाने को पचाने में मदद करता है। यह पेट की गैस, अपच और एसिडिटी जैसी समस्याओं को दूर करता है। रोजाना सुबह खाली पेट पपीता खाने से आंतें साफ रहती हैं और कब्ज की समस्या नहीं होती।

इम्यून सिस्टम को करता है मजबूत

पपीता विटामिन C और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। इससे आप सर्दी-जुकाम, खांसी और मौसमी बीमारियों से बचे रहते हैं। बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह खास तौर पर फायदेमंद है।

वजन घटाने में करता है मदद

कम कैलोरी और हाई फाइबर वाला पपीता वजन घटाने वालों के लिए एक आदर्श फल है। यह लंबे समय तक पेट भरा रखता है और ओवरईटिंग से रोकता है।

साथ ही यह मेटाबॉलिज्म को तेज करता है, जिससे फैट जल्दी बर्न होता है।

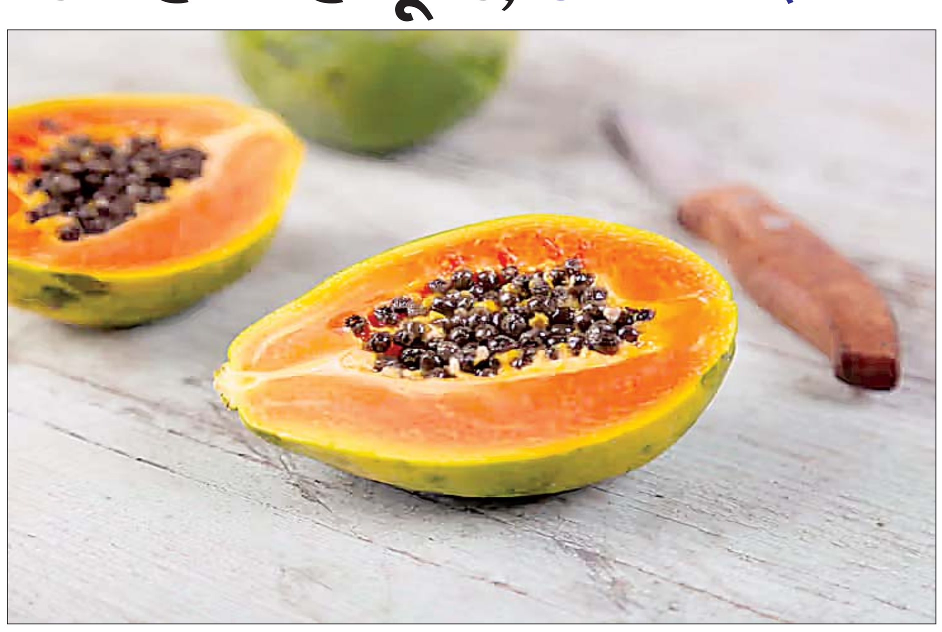

त्वचा को बनाता है ग्लोइंग

पपीते में विटामिन A, C और E होते हैं जो स्किन को पोषण देते हैं। यह झुर्रियों को कम करता है और दाग-धब्बों को भी हटाने में मदद करता है। पपीता खाने के साथ-साथ इसका फेस पैक भी त्वचा को चमकदार बना सकता है।

दिल को रखता है स्वस्थ

पपीता में फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट्स और पोटैशियम होते हैं जो कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल में रखते हैं। यह ब्लड प्रेशर को भी बैलेंस करता है और दिल के दौरे जैसी गंभीर बीमारियों से बचाव करता है। हफ्ते में 3-4 बार इसका सेवन लाभकारी है।

आंखों की रोशनी बढ़ाता है

पपीते में मौजूद विटामिन और फ्लैवोनॉयड आंखों की सेहत के लिए जरूरी होते हैं। यह रेटिना को मजबूत करता है और उम्र बढ़ने के साथ आने वाली आंखों की कमजोरियों को दूर रखने में मदद करता है।